# सतर्कता संदेश

# Satarkta Sandesh




अंक / Issue No. 21

अक्टूबर / October 2019

## पूर्व मध्य रेल

## East Central Railway

पारदर्शिता हेतु सतत् प्रयासरत एवं कटिबद्ध




सतर्कता संवाद में महाप्रबंधक श्री एल.सी.त्रिवेदी एवं
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज अग्रवाल




सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 के अवसर पर
मुख्यालय हाजीपुर में 'सतर्कता संदेश' के 20वें अंक का
लोकार्पण करते महाप्रबंधक श्री एल.सी.त्रिवेदी




सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 के अवसर पर मुख्यालय हाजीपुर में
सत्यनिष्ठा शपथ दिलाते अपर महाप्रबंधक श्री विद्याभूषण एवं
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज अग्रवाल

# पूर्व मध्य रेल

## East Central Railway

सत्यमेव जयते




# सतर्कता संदेश

## Satarkta Sandesh

एल. सी. त्रिवेदी
महाप्रबंधक
L. C. Trivedi
General Manager

सत्यमेव जयते

पूर्व मध्य रेल
हाजीपुर – 844101
East Central Railway
Hajipur- 844101
Phone : + 91-06224-274728
Fax - 271513, 274738
E-mail : gm@ecr.railnet.gov.in



# संदेश

मुझे खुशी है कि सतर्कता संगठन पूर्व मध्य रेल के द्वारा 28 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2019 तक मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर **'सतर्कता संदेश'** का 21वाँ अंक प्रकाशित किया जा रहा है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2019 का विषय **"ईमानदारी - एक जीवन शैली"** है। हम सभी जानते हैं कि भ्रष्ट आचरण हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाते हैं और विकास प्रक्रिया को पटरी से उतार देते हैं। रेलवे अपने उपभोक्ताओं को लागत प्रभावी और कुशल सेवाएँ प्रदान करने के लिए बाध्य है। तदनुसार, हमारे कर्म और छवि इन अन्तर्निहित उद्देश्यों को परिलक्षित करने चाहिए। हमें अपने संगठन में ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जो सुचारू और प्रभावी कार्य करने को बढ़ावा दे। यह तभी प्राप्त किया जा सकता है जब हमारी रेल अपनी प्रणाली में ईमानदार, पारदर्शी और निष्पक्ष प्रथाओं को अपनाती रहे। आइए हम इस लक्ष्य को प्राप्त करें।

मुझे उम्मीद है कि **'सतर्कता संदेश'** हमारे अधिकारियों और कर्मियों को नवीनतम नियमों और विनियमों के साथ खुद को सामयिक बनाने में मदद करेगी, क्योंकि कई बार उनकी समझ की कमी उनके द्वारा की गई अनियमितताओं का आधार बन जाती है।

(एल. सी. त्रिवेदी)
महाप्रबंधक

एल. सी. त्रिवेदी
महाप्रबंधक
L. C. Trivedi
General Manager

सत्यमेव जयते

पूर्व मध्य रेल
हाजीपुर – 844101
East Central Railway
Hajipur- 844101
Phone : + 91-06224-274728
Fax - 271513, 274738
E-mail : gm@ecr.railnet.gov.in



# MESSAGE

I am glad that Vigilance Organisation of East Central Railway is bringing out 21st issue of **'Satarkta Sandesh'** on the occasion of Vigilance Awareness Week starting from 28th October to 2nd November, 2019.

**"Integrity – A way of life"** is the theme of Vigilance Awareness Week-2019. We all know that corrupt practices damage our economy and derail the developmental process. Hence, We in Railways are duty bound to provide cost-effective and efficient services to Rail-users. Accordingly, our deeds and image should reflect these innate objectives. We should aim for the environment in our organization that promotes smooth and effective working. This can be achieved when honest, transparent and fair practices are incorporated within our Railway system. Let us aim to attain this objective.

I hope **'Satarkta Sandesh'** would contribute to help our officers and personnel in updating themselves with latest rules & regulations as many times their lack of understanding forms the basis of irregularities committed by them.

**(L. C. Trivedi)**
**General Manager**

**रमेश कुमार झा**
प्रमुख कार्यपालक निदेशक (सतर्कता)
एवं
मुख्य सतर्कता अधिकारी

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत

भारत सरकार
रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड)
रेल भवन, नई दिल्ली-110001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)
RAIL BHAVAN, NEW DELHI-110001



# संदेश

भ्रष्टाचार के विरुद्ध बहुआयामी दृष्टिकोण के एक भाग के रुप में सतर्कता जागरुकता सप्ताह का प्रति वर्ष आयोजन किया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य समस्त भागीदारों को सामूहिक रुप से भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष करने और इसकी रोकथाम के लिए प्रोत्साहित करना तथा भ्रष्टाचार की मौजूदगी इसके कारण और गंभीरता एवं इसके निवारण के लिए जागरुकता फैलाना है। सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2019 के दौरान तथा पूरे आगामी वर्ष में सरकारी संगठन सत्यनिष्ठा ईमानदारी और आचार-संहिताओं को बढ़ावा देने के क्रम में केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित **''ईमानदारी- एक जीवन शैली''** विषय पर विशेष ध्यान देंगे। हमें पारदर्शिता, जवाबदेही, न्यूनतम स्व-विवेक, बदले हुए पब्लिक इंटरफेस, प्रौद्योगिकी आधारित प्रापण और स्वाचालन का संगठनात्मक तत्वविज्ञान में शामिल करना है ताकि **''ईमानदारी - एक जीवन शैली''** के स्वप्न की ओर उचित कदम बढ़ाया जा सके।

भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त न किए जाने के स्पष्ट संगठनात्मक इरादे की जानकारी जब सम्मेलनों, वार्ताओं, पैनल डिस्कशन इत्यादि के माध्यम से समस्त हितधारकों अर्थात् स्टाफ, कार्य भागीदारों और काफी हद तक आम जनता को दी जाती है तो इससे उनकी मानसिकता पर अमिट छाप लग जाती है। मुझे विश्वास है कि रेलवे द्वारा सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2019 के दौरान एक संगठित और प्रभावी तरीके से उपर्युक्त गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

रेलवे द्वारा सतर्कता बुलेटिन के इस विशेष संस्करण को प्रकाशित करने के लिए मैं पूर्ण विश्वास के साथ अपनी शुभकामनाएं देता हूँ कि इससे सभी रेल कर्मियों में जागरुकता का प्रसार होगा और एक ऐसा कार्य वातावरण तैयार हो सकेगा जिसमें भ्रष्टाचार का कोई स्थान नहीं होगा।

रमेश

**(रमेश कुमार झा)**

**Ramesh Kumar Jha**

**Principal Exec. Director (Vig.)**
**&**
**Chief Vigilance officer**

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड)
रेल भवन, नई दिल्ली-110001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)
RAIL BHAVAN, NEW DELHI-110001



# MESSAGE

Vigilance Awareness Week is observed every year as a part of the multipronged approach against corruption, with the key strategy to encourage all stakeholders to collectively participate in the prevention of, and the fight against corruption and to raise public awareness regarding the existence, cause and gravity of and the threat posed by corruption.

During the course of the Vigilance Awareness Week-2019 and throughout the year that follows, government organizations, in the pursuit of promoting integrity, probity and ethics would pay special attention to the theme of ***"Integrity - A way of life"*** decided by the Central Vigilance commission. Transparency, accountability, minimal discretion, reduced public interface, technology based procurement and automation are to be internalized into the organizational philosophy for making right strides towards the dream of ***"Integrity - A way of life."***

Clear intent of the organization towards zero tolerance for corruption when conveyed to all stakeholders i.e. staff, operational partners and public at large through seminars, debates, panel discussion, etc, leaves and indelible mark on their psyche. I hope that the Railway will undertake the aforesaid activities in an organized manner during the Vigilance Awareness Week-2019, for maximum impact.

I sincerely wish that the efforts put in by the Railway in publishing the special edition of the Vigilance Bulletin would spread awareness amongst all functionaries at different levels and go a long way in creating an eco-system which is free from corruption.

**(Ramesh Kumar Jha)**

नीरज अग्रवाल
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक
Neeraj Agrawal
Sr. Dy. General Manager

सत्यमेव जयते

पूर्व मध्य रेल
हाजीपुर – 844101
East Central Railway
Hajipur- 844101
Phone : + 91-06224-272494 (O)
Fax : 06224-274133
E-mail : sdgm@ecr.railnet.gov.in



# प्राक्कथन

सतर्कता एक मनोदृष्टि है जिसका हमारे क्रियाकलापों से घनिष्ठ संबंध होना चाहिए, और इसकी व्याख्या संकीर्ण, नकारात्मक या दण्डात्मक रूप में नहीं की जानी चाहिए। प्रबंधकीय सक्षमता, वाणिज्यिक सफलता, सामाजिक कार्यकुशलता एवं सम्मानित छवि बनाने में सतर्कता सहायक है।

28 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2019 से शुरू होने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर पूर्व मध्य रेल **'सतर्कता संदेश'** का 21वाँ अंक प्रकाशन कर रहा है। रेलकर्मियों को स्वच्छ, पारदर्शी और आत्मविश्वास के साथ काम करने हेतु शिक्षित करने के लिए सतर्कता संगठन/पूर्व मध्य रेल निरंतर प्रयासरत रहा है।

लेख, केस अध्ययन और प्रणाली सुधार, **'सतर्कता संदेश'** में शामिल हैं, रेल कर्मियों के लिए सामान्य गलतियों से बचने और उनके काम करने में **"ईमानदारी - एक जीवन शैली"** विकसित करने के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा।

उपरोक्त सामग्री पाठकों के लिए यदि उपयोगी साबित होती है, तो हमारा लक्ष्य सिद्ध हो जाएगा और इससे संगठन को लाभ होगा। पाठकों के रचनात्मक सुझावों का स्वागत है।

**(नीरज अग्रवाल)**
**वरिष्ठ उप महाप्रबंधक**

नीरज अग्रवाल
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक
Neeraj Agrawal
Sr. Dy. General Manager

सत्यमेव जयते

पूर्व मध्य रेल
हाजीपुर – 844101
East Central Railway
Hajipur- 844101
Phone : + 91-06224-272494 (O)
Fax : 06224-274133
E-mail : sdgm@ecr.railnet.gov.in



# FOREWORD

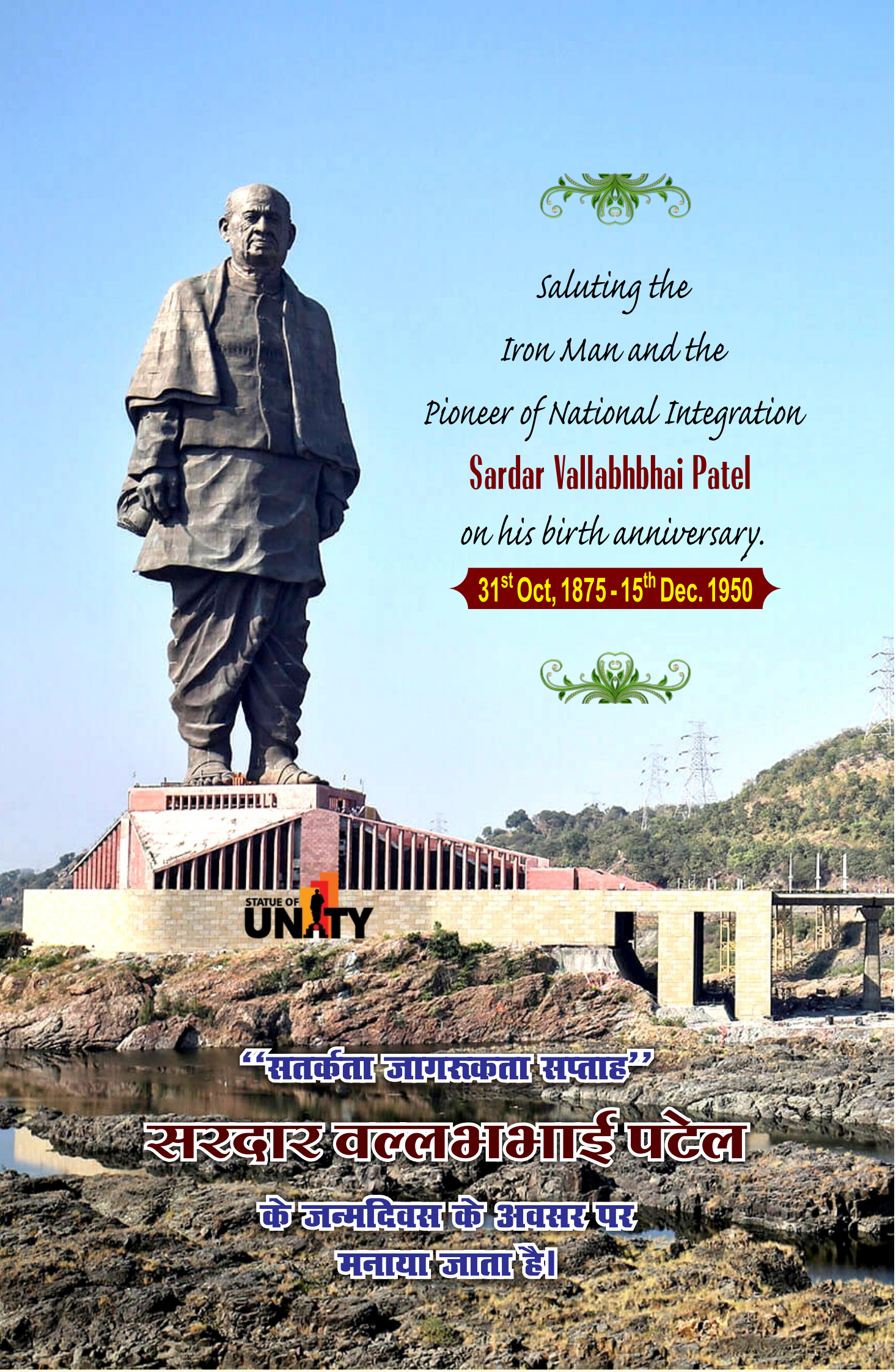
Vigilance is an attitude that must be integral to the way we work and it should not be viewed in a narrow, negative or punitive connotation. Vigilance is an aid to managerial competence, commercial success, social efficiency and respectable image.

The 21st issue of **'Satarkta Sandesh'** of ECR has been brought out on occasion of Vigilance Awareness Week commencing from 28th October' to 2nd November'2019. It has been continuous effort of ECR/Vigilance to educate the Railway officials to ensure clean, transparent and confident working.

The articles, case studies and System Improvements included in the **'Satarkta Sandesh'** would be very handy and useful for Railway officials to avoid common mistakes and develop **"Integrity – A way of life"** in their working.

Our objective would be achieved if the contents of the **'Satarkta Sandesh'** are useful to the readers, which in turn will benefit the organization. We welcome constructive suggestions from the readers.

**(Neeraj Agrawal)**
Sr. Dy. General Manager




Saluting the
Iron Man and the
Pioneer of National Integration
**Sardar Vallabhbhai Patel**
on his birth anniversary.

**31st Oct, 1875 - 15th Dec. 1950**

**"सतर्कता जागरूकता सप्ताह"**

**सरदार वल्लभभाई पटेल**

**के जन्मदिवस के अवसर पर**
**मनाया जाता है।**

# सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा

मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। मेरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है।

मेरा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए।

अतः, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि :–

- जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करूँगा।
- ना तो रिश्वत लूँगा और ना ही रिश्वत दूँगा;
- सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करूँगा;
- जनहित में कार्य करूँगा;
- अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करूँगा;
- भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेंसी को दूँगा।

# विषय सूची


| क्रम सं. | | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1. | **सार्वजनिक जीवन में अखंडता के सात सिद्धांत**<br>✍ **नीरज अग्रवाल,** वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक | **01-02** |
| 2. | **नैतिकता, भ्रष्टाचार और हम**<br>✍ **अरुण कुमार शर्मा,** अपर महाप्रबंधक | **03-05** |
| 3. | **ईमानदारी सर्वश्रेष्ठ नीति है**<br>✍ **रंजन प्रकाश ठाकुर,** मंडल रेल प्रबंधक/दानापुर | **06-06** |
| 4. | **दैनिक जीवन में ईमानदारी**<br>✍ **पी. के. सिन्हा,** अपर मंडल रेल प्रबंधक/सोनपुर | **07-08** |
| 5. | **संवेदनाओं का नैतिक मूल्यों के रूप में विकास**<br>✍ **शशीकान्त मिश्र,** विसमुलेधि/का0भ0वि0 | **09-11** |
| 6. | **ईमानदार जीवनशैली ही क्यों ?**<br>✍ **सन्नी सिन्हा,** उपमुसताधि (भंडार) | **11** |
| 7. | **केस अध्ययन** (यातायात) | **12-17** |
| 8. | **केस अध्ययन** (लेखा एवं कार्मिक) | **18-20** |
| 9. | **केस अध्ययन** (अभियंत्रण) | **21-30** |
| 10. | **केस अध्ययन** (भंडार, चिकित्सा एवं सुरक्षा) | **31-38** |
| 11. | **केस अध्ययन** (संकेत एवं दूरसंचार, विद्युत तथा यांत्रिक ) | **39-42** |
| 12. | **प्रणाली सुधार पत्र** | **43-83** |
| 13. | **ईमानदार जीवनशैली**<br>✍ **शैलेश कुमार,** गो. आशुलिपिक/सतर्कता | **84-84** |
| 14. | **'ईमानदारी' : सर्वश्रेष्ठ जीवनशैली**<br>✍ **प्रमोद यादव,** मुसतानि/भंडार | **85-86** |
| 15. | **सतर्कता चेतावनी गीत**<br>✍ **महादेव कुमार मंडल,** मुसतानि/भंडार | **87** |

# CONTENTS


| Sl.No. | | Page No. |
|---|---|---|
| 1. | **The Seven Principles of integrity in public life**<br>✍ **Neeraj Agrawal,** SDGM | 01-02 |
| 2. | **Honesty in day- to-day life**<br>✍ **P. K. Sinha,** ADRM/Sonpur | 07-08 |
| 3. | **Case Studies** (Traffic) | 12-17 |
| 4. | **Case Studies** (Accounts & Personnel) | 18-20 |
| 5. | **Case Studies** (Engineering) | 21-30 |
| 6. | **Case Studies** (Stores, medical & Security) | 31-38 |
| 7. | **Case Studies** (S &T, Electrical & Mechanical) | 39-42 |
| 8. | **System Improvement Letters** | 43-83 |

लेख

# सार्वजनिक जीवन में अखंडता के सात सिद्धांत

✍ **नीरज अग्रवाल**
वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक / पूमरे

सत्यनिष्ठा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत आंतरिक और बाह्य जीवन दोनों एकीकृत होता है। दैनिक जीवन में लोगों को परिस्थिति के अनुसार कई व्यक्तित्व अपनाना पड़ता है। सरल शब्दों में इसे दोहरे मानक या छद्म रूप अपनाना कहते हैं। दोहरा चेहरा या कई चेहरे अपनाने से आंतरिक संघर्ष पैदा होता है, जिससे व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। आंतरिक जीवन मनुष्य के कोर मूल्यों से आता है। कोर मूल्य सामान्यतः सार्वभौमिक होते हैं और ज्यादातर मनुष्य इन्हीं आंतरिक कोर मूल्यों के साथ जीना चाहते हैं। हालांकि समाज–समाज और स्थान–स्थान पर इनमें भिन्नता देखी जा सकती है। परंतु हर जगह ईमानदारी, सच्चाई, करुणा आदि को अति महत्व दिया जाता है। लोग व्यक्तिगत जीवन और सार्वजनिक जीवन में अलग नियमों का पालन कर स्वयं को धोखा देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक जीवन में तो ईमानदारी बरतते हैं, परंतु सार्वजनिक जीवन में इसका पालन नहीं करते। जबकि अखंडता सार्वभौमिक है और इसे सभी पस्थितियों में अपनाया जाना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा बरतने के सात सरल सिद्धांत निम्नलिखित हैंः–

## निस्वार्थता

सार्वजनिक कर्मियों को पूरी तरह जनहित में कार्य करना चाहिए। उन्हें ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए जिससे स्वयं या उनके परिवार या दोस्तों को वित्तीय या अन्य लाभ प्राप्त हो।

## सत्यनिष्ठा

सार्वजनिक कार्यालय कर्मियों को ऐसी स्थिति से बचना चाहिए जिसमे बाहरी व्यक्तियों या संगठनों से वित्तीय या अन्य लाभ प्राप्त होने की आशंका हो क्योंकि ऐसे व्यक्ति या संगठन बाद में आपके सरकारी कर्त्तव्यों के निर्वहन में प्रभाव डालने की कोशिश कर सकते हैं।

ARTICLE

# The Seven Principles of integrity in public life

✍ **Neeraj Agrawal**
Sr. Deputy General Manager/ECR

Integrity is a process in which inner life & outer life is integrated. In daily life people carry many persona suiting to particular situations. In simple words, it is called double standard or pseudo character. Maintaining double face or many faces create internal conflicts affecting individual's life quality. Inner life comes from core values of a person. Core values in general, are universal and most people want to live by these core inner values. There may be some variation from society to society and place to place. But everywhere honesty, truthfulness, compassion etc. are valued.

People deceive themselves by following different set of rules in personal life and in public life. Many like to behave with integrity while in close family but tend to divert when dealing in public life.

Whereas integrity is universal and shall be adopted in all the situations. Following are seven simple principles of integrity in public life :-

**Selflessness**

Holders of public office should act solely in terms of the public interest. They should not do so in order to gain financial or other benefits for themselves, their family or their friends.

**Integrity**

Holders of public office should not place themselves under any financial or other obligation to outside individuals or organizations that might seek to influence them in the performance of their official duties.

**निष्पक्षता**

सार्वजनिक कर्मियों को सार्वजनिक व्यवसाय जिसमें सार्वजनिक नियुक्तियां शामिल हैं, ठेके देने, या पुरस्कार और लाभ के लिए व्यक्तियों की सिफारिश करते समय योग्यता के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

**जवाबदेही**

सार्वजनिक कार्यालयकर्मी अपने निर्णयों और कार्यों के लिए जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं और अपने कार्यालय में भी जाँच उपयुक्त हो, उसे स्वयं प्रस्तुत करना चाहिए।

**स्पष्टता**

सार्वजनिक कर्मियों को अपने द्वारा लिए जाने वाली निर्णयों में, जहाँ तक संभव हो, स्पष्टता बरतनी चाहिए। उन्हें अपने द्वारा लिए निर्णयों का कारण स्पष्ट करना चाहिए और सूचना को तभी तक सीमित रखना चाहिए जब तक कि यह व्यापक जनहित में ना हो।

**ईमानदारी**

सार्वजनिक कर्मियों का यह कर्त्तव्य है कि वे अपने सार्वजनिक कर्त्तव्यों से संबंधित किसी भी प्रकार का निजी हित यदि कोई हो तो इसकी घोषणा करें और किसी तरह की मतभिन्नता को हल करने के लिए जनहित में कदम उठाएं।

**नेतृत्व**

सार्वजनिक कर्मियों द्वारा उपरोक्त सिद्धांतों को बढ़ावा एवं समर्थन देने हेतु नेतृत्व प्रदान करना चाहिए और उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। वर्तमान जटिल जीवनशैली से व्यक्ति का सार्वजनिक और निजी जीवन सीमित होता है। सामान्यतः ज्यादातर मामलों में सार्वजनिक गतिविधियां और व्यवहार, निजी जीवन के प्रतिबिंब होते हैं। मेरा मानना है कि यदि कोई सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा का अनुसरण करता है, तो मुझे विश्वास है कि उसका निजी जीवन भी शांतिपूर्ण और उद्देश्य पूर्ण होगा। इसलिए, हमें अपने जीवन में हर जगह और हर समय **'सत्यनिष्ठा'** अपनाना चाहिए।

**Objectivity**

In carrying out public business, including making public appointments, awarding contracts, or recommending individuals for rewards and benefits, holders of public office should make choices on merit.

**Accountability**

Holders of public office are accountable for their decisions and actions to the public and must submit themselves to whatever scrutiny is appropriate to their office.

**Openness**

Holders of public office should be as open as possible about all the decisions and actions that they take. They should give reasons for their decisions and restrict information only when the wider public interest clearly demands.

**Honesty**

Holders of public office have a duty to declare any private interests relating to their public duties and to take steps to resolve any conflicts arising in a way that protects the public interest.

**Leadership**

Holders of public office should promote and support these principles by leadership and example.

Present complex living environment diminishes the boundary of one's public & private life. In general for most, private life is reflection of public activities & behaviour. I believe that if one follows path of honesty & integrity in public life, I am sure his private life would also be peaceful & purposeful. Therefore, we must adopt **'Integrity'** as a way of life everywhere & every time.



लेख

# नैतिकता, भ्रष्टाचार और हम

✍ **अरुण कुमार शर्मा**
अपर महाप्रबंधक / पूमरे

अनैतिक तरीको का इस्तेमाल कर दूसरो से कुछ फायदा प्राप्त करना भ्रष्टाचार कहलाता है। भ्रष्टाचार एक ज़हर की तरह है जो देश, संप्रदाय, और समाज के गलत लोगों के दिमाग में फैला हुआ है। इसमें केवल छोटी सी इच्छा और अनुचित लाभ के लिये सामान्य जन के संसाधनों की बर्बादी और दुरुपयोग किया जाता है।

भ्रष्टाचार से व्यक्ति सार्वजनिक संपत्ति, शक्ति और सत्ता कां गलत इस्तेमाल अपनी आत्म संतुष्टि और निजी स्वार्थ की प्राप्ति के लिये करता है। इसमें सरकारी नियम–कानूनों की धज्जियाँ उड़ाकर लाभ पाने की कोशिश की जाती है। भ्रष्टाचार की जड़े समाज में गहराई से व्याप्त हो चुकी है और लगातार फैल रही है। ये कैंसर जैसी बीमारी की तरह है जो बिना ईलाज के खत्म नहीं होगी। इसका एक सामान्य रुप पैसा और उपहार लेकर काम करने के रुप में दिखाई देता है। कुछ लोग अपने फायदे के लिये दूसरों के पैसों का गलत इस्तेमाल करते हैं साथ ही अपनी छोटी सी इच्छाओं की पूर्ति के लिये किसी भी हद तक चले जाते हैं।

भ्रष्टाचार समाज पर कई तरह के नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिसके कारण समाज में आर्थिक असमानता बढ़ती जा रही है। वास्तव में सरकार द्वारा जो पैसा देश के गरीब जनता के भलाई तथा विकास कार्यों के लिए भेजा जाता है भ्रष्टाचार के कारण उसका एक बहुत छोटा हिस्सा ही उन तक पहुँच पाता है।

भ्रष्टाचार की फैली महामारी है

हर एक को रिश्वत लेने या देने की बीमारी है

कब होगा भारत भ्रष्टाचार मुक्त

समय आ गया है जब सब हो जाये एकजुट

अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल की 2018 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में भारत का भ्रष्टाचार में 78वां स्थान आता है। इसमें पुराने वर्षों की तुलना में कुछ सुधार हुआ है लेकिन यह स्थिति भी बहुत ही खराब है।

भ्रष्टाचार के कारण हमारे देश की छवि विदेशों में बहुत ही खराब है हमें भ्रष्टाचार को खत्म करके हमारे देश की छवि को सुधारना होगा।

भ्रष्टाचार का हमारे देश पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है जिसको हमलोग अलग–अलग प्वाइंट के माध्यम से समझते हैं।

**राष्ट्रीय छवि का धूमिल होना**

भ्रष्टाचार के कारण विश्व में हमारे देश की छवि बहुत ही खराब हो चुकी है। इसके कारण विश्व के कई देश हमारे देश के साथ व्यापार नहीं करना चाहते हैं। भ्रष्टाचार के कारण ही हमारे देश में विदेशी लोग आने से घबराते हैं। आए दिन कोई न कोई घोटाला होता रहता है जिसके कारण हमारे राष्ट्र की छवि पूरी तरह से खराब हो रही है।

**देश का विकास नहीं होना**

भ्रष्टाचार के कारण हमारे देश का विकास नहीं हो पा रहा है। हमारे देश में आए दिन रिश्वतखोरी, घोटाले होते रहते हैं जिसके कारण पैसों की बर्बादी होती है और देश का विकास नहीं हो पाता है। भ्रष्टाचार के कारण ही बड़े बड़े प्रोजेक्ट पूरे होने में कई साल लग जाते हैं।

**भुखमरी और गरीबी फैलना**

सरकार जो योजनाएं गरीबों के उत्थान के लिए बनाती हैं वह या तो सही तरह से लागू नहीं हो पाती या फिर गरीबों तक उनका पूरा लाभ

पहुंच नहीं पाता है। कई पिछड़े हुए क्षेत्रों में तो यह भी देखने को मिला है कि गरीबों को सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के बारे में पता ही नहीं होता है जिसके कारण वहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि उन योजनाओं का पूरा पैसा गबन कर जाते हैं। जिसके कारण गरीब और गरीब हो जाते हैं और भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

### गरीब और अमीर के बीच खाई

भ्रष्टाचार के कारण दिन–प्रतिदिन गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर और अमीर होता जा रहा है। जिसके कारण गरीब और अमीर के बीच की खाई और बड़ी होती जा रही है। अमीर अपने पैसों या रोब दिखाकर कोई भी काम आसानी से करवा लेता है लेकिन अगर वही काम गरीब करवाने जाता है तो उससे रिश्वत की डिमांड की जाती है। अमीर और गरीब की खाई ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखने को मिलती है।

### स्वार्थ और लालच का बढ़ना

जो व्यक्ति आज छोटे पद पर विद्यमान है वह बड़े पद पर जाना चाहता है इसके लिए वह अपने बड़े अधिकारी को रिश्वत देता है और उसकी पूर्त्ति करने के लिए वह गरीब लोगों से रिश्वत माँगता है जिसके कारण उनका लालच बढ़ता जाता है। यह सब कुछ अपने निजी स्वार्थ के लिए करते हैं जिसके कारण आम जनता को परेशान होना पड़ता है। भ्रष्टाचार के कारण ही कुछ अयोग्य व्यक्ति ऐसे पदों पर पहुँच जाते हैं जिसके वे लायक तक नहीं होते हैं।

### गैर कानूनी कार्यों का बढ़ावा

कुछ पैसे वाले और माफिया लोग पैसों के दम पर गैर–कानूनी कार्य करते हैं इसमें बड़े अफसर और नेता उनका साथ देते हैं और बदले में रिश्वत लेते हैं। जिसके कारण हमारे देश के विकास को क्षति पहुँचती है। यह बहुत ही चिंताजनक विषय है।

## भ्रष्टाचार को रोकने के उपाय

### सरकारी कर्मचारियों को अच्छा वेतन

लगभग सभी केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के रिपोर्ट के अनुसार काफी हद तक अब अच्छा वेतन मिल रहा है। इसे सभी सरकारी कार्यालयों में लागू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही कर्मचारियों के लिए अच्छा कार्यालय, आवासीय सुविधा व उनके बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए बेहतर सुविधा होनी चाहिए।

### दफ्तरों में लोगों की कमी

कई सारे सरकारी दफ्तरों में जरूरत से ज्यादा और कहीं पर बहुत कम कर्मचारी नियुक्त किए जाते हैं। अनेक कर्मचारियों के काम न करने के कारण काम करने वाले कर्मचारियों पर भार बढ़ते जाता है। इससे दो प्रकार की असुविधाएं उत्पन्न होती है पहले आम आदमी का काम सही समय पर पूर्ण नहीं हो पाता है और दूसरा काम को जल्दी पूर्ण करने–कराने के लिए लोग भ्रष्टाचार का रास्ता अपनाते हैं। इसमें जो लोग घूस देते हैं उनका काम पहले हो जाता है और जो लोग घूस नहीं देते हैं या तो उनका काम पूर्ण होने में मुश्किल आती है या कभी कभी पूर्ण होता ही नहीं है। भ्रष्टाचार को सरकारी दफ्तरों में पूरी तरीके से बंद करने के लिए हर विभाग में ऐसे अनैतिक कार्यों पर सख्ती करने और ध्यान देने की जरूरत है।

### सभी कार्यालय में कैमरा लगाना

सीसीटीवी कैमरों को कार्यालयों में व्यापक तरीके से लगाकर इसको एक प्रतिरोधक और निगरानी यंत्र की तरह प्रयोग करने से कार्यालयों में होने वाले कार्य को देखा जा सकता है। इससे ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारी अनैतिक कार्यों से डरेंगे।

### कड़ी सजा

भ्रष्टाचार को रोकने का एक रास्ता है भ्रष्टाचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। भ्रष्टाचार करने वाले को देशद्रोह करने वाले के समान मानना होगा और उनके लिए कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान बनाना पड़ेगा। ऐसा करने से लोग भ्रष्टाचार करने से पहले अनेक बार सोचेंगे।

### हर कार्य की समय सीमा तय करना

Citizen's चार्टर बनाकर और उसको प्रचारित करके हम इस कार्य को कर सकते हैं। अनेक कार्यालयों में इसकी शुरुआत भी हो चुकी है, अब समय है कि चार्टर में दिए गए समय सीमा का कड़ाई से पालन भी सुनिश्चित किया जाए।

### ऑनलाइन कार्यप्रणाली का उपयोग

ऑनलाइन कार्यप्रणाली का उपयोग करके हम जनसामान्य और कर्मचारियों के बीच से भ्रष्टाचार की कड़ी को तोड़ सकते हैं। अनेक कार्य जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट इत्यादि में इसका लाभ अब लिया जा रहा है।

### नियमों को सरल करना

नियमों का जाल भी भ्रष्टाचार को मजबूती देता है, पिछले कुछ वर्षों में अनेक नियमों को हटा कर सरल किया गया है, इस दिशा में निरंतर कार्य करने की जरुरत है।

### अधिकारों की जानकारी

भारत में भ्रष्टाचार का फैलने का एक कारण यह है कि लोग अपने अधिकार के प्रति जागरुक नहीं हैं जिस कारण कर्मचारी अपने पद का रोब दिखाकर उनसे रुपए ऐंठ लेते हैं।

शिक्षा का अभाव होने के कारण गरीब लोग सरकारी योजनाओं का फायदा नहीं उठा पाते हैं क्योंकि वहां के जनप्रतिनिधि उन योजनाओं के बारे में उनको अवगत नहीं कराते हैं और पूरा पैसा स्वयं हज़म कर जाते हैं।

अधिकारों के प्रति और नियमों के प्रति आम जन को जागरूक बनाकर इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

## नियमों का कड़ाई से पालन

जीवन के हर क्षेत्र में हम देखते हैं कि हम स्वयं तो नियमों की अवहेलना करते हैं तथा उम्मीद करते हैं कि और सभी उसका पालन करें। यह ट्रैफिक नियम हों या बिल लेकर टैक्स देने की बात हो अक्सर दिख जाता है। हर नागरिक यदि नियमों का पालन करें तो एक ऐसा वातावरण बनेगा जो भ्रष्टाचार को कम करने में बहुत ही सहायक होगा।

भारत जैसे विकासशील और लोकतांत्रिक देश में भ्रष्टाचार का होना एक बड़ी विडंबना है। हमारा राष्ट्रीय चरित्र धूमिल होता नज़र आ रहा है जो कि हमारे देश पर कीचड़ उछालने से कम नहीं है। हमारा नैतिक स्तर इतना गिर गया है कि हम अन्य लोगों के बारे में जरा भी नहीं सोचते हैं।

हमारा देश सत्य, अहिंसा, कर्मठशीलता और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए जाना जाता था लेकिन आज 21वीं सदी के भारत में यह सब चीजें देखने को नहीं मिलती है। जिसके कारण हमारा देश कहीं ना कहीं अपनी मूल छवि को खोता जा रहा है।

अगर हमें भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करना है तो राजनेताओं, सरकारी तंत्र और जनता को साथ मिलकर इसके खिलाफ लड़ना होगा तभी इस महामारी रूपी भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सकता है।

## लेख

# ईमानदारी सर्वश्रेष्ठ नीति है

✍ **रंजन प्रकाश ठाकुर**
मंडल रेल प्रबंधक / दानापुर

**हर एक तृप्ति का दास यहाँ**
**पर एक बात है खास यहाँ**
**पीने से लगती प्यास यहाँ,**

जी हाँ, इसके बावजूद भी ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है और सबसे बड़ा धन संतोष है। ईमानदार व्यक्ति सबसे सुखी, निर्भय तथा तनाव रहित जीवन जीता है और इसके ठीक विपरीत जिसने अनैतिक तरीके से अपार धन–सम्पत्ति अर्जित किया है, उसकी प्यास बढ़ती जाती है और अंततः सारी प्रतिष्ठा गँवाकर मारा–मारा फिरता है अपमानित होकर दुनिया तथा खुद की नज़रों में गिर जाता है। कहा भी गया है–

**''जग से चाहे भाग ले कोई, मन से भाग ना पाए।''**

दुनियाँ में एक कहावत प्रचलित है–पैसा पैसे को खींचता है। इस बात का मतलब कि जैसे–जैसे लाभ बढ़ता है लोभ उससे कहीं ज्यादा स्पीड से एक्टिव हो जाता है। तुलसी दासजी कहते हैं–

**''जिमि प्रति लाभ लोभ अधिकाई।''**

मानव जीवन की सबसे बड़ी बिडंबना है कि उसे भूख तो लगती है किन्तु तृप्ति की सीमा का उसे बोध नहीं। पेट की भूख शांत होने का तो पता फिर भी चल जाता है किन्तु पैसे की प्यास कभी शांत नहीं होती।

यह ऐसा नशा है जिसके चलते सभी सीमाएँ टूट जाती हैं। उचित–अनुचित, नैतिक–अनैतिक का मापदंड ध्वस्त हो जाता है।

सच पूछा जाय तो आप–हम ऐसी घटनाओं के साक्षी होते रहते हैं। समस्याओं का कारण अभाव नहीं बल्कि बेतहाशा दौलत अर्जित करने का दुराग्रह है। जिसके पास कार है उसे नये मॉडल की आधुनिकतम नई कारें चाहिए फिर आकाश में उड़ने की कामना उसे बेचैन किये रहती है।

हमारी अभिलाषाओं का अंत नहीं और ना ही तमन्नाओं की इन्तहाँ है। हम सबकुछ साध लेना चाहते हैं। यही हम भारी भूल कर बैठते हैं–

**''एक साधे सब सधै, सब साधै सब जाय।''**

यदि हमने केवल एक मानवीय गुण 'ईमानदारी' को साध लिया तो हमारा सबकुछ सध जाता है। हमारे ज्ञानी–विज्ञानी ऐसे अवसरों पर हमें राह दिखाते हैं, मार्गदर्शन करते है– प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में –

**''पूर्व चलने के बटोही**
**बाट की पहचान कर ले''**

हाँ कर्त्तव्य पथ पर कदम बढ़ाने के पहले सही रास्ते की पहचान हमें करनी है ताकि हमारी यात्रा सुरक्षित रहे और गंतव्य तक पहुँच सकें।

निःसन्देह ईमानदारी श्रेष्ठ मानवीय गुण है पर आज के भौतिक युग में इसके अनुपालन–अनुसरण में आम राय कायम नहीं हो पाती। हम उदाहरण देने लग जाते हैं कि फलाँ व्यक्ति ईमानदार होकर भी बहुत परेशान है जबकि भ्रष्टाचारी 'दिन दूना, रात चौगुना' तरक्की कर रहा है। पर हकीकत है कि ऐसे व्यक्ति की आत्मा उसे हमेशा धिक्कारती है। उसे रात को नींद तथा दिन को चैन मयस्सर नहीं होता। वह सशंकित–भयभीत रहता है। **''संशयात्मा विनश्यति''** यानी संशय में जीने वाले का विनाश निश्चित है।

सूर्य, चन्द्र, धरती, प्रकृति सभी अपने काम में ईमानदार हैं बिना किसी डर–भय के वे अपना कर्त्तव्य निभाते हैं। तो आइए– हम ऐसे रास्ते पर अपना कदम बढ़ाएँ जहाँ सच्चरित्रता, नैतिकता का बोलबाला हो।

और सच कहें तो आप ईमानदारी के बदौलत नाम–यश सब कुछ पा सकते हैं –

**''तुम चाहो तो आसमाँ छू लो**
**बात कद की नहीं हौसले की है।''**

धन्यवाद!



## लेख

# दैनिक जीवन में ईमानदारी

✍ **पी. के. सिन्हा,**
अपर मंडल रेल प्रबंधक/सोनपुर

ईमानदारी नैतिक चरित्र का वह तत्व है जो सच्चाई, दयालुता, अनुशासन, सत्यनिष्ठा आदि सहजगुणों का विकास करता है और लज्जाहीनता, धोखेबाजी, चोरी और अन्य बुरी आदतों को खत्म करता है जिनसे जनता को नुकसान पहुँचती है।

1. **कथनी–करणी और विचार में ईमानदारी :–**

   किसी का विचार से ईमानदार होना महत्वपूर्ण है, जैसा विचार होगा वैसी ही कथनी और करनी होगी। जब तक किसी का मन निर्मल और स्वच्छ नहीं होगा तब तक वह असलियत नहीं बता सकता है और न ही सही क्रिया–कलाप में शामिल हो सकता है। इसलिए कथनी– करणी और विचार में ईमानदारी का पालन किया जाना चाहिए। इससे लोगों को मानसिक शांति अनुभव करने में सहायता मिलेगी। और अंततः ये बिना लालच, द्वेष और ईर्ष्या के संतुष्ट जीवन जीने में मुख्य भूमिका निभा सकती है। इस तरह ईमानदारी और सत्यनिष्ठा सामान्य और सुखी जीवन जीने में मदद करता है।

2. **बच्चों को नैतिक मान्यताओं की सीख :–**

   ईमानदारी वह सद्‌गुण है जो निश्चित रूप से हममें मूल सिद्धांत की स्थापना करता है इसलिए इसे बचपन से ही सिखाना होगा । जीवन की बढ़ती उम्र की अवस्था बहुत महत्वपूर्ण है। हम इनसे शुरू के वर्षों में जो कुछ भी आदत, रुचि और अभ्यास (व्यवहार) सीख लेते हैं वे जीवन पर्यन्त हम में रहते हैं। इसलिए यह हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण है कि हम अपने बच्चों को उच्च नैतिक मूल्य, आचरण, नीति शास्त्र और ईमानदारी का ज्ञान प्रदान करें। हमारे आज की पीढ़ी के लिए यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कर्त्तव्य है। तभी हम एक उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सकते हैं। शैक्षणिक संस्थानों जैसे– स्कूल, कॉलेज और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण है।

## ARTICLE

# Honesty in day- to-day life

✍ **P. K. Sinha**
ADRM/Sonpur

Honesty is the component of moral character which develops good attributes including truthfulness, kindness, discipline, integrity etc. It involves the absence of lying, cheating, theft and lack of other bad habits that hurt people.

**1. Honesty in thought, word and deed :-**

As words and actions proceed from thought, it is important to be honest in one's thought. Unless mind is pure and pious, one cannot speak what is reality and cannot engage in right action. So, honesty should be followed in thought, word and action. This helps people in experiencing peace of mind. It can, thereafter, lead contented lives without greed, hatred and jealousy. Being honest and truthful therefore help us live a normal and happy life.

**2. Inculcating good moral values in children :-**

Honesty is a virtue that must take a firm foundation in us. For this, it is to be inculcated in childhood itself. Formative years of life are very important. Whatever habit, taste, and practice we learn in these early years, remain with us throughout our life. It is, therefore, equally important for us to impart our Children good moral values, character, ethics and honesty. It is one of the most important duties of our present generation. Then only we can hope for a better future. Role of education institution e.g. School, Colleges and other training institutions also becomes very important.

3. **ईमानदारी क्यों ? :–**

यह हमें मानसिक शांति, एक दूसरे के बीच आपसी विश्वास की वृद्धि, पारिवारिक महत्व, सामाजिक प्रतिष्ठा आदि प्रदान करती है। व्यक्ति को ईमानदारी, अच्छा स्वास्थ्य और खुशी देती है। ईमानदार होने से मन चिंता, तनाव और दबाव से मुक्त रहता है। इस तरह यह तनावपूर्ण जीवन और कई बीमारियों से मुक्ति रखती है। यह व्यक्ति को बिना भय के और सभी प्रकार की समस्याओं से मुक्त होकर जीने की प्रेरणा देती है। ईमानदार व्यक्ति को समाज एवं परिवार से प्रेम, विश्वास एवं इज्जत मिलती है तथा उसे समाज से संरक्षण भी मिलता है। उनके निजी कार्य एवं कॉर्पोरेट संबंध कुशल और विश्वसनीय हो जाते हैं। यह व्यक्ति की साख और सकारात्मक ऊर्जा को मन और शरीर में बढ़ाता है। साथ ही नकारात्मकता को समाप्त करती है और जीवन में पारदर्शिता, वास्तविक शक्ति एवं व्यक्ति की प्रतिभा को जागृत करती है ।

4. **सकारात्मक वातावरण :–**

**कार्यालय में सकारात्मक और अच्छे वातावरण रखने के कुछ उपाय :–**

- यथासंभव मानवीय हस्तक्षेप को कम कर अधिक से अधिक टेक्नोलॉजी के प्रयोग द्वारा किसी भी तरह के भ्रष्टाचार के अवसर को रोका जा सकता है। अधिक पारदर्शिता असंतुष्टि और शिकायत को भी कम करेगी।
- किसी भी तरह के विलंब/देरी को कम किया जाये। इसे भ्रष्टाचार के स्रोत के रूप में माना जाता है।
- कर्मचारी की नैतिकता और प्रेरणा को उच्च स्तर पर रखा जाये।
- कर्मचारी के लिए अच्छा कार्यालय और आवासीय सुविधा, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएँ आदि पर ध्यान देकर अच्छे एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करें ।
- एक अच्छी शिकायत सुधार प्रणाली का विकास करें।

**3. Why Honesty ? :-**

It gives peace of mind, increases trust among each other, gives family values, social respect etc. Honesty makes a person of good health and happiness. Being honest makes mind free from worries, tension and stress. In a way it keeps away from stressful life and several diseases. It motivates a person to live without fear and free of all the problems. Honest people are really loved, trusted, respected and cared in the society and family. Their personal working and corporate relationship becomes strong and trust worthy. It boosts goodwill and positive energy in the body and mind. It removes negativity and brings transparency in life, awakens real powers and talent of a person.

**4. Positive Environment :-**

**Some of the means to keep good and positive environment in offices are :-**

- Use the technology as much as possible as it minimizes manual intervention thus plugging the opportunities of any corruption. Also greater transparency will reduce dissatisfaction and grievance.
- Any type of delay to be minimized as it is considered as source of corruption.
- Keep the moral and motivation level of employees high.
- Create a good healthy environment by taking care of employees. Provision of good office and residential facilities to them, good health services, canteen, sports facilities etc.
- Develop a good grievance redressal system.

## लेख

# संवेदनाओं का नैतिक मूल्यों के रूप में विकास

✍ **शशीकान्त मिश्र**
विसमुलेधि / का0भ0वि0

पार्थिव जीवन की पद्धति में मौलिक मूल्यों की स्थापना व्यक्ति के जीवन के अनुभव से उत्पन्न परिस्थितियों के घात–प्रतिघात की संवेदनाओं पर प्रतिक्रिया के रूप में समुत्पन्न होती है। व्यावहारिक रूप से इसे विभिन्न कोटियों में वर्गीकृत कर व्यावसायिक कार्यनिष्ठा के अंतर्गत समाहित कर समझने का प्रयास किया जा सकता है। सामान्य भाषा में इसे ईमानदारी के समुच्चय के अंतर्गत, उपसमुच्चयों के रूप में अभिलिखित किया जा सकता है, यथा–सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही, गोपनीयता, वस्तुनिष्ठता, प्रतिष्ठा, आज्ञाकारिता, निष्ठा आदि ।

व्यावसायिक कार्य प्रणाली के अंतर्गत उपरोक्त को 'व्यावसायिक सद्गुण' कहा जा सकता है जो सामान्य भाषा में ईमानदारी का पर्याय प्रतीत होता है।

गहनता से विचार करने पर उपरोक्त सद्गुण एक दूसरे के पूरक प्रतीत है, ऐसा लगता है कि सभी एक दूसरे के साथ मिलकर संपूर्णता को प्राप्त कर एक भव्य आदर्श मौलिक सद्गुण का प्रत्यय उत्पन्न करते हैं, जो किसी भी सामान्य व्यक्ति के व्यावसायिक जीवन में श्रेय के रुप में आरोपित ही नहीं, अपितु स्थापित भी किया जा सकता है। परन्तु दैश–कालिक वैभिन्यता के साथ ही ये इतने गत्यात्मक हो जाते हैं, कि एक दूसरे के विरोधी प्रतीत होते हैं और तब चयन के विकल्प के समय उत्पन्न विरोधाभाष व्यक्ति विशेष के आंतरिक प्रक्रिया पर निर्भर हो जाता है, और स्थापित सद्गुण की श्रेयता के समक्ष चुनौती आ जाती है। उदाहरण के लिए – किसी की माँ किसी गंभीर बीमारी से गुजर रही है, और उसके ईलाज के लिए उसे कुछ पैसे की तत्काल आवश्यकता है। पैसे का अभाव दूर करने का व्यक्ति के पास केवल एक साधन है,

और वह है चारी करने का। यहाँ विकल्प की स्वतंत्रता है, माँ के प्रति कर्त्तव्य एवं स्वआरोपित आचरण के बीच संघर्ष है, दो सद्‌गुणों के मध्य संघर्ष है; और इसी स्थान पर नैतिक मूल्यों का स्थापन होना आवश्यक हो जाता है जो श्रेयता की कसौटी का मानक बन सके। 'सत्यं शिवम् सुंदरम' कहा गया है, परंतु सत्य सदैव एवं सभी जगह न तो सुन्दर होता है और न श्रेय होता है, यह परिस्थिति, देश एवं काल के परिवर्त्तन के साथ अपना अर्थ बदलता रहता है, और इसीलिए नैतिक मूल्यों के एक गत्यात्मक परिवर्त्तनशील नियम की आवश्यकता पड़ती है।

नैतिकता के नियम हमारी बौद्धिकता की पराकाष्ठा नहीं है। संपूर्ण नैतिकता हमारी संवेदनाओं पर निर्भर करती है। जब कोई कार्य हमारे मन की उस अवस्था को एक विशेष प्रकार से संतुष्ट करती है तो हम कहते हैं कि यह सदाचार या सद्‌गुण है, एवं वही कार्य नहीं किया जाना हमें असंतुष्ट भी करता है। अतः संवेदना एक महत्वपूर्ण निहितार्थ है ईमानदारी का और साथ उतना ही महत्त्वपूर्ण अवयव है गैर ईमानदारी का भी। संवेदना में नैतिकता के समाहित होते ही वह ईमानदारी की ओर अग्रसर हो जाती है, और इसी में स्व–आरोपित स्वार्थ के निहित होते ही वह गैर ईमानदारी की ओर स्थानांतरित हो जाती है। स्वार्थ केवल व्यक्तिगत नहीं है – क्योंकि व्यक्ति परक स्वार्थ ही पारिवारिक, सामाजिक, सांस्थानिक और उत्तरोत्तर दैशिक एवं सकल मानवता परक होता जाता है। अपने संस्था के लाभ के लिए दूसरे संस्था से बेईमानी अपने संस्था के लिए ईमानदारी है, और वही स्वसंस्था इतर बेईमानी है। ऐसे में सब कुछ 'स्व' पर आ कर टिक जाता है और 'स्वार्थ' को निर्णय की प्रक्रिया में महत्व मिल जाता है। तुलसी दास ने लिखा है –

**स्वारथ लाभ करै सब प्रीती ।**
**सुर नर मुनी सब कै यह रीती।।**

अर्थात् स्वार्थ– परकता शाश्वत है, स्व–स्वीकार्य है, सर्व–व्यापि है एवं सदैव दुर्गुण भी नहीं है, फिर स्वार्थपरकता का सामंजस्य सार्वजनिक

जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ कर के ही सार्वभौम विधान का सूत्र या नियम स्थापित किया जा सकता है ।

निर्णय के नैतिक मूल्यों के सापेक्ष मानक के तौर पर मुख्य चार सिद्धान्तों की चर्चा की जा सकती है :–

1. प्राचीनकालीन अरस्तु ने कहा है कि अच्छे इरादे से किया गया कार्य सदा अच्छा होता है, अर्थात् यदि व्यक्ति का उद्देश्य सही हो और इरादा पवित्र हो तो कार्य करणीय है और करने का तरीका सद्‌गुण है।

2. मध्यकालीन कॉट ने कहा है कि अच्छा–बुरा, सत्य–असत्य परिस्थिति निरपेक्ष होता है, अर्थात् वे देश कालातीत होते हैं, अतः सत्य एवं असत्य, श्रेय एवं अश्रेय का चीर–स्थायी बोध हमारे अंदर निहित होना चाहिए तथा इसी के अनुरूप हमारे कार्यों का चयन होना चाहिए।

3. आधुनिक दार्शनिक जे0 एस0 मील ने कहा कि निर्णय वही सही है, जिसमें अधिकतम लोगों का कल्याण हो अर्थात् इस उपयोगितावादी सिद्धांत के अंतर्गत संख्यात्मक शुभत्व की मात्रा उपयोगी हो जाती है।

4. गाँधी ने कहा कि शुभ साध्य की प्राप्ति का साधन भी श्रेय होना चाहिए, अर्थात् अशुभ साधन के माध्यम से अर्जित शुभ फल भी अशुभ की कोटि में ही आता है ।

उपरोक्त चारों सिद्वांतों पर विचार करने पर हम पाते हैं कि नैतिक मूल्यों की स्थापना एक दृष्टिकोण पर आधारित है, जो स्वयं परिस्थिति सापेक्ष है, एवं पुनः एक विरोधाभास उत्पन्न हो जाता है। ऐसी स्थिति में निर्णय लेने के सिद्धांतों को प्रतिमान के रूप में स्थापित करना कठिन हो जाता है, फिर भी व्यावहारिक रूप से कुछ सद्‌गुणों का विकास –यथा– साहस, स्व नियंत्रण, समझदारी, संस्थागत निष्ठा, आत्मविश्वास, अपरिग्रह देश–प्रेम आदि का विकास जहाँ आवश्यक प्रतीत होता है, वहीं आत्म–अनियंत्रण, लालच, क्रोध, कामचोरी, घमण्ड, ईर्ष्या, संकुचित स्वार्थ आदि दुर्गुणों को संवेदना के भँवर से बाहर निकालना भी आवश्यक हो

जाता है। ज्यों–ज्यों पूर्ववर्त्ती की मात्रा बढ़ती है, उत्तरवर्त्ती की मात्रा घटती जाती है, और कालान्तर में यह स्वच्छ संवेदनाओं के साथ आदर्श नहीं तो कम से कम ग्राह्य रूप में अवश्य ही हमारे निर्णय लेने की प्रक्रिया में स्थापित होकर सहायक हो जाता है।

प्रश्न यह है कि आखिर यह स्थिति उत्पन कैसे हो, या प्राप्त कैसे की जाए ?

वस्तुतः अनुभवों में आरोपित होकर संस्कार, शिक्षा एवं तात्कालिक परिस्थितिजन्यता से उनके आरोपों का गठन होता है एवं तत्परक यह व्यक्ति के व्यक्तित्व का अंग बनना शुरू होता है। लेकिन यह व्यक्तित्व का भाग बनकर केवल एक उत्प्रेरक की तरह व्यक्ति को मथता तो है, पर स्वाभिक रूप से तब तक रूपान्तरित नहीं हो पाता है जब तक कि ये सद्‌गुण व्यक्ति के व्यक्तित्व से मुखरित होकर उसके चरित्र का रूप धारण नहीं कर लेते हैं। व्यक्तित्व व्यक्ति के प्रारूप का वाह्य भाग है जबकि चरित्र आन्तरिक, और सद्‌गुणों का चरित्र में आरोप होते ही यह उसके व्यवहार का भाग बन जाता है।

जीवन के चारित्रिक रूप में सद्‌गुणों को आत्मसात करते ही, संवेदनाओं के सापेक्ष चयन की स्वतंत्रता के साथ सामर्थ्यता उत्पन्न हो जाती है, और उसका न्यूनतम परिणाम यह हो जाता है कि, कैसे कोई हमारा कार्य, हमारा लिया हुआ निर्णय या हमारे द्वारा किया गया चयन स्थापित नियमों एवं प्रक्रियाओं के साथ दूसरों की अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा रहता है । इस संदर्भ में निंदा फाज़ळी का एक शेर उद्‌धृत किया जा सकता है–

गरज, बरस प्यासी धरती को, फिर से पानी दे मौला,
चिड़ियों को धानी, बच्चों को गुड़धानी दे मौला ।
दो और दो का जोड़ हमेशा चार कहाँ होता है,
सोंच समझ वालों को भी थोड़ी नादानी दे मौला ।।

यहाँ नादानी का रचनात्मक अर्थ है जो आत्मा की परिशुद्धता से उत्पन्न चारित्रिक गुणों के विकास के साथ व्यक्ति के स्वच्छ एवं परिशुद्ध बौद्धिकता के समन्वय से उत्पन्न होती है, जो नैतिकता को एक नई ऊँचाई प्रदान करती है और काल सापेक्ष नैतिक मूल्यों के लिए सर्वस्वीकृत प्रतिमान की स्थापना करती है।

नैतिकता की यह अवस्था स्वविकसित आत्म नियंत्रण की अवस्था है, जहाँ सांसारिक जटिलता से मुक्त होकर व्यक्ति देश और काल के सपेक्ष निर्णय लेने में सक्षम हो जाता है ओर निर्णय प्रचलित सिद्वांतों के विपरित होकर भी सामान्य व्यक्ति के हित को साधने में समर्थ होता है।

**"हर नजर में मुमकिन नहीं है बेगुनाह दिखना,**
**कोशिश ये करें कि खुद के नजर में बेदाग रहें।"**

अपने आपको दूसरों के समक्ष स्थापित नियमों के अधीन सत्य साबित करना बहुत कठिन नहीं होता है, परन्तु अपने स्वच्छ नादान मन के सापेक्ष सत्य को बरकरार रखना आसान नहीं होता है, और तब ये निर्णय ऊपर उद्धृत प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक तीनों सिद्धातों का वहन एक साथ करने में समर्थ हो जाते हैं, क्योंकि तब स्वच्छ मन शुभ साध्य के लिए सत् इरादे की अपेक्षा रखेगा, और यह शुभत्व सारे लोगों के लिए, सभी जगह एक ही होगा, इसलिए निरपेक्ष भी होगा, और फिर अधिकतम लोगों के लिए उपयोगी होने के कारण, उनके लिए कल्याणकारी भी हो जाएगा, यहँ साध्य एवं साधन, कार्य एवं कारण दोनों शुभ होंगे, इसलिए ये सर्वग्राह्य भी हो जाएंगे। यह एक आदर्श स्थिति होगी जहाँ नैतिकता, धारणा एवं विश्वास में निहित होगी, स्वसिद्ध होगी, जिसे अपनाने के लिए किसी दबाव या नियमगत लाचारी की आवश्यकता नहीं होगी। व्यक्ति अपने आत्मविश्वास से, खुद की निर्णय प्रक्रिया के अंतर्गत, साहस के साथ नैतिक रूप से शुभ निर्णयों को लेने में समर्थ हो जायेगा।

## लेख

# ईमानदार जीवनशैली ही क्यों ?

✍ **सन्नी सिन्हा**
उपमुसताधि (भंडार)

**''ईमानदारी एक सर्वश्रेष्ठ नीति है''** यह कहावत तो हमने सुनी ही है, और इस सर्वश्रेष्ठ नीति को अगर हम अपनी जीवनशैली बना लें तो फिर कहना ही क्या! ईमानदारी एक गुण ही नहीं बल्कि एक आचरण है, अगर हमारी जीवनशैली ईमानदारी युक्त है तो हमारे चारों तरफ का वातावरण सकारात्मक हो जाएगा।

अतः इसके गुणों को पहचानें और **ईमानदार जीवनशैली** अपनाकर अपने जीवन को सार्थक करें, क्योंकिः–

- ईमानदारी बेहतर निर्णय लेने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करती है।
- ईमानदारी एक अच्छी गुणवत्ता है जो लोगों के व्यवहार को हमेशा के लिए आत्मसात कर लेती है।
- ईमानदारी अपने आप में बहुत सारे अच्छे गुणों को लाती है और जीवन में किसी भी बुरी स्थिति से पूरी हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ निपटने में सक्षम बनाती है।
- ईमानदारी भ्रष्टाचार को दूर करने और समाज के कई सामाजिक मुद्दों को हल करने की क्षमता रखने वाली शक्ति है।
- ईमानदारी व्यक्ति को बिना किसी डर और सभी समस्याओं से मुक्त रहने के लिए प्रेरित करती है।
- सभी पहलुओं में ईमानदार होना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे जीवन में सकारात्मक योगदान देता है।
- ईमानदारी मन से सभी नकारात्मकताओं को दूर करता है।

## केस अध्ययन

### यातायात

पंकज नयन, जे. के. मजूमदार, ए. के. सिंह, रंजीत कुमार, प्रवीण कुमार, ज्योति प्रकाश, ए. के. श्रीवास्तव, एस. के. सिंह, आई. आई. ए. फरीदी

**मुसतानि / यातायात**

**1. स्रोत सूचना के आधार पर आरक्षण कार्यालय में एक निवारक जाँच किया गया।**

सतर्कता जाँच के दौरान निम्नलिखित अनियमितताएँ पाई गयीं–

- आरक्षण पर्यवेक्षक अनधिकृत रूप से यात्रा सह आरक्षण टिकट बनाते हुए पाया गया जबकि कार्य पर उपस्थित आरक्षण लिपिक, जिसके आईडी पर काम कर रहा था वह आरक्षण पर्यवेक्षक के पीछे खड़ा था।
- जाँच के दौरान आरक्षण लिपिक के पास बेहिसाब 7070 / – रुपया पाया गया।
- संबंधित कर्मचारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई।

**2. अनारक्षित टिकट काउण्टर पर एक निवारक जाँच किया गया।**

जाँच की मुख्य बातें इस प्रकार हैं–

- कार्यरत बुकिंग क्लर्क ने सरकारी धन के रूप में रुपया 95345 / – प्रस्तुत किया।
- डीटीसी के अनुसार सरकारी धन रुपया 93965 / – था।
- इस प्रकार उपरोक्त कर्मचारी के सरकारी धन में रुपया 1380 / – अधिक पाया गया।
- संबंधित कर्मचारी पर डी एंड एआर के अधीन कार्रवाई की गई।

# Case Study

## TRAFFIC

Pankaj Nayan, J.K.Majumdar, A.K.Singh, Ranjeet Kumar, Praveen Kumar, Jyoti Prakash, A. K. Srivastava, S. K. Singh, I. I. A. Faridi,
**CVIs / TRAFFIC**

**1. On the basis of source information a preventive check was conducted at Reservation Office.**

Following irregularities were detected during the vigilance check:

- The reservation supervisor found indulged unauthorisedly in generating JCRT, while the on duty ECRC whose ID was operational was standing behind the reservation supervisor.
- During check ECRC unaccounted cash amount of Rs.7070/- found .
- The concerned staff has been taken up under DAR

**2. A preventive check was conducted in booking office.**

Details of the check are as follows:

- On duty booking clerk physically produced Government Cash Rs. 95345/-
- As per DTC Government cash was Rs. 93965/-
- A sum of Rs. 1380/- found excess in the Government cash
- The concerned staff has been taken under DAR.

3. **जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवा के एक काउण्टर पर स्रोत सूचना के आधार पर छद्म जाँच किया गया।**

जाँच का मुख्य बातें इस प्रकार है–

- जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवा काउण्टर पर कार्यरत कर्मचारी ने टिकट पर अंकित किराया से अधिक किराया माँगा एवं स्वीकार किया तथा वही राशि उक्त कर्मचारी के पास से बरामद हुआ।

4. **स्रोत सूचना के आधार पर गाड़ी संख्या 82356 (सुविधा एक्सप्रेस) में इलाहाबाद छिवकी एवं पटना स्टेशन के मध्य एक निवारक जाँच की गयी।**

जाँच के दौरान की मुख्य बातें इस प्रकार हैं–

- ट्रेन में कार्यरत टीटीई के पास रुपया 4900/– बेहिसाब धन पाया गया।
- दूसरे टीटीई के पास रुपया 3100/– बेहिसाब धन पाया गया।
- एक टीटीई के पास रुपया 500/– बेहिसाब धन तथा एक बिना टिकट यात्री, इस टीटीई की संलिप्तता से यात्रा करते हुए पाया गया।
- सीएसटीएम से शयनयान श्रेणी के कोचों के दो बर्थों का फायरिंग प्रणाली में नहीं किया जा रहा था।

5. **स्रोत सूचना के आधार पर पार्किंग स्टैण्ड में एक निवारक जाँच किया गया।**

जाँच के दौरान निम्नलिखित अनियमितताएँ पायी गई हैं –

- पार्किंग स्टैण्ड में कार्यरत कर्मचारी निश्चित पार्किंग शुल्क से ज्यादा शुल्क माँगता और लेता था। ओवर चार्जिंग की बात सत्यापित हुई।
- ग्राहकों को दिये जाने वाले कूपन पर क्रमांक मुद्रित नहीं था।
- कार्यरत पार्किंग स्टॉफ के पास कोई पहचान पत्र नहीं था।
- पार्किंग के लाइसेंस फी को समय पर जमा नहीं किया जाता था।

3. **On the basis of source information a decoy check was conducted at JTBS counter.**

Details of the check are as follows:

- The person issuing the ticket found demanded and accepted extra money than printed on ticket and same was recovered from his possession.

4. **On the basis of source information a preventive check was conducted in train No. 82356 (Suvidha Express) in between ACOI to PNBE.**

Details of the check are as follows:

- A sum of Rs. 4900/- found unaccounted in the possession of TTE
- A sum of Rs. 3100/- found unaccounted in the possession of TTE
- A sum of Rs. 500/- found unaccounted in the possession of TTE and one without ticket passenger found travelling in connivance with TTE.
- Two berths of Sleeper coaches were not found fired in the system Ex CSTM.

5. **On the basis of source information a preventive check was conducted at Parking Stand.**

Following irregularities were detected during the vigilance check:

- Staff of parking stand was demanding and accepting more than the prescribed parking charge. Charge of overcharging was established.
- Coupon for customers provided does not bear printed Sl. No.
- Staff manning the Parking found without Identity Card.
- License fee was not deposited timely.

**6. स्रोत सूचना के आधार पर ऑन डिमांड पार्सल भान में ओवरलोडिंग की सत्यता को जाँचने के लिए एक निवारक जाँच किया गया।**

जाँच के विभिन्न पहलू निम्नलिखित हैं–

- पार्सल भान की वहन क्षमता – 23000 किलोग्राम
- घोषित वजन – 22665 किलोग्राम
- जाँच में पाया गया वास्तविक वजन – 32329 किलोग्राम
- जाँच में पाया गया अधिक वजन – 9329 किलोग्राम
- इस प्रकार कुल रुपया 353019/– (तीन लाख तिरेपन हजार उन्नीस रुपया मात्र) अवप्रभार के रूप में अर्जित किया गया।

**7. स्रोत सूचना के आधार पर किसी गाड़ी में लीज पर दिए गए एसएलआर में अधिक लदान के लिए एक निवारक जाँच किया गया।**

जाँच के दौरान अनलोडिंग स्टेशन पर लीज पर दिए गए एसएलआर के पैकेजों का पुनः वजन किया गया जो इस प्रकार है–

- लीज पर दिए गए एसएलआर का वहन क्षमता – 4000 किलोग्राम
- पार्टी के द्वारा घोषित वजन – 3950 किलोग्राम
- वास्तविक वजन जो जाँच में पाया गया – 5954 किलोग्राम
- जाँच में पाया गया अधिक वजन – 1954 किलोग्राम
- इस प्रकार जाँच में रुपया 141115/– अवप्रभार के रूप में अर्जित किया गया।

संबंधित रेलवे को पार्टी के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही हेतु सूचित किया गया तथा लीज पर एसएलआर में लदान के दौरान पर्यवेक्षण करने हेतु सूचित किया गया।

**6. On source information a preventive check was conducted to verify the overloading in the On Demand Parsal Van.**

Details of the check are as follows:

- Carrying of the VP :- 23000 kg
- Weight declared :- 22665 kg
- Actual Weight found :- 32329 kg
- Excess weight found :- 9329 kg
- A sum of Rs.353019/- (Three Lakh Fifty Three Thousand Nineteen Only) Realised as undercharge.

**7. On source information a preventive check was conducted to verify the overloading in the leased SLR.**

Details of the check are as follows:

- Capacity of the leased SLR :- 4000 kg
- Weight declared by the lease :- 3950 kg
- Actual Weight found :- 5954 kg
- Excess weight found :- 1954 kg
- A sum of Rs. 141115/- (One Lakh Forty One Thousand One Hundred Fifteen only) Realised as undercharge.

The concerned Railway had been advised for punitve action against the party and further monitoring of leased SLR, during loading at their end.

**8. स्रोत सूचना के आधार पर डिमांड पार्सल भान के माल की डिलीवरी के संबंध में एक निवारक जाँच पार्सल कार्यालय में किया गया।**

जाँच के दौरान निम्नलिखित बातें स्पष्ट हुईं –

- यह पाया गया कि डिमांड भीपी की बुकिंग पार्सल स्केल रेट 'आर' के स्थान पर पार्सल स्केल रेट 'पी' से किया जा रहा था।
- बुकिंग स्टेशन के कर्मचारियों द्वारा आर. आर मैनुअली बनाया जा रहा था।
- यद्यपि गन्तव्य स्टेशन पर पहले से ही पार्सल प्रबन्धन प्रणाली (पीएमएस) कार्यरत था फिर भी माल की डिलीवरी मैनुअली किया जा रहा था।
- संबंधित स्टेशन के टीआइए भी इसे पता करने में असफल रहें।

**9. इलेक्ट्रोनिक इनमोशन वे ब्रीज पर एक निवारक जाँच किया गया एवं एक आवक कोयले के रेक का पुनः वजन किया गया।**

जाँच का विवरण इस प्रकार है–

- विभिन्न वैगनों में अति लदान पाया गया।
- इसमें 44.2 टन तीन गुने की दर से चार्ज किया गया।
- इसमें 26.2 टन पाँच गुने की दर से चार्ज किया गया।
- इस प्रकार रुपया 471476/– (चार लाख इकहत्तर हजार चार सौ छिहतर मात्र) अंडर चार्ज के रूप में स्थापित किया गया।

**8. A preventive check was conducted on source information at Parcel Office, regarding delivery of consignments of demand VP .**

Details of the check are as follows:

- It was found that On Demand VP was booked on Parcel Scale Rate 'P' instead of Parcel Scale Rate 'R'
- RR are prepared manually by parcel staff of booking station
- Although the PMS is installed at destination station but delivery was made manually.
- TIA of the concerned station also fail to detect/highlight the case.

**9. A preventive check was conducted at Electronic In Motion Weighbridge and a inward rake of Coal was reweighed.**

Details are as follows:

- Overloading was found in different wagons.
- 44.2 Tonnes of coal were charged @ 3 times of the rate
- 26.2 Tonnes of coal were charged @ 5 times of the rate
- A sum of Rs. 471476/-(Four Lakh Seventy One Thousand Four Hundred and Seventy Six Only) was raised as undercharge.

**10. इएफटी कैश को समय से जमा न करने तथा उचित शयनयान लिंक डायग्राम का पालन न करने के संबंध में एक निवारक जाँच सीआईटी ऑफिस में किया गया।**

इस जाँच की मुख्य बातें निम्नलिखित है :–

- सरकारी धन का दुरुपयोग– कार्यरत टीटीई अपने कार्य की समाप्ति पर भारतीय रेल वाणिज्य मैनुअल के पैरा 554 में वर्णित तथ्य के अनुसार नियत समय पर इएफटी के सरकारी धन को जमा करने में असफल रहे हैं। अर्धशासकीय पत्र के माध्यम से प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने सभी मंडल रेल प्रबंधक को लिखा है।
- टीटीई के द्वारा न तो मूवमेंट डायरी और न ही 'साइन ऑन' एवं 'साइन ऑफ' रजिस्टर (कॉम टी/30) में प्रविष्टी की जा रही है जोकि आई.आर.सी.एम भाग–1 के पैरा 557 और 558 का उल्लंघन है।
- शयनयान लिंक डायग्राम का अक्षरशः अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

**11. स्टेशन पर एक निवारक जाँच के दौरान सतर्कता विभाग द्वारा निम्नलिखित मापदण्डों को सुझाया गया, जिसे प्रशासन के द्वारा स्वीकार करते हुए सभी मण्डलों व प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा करने की सलाह दी गई है।**

- फुट ओवरब्रीज एवं सीढ़ियों पर न बैठें और न खड़े रहें।
- किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को अपना टिकट न दिखाएँ।
- टिकट पर मुद्रित/अंकित मूल्य का ही भुगतान करें।
- सभी प्रकार के भुगतान के लिए रसीद लें, नो बिल नो पेमेंट।

**10. A preventive check was conducted at CIT Office to check the timely remittance of EFT cash and proper following of Sleeper link diagram.**

Details are as follows:

- **Misappropriation of Government Cash –** The TTE's are failing to deposit government cash at the end of the duty as specified in para 554 of IRCM Volume I. DO has been send by PCCM to all DRM.

- TTE's are neither maintaining movement diary nor they "sign on" or "sign off" in prescribed register (Comm. T/30), which is violation of para 557 & 558 of IRCM Volume I.

- Sleeper link diagram of TTE's are not followed in toto.

**11. During a preventive check at station following measures suggested by vigilance department and accepted by Administration and conveyed to all Divisions for regular announcement though PA System.**

- Don't sit or lie on FOB and foot stairs.
- Don't produce or show your ticket to any unauthorized person.
- Pay only the amount printed on the ticket
- Take Bills for all payments. No, Bill, No payments.

**12. रेल कर्मियों के लिए दिशा निर्देश :–**

**(क) क्या करें :–**

- हमेशा अंकित भाड़ा ही लें।
- वाणिज्यिक कर्मचारी नियमों का सम्पूर्ण ज्ञान अवश्य रखें।
- कार्य पर नेम प्लेट, बैज तथा निर्धारित यूनिफॉर्म पहनें।
- इम्प्रेस्ट छोटे मूल्य के सिक्कों तथा रूपये के रूप में रखें।
- बीपीटी केवल रियायती आदेशों पर ही जारी करें।
- निजी धन का उल्लेख ड्यूटी शुरू करने से पहले अवश्य ही निजी धन पुस्तिका में करें।
- नॉन इश्यू टिकट की इंट्री नॉन इश्यू रजिस्टर में करें।
- केवल पूर्ण रूप से भरे आवेदन फार्म ही स्वीकार करें।
- वैगन ट्रांसफर रजिस्टर में प्लेसमेंट एवं रिलीज टाइम अलग–अलग वैगनों के अनुसार दर्ज करें।
- पार्सल माल की बुकिंग/डिलीवरी से पूर्व उन्हें सही प्रकार से तौलें/मापें।

**(ख) क्या न करें :–**

- पास पर एक बार से अधिक यात्रा न करें।
- उचित ड्यूटी किए बिना सीटीए/टीए क्लेम न करें।
- दूसरे कर्मचारी के आईडी पर टिकट न बनावें।
- डबल ड्यूटी कदापि न करें।
- ड्यूटी के दौरान नशा न करें।
- ब्लैंक पेपर टिकट पर कॉट–छाँट न करें।
- डी.टी.सी. बुक पर ओवर राइटिंग न करें।
- सुरक्षा जमा राशि की वापसी तब तक न करें जब तक आर.आर. की मूल प्रति पार्टी द्वारा जमा नहीं किया जाय।
- गलत घोषित माल की लदान की अनुमति न दें।
- वैगनों में अति लदान की अनुमति न दें।

**12. Guidelines for Railway Employes :-**

**(A) Do's**

- Always take printed fare.
- Commercial staff must be convergent thoroughly with the rules.
- Always wear name plate, badge, prescribed uniform during duty.
- Imprest should be kept in small denomination of coins and notes.
- BPT should be issued for concession orders only.
- Private cash must be declared in private cash declaration book before start of duty.
- Non-issued tickets must be entered in non-issue statement register.
- Only requisition forms duly completed in all respect must be accepted.
- Placement and release time in wagon transfer register should be mentioned for individual wagons.
- Always take correct weight/measurement before booking/ delivery of parcel consignment.

**(B) Don't**

- Avoid multiple journey on pass.
- Don't claim CTA/TA without performing actual duty.
- Don't generate tickets on other employees ID.
- Never perform double duty.
- Rail employees must not be instate of intoxication while on duty.
- Avoid correction in blank paper ticket.
- Avoid overwriting/alteration in DTC book.
- Do not allow refund of security money till the original RR is not submitted by the party.
- Do not allow loading of mis-declared goods.
- Do not allow overloading in wagons.



# केस अध्ययन

## ( लेखा एवं कार्मिक )

✍ **श्री डी. के. सिन्हा,** मुसतानि / कार्मिक
✍ **श्री पी. के. चौबे,** मुसतानि / लेखा
✍ **श्री संजय कुमार,** मुसतानिं / कार्मिक

**1. चयन में अनियमितताएँ–आरक्षण नियम।**

एक परिवाद के जाँच के क्रम में यह पाया गया कि रेलवे बोर्ड द्वारा एक विभाग में छः राजपत्रित पदों का सृजन किया गया और तदनुसार चयन हेतु अधिसूचित किया गया। चयन के प्रथम साइकिल में इस संबंध में आरक्षण नियम की अवहेलना करते हुए छः में से एक पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया। आर.बी.ई. 114 / 97 के अनुसार, 14 तक स्वीकृत पदों के लिए कैडर में एल टाईप रोस्टर का प्रावधान है। तदनुसार छः स्वीकृत पदों का कैडर में प्रथम बिन्दु, द्वितीय बिन्दु, तृतीय बिन्दु, पंचम बिन्दु और षष्ट्म बिन्दु अनारक्षित समुदाय के लिए जाता है जबकि चतुर्थ बिन्दु अनुसूचित जाति के लिए जाता हैं।

उपयुक्त चयन में गलती से रोस्टर में अनुसूचित जनजाति चिन्हित करने के फलस्वरूप एक व्यक्ति आरक्षण का लाभ लेते हुए छूट के अंतर्गत चयनित हो गया। चयनित कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुका है।

इस संबंध में सक्षम प्राधिकारी को उपरोक्त अनियमितता की जाँच करने तथा इस संबंध में सुधारात्मक उपाय करने हेतु सलाह दिया गया है।

**2. मृत्युपरांत वेतन भुगतान ।**

पूर्व मध्य रेल के एक इकाई में संपादित सतर्कता निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि श्री एक्स, जो एबीसी स्टेशन पर कार्यरत थे, की मृत्यु दिसम्बर 2017 में हो गई थी फिर भी उनका वेतन माह फरवरी 2018 तक बनाया गया था ।

# Case Study

## (Accounts & Personnel)

✍ **Sri D.K. Sinha**, CVI/P
✍ **Sri P.K. Chaubey,** CVI/A
✍ **Sri Sanjay Kumar,** CVI/P

---

### 1. Irregularity in selection - Reservation Rules.

During investigation of a complaint case, it was found that six gazetted posts under one department of this Railway were created by Railway Board and selection was notified accordingly. In the first cycle of selection, out of total six posts, one post was earmarked for ST category ignoring the reservation rules in this regard. RBE 114/ 97 details regarding maintenance of L type roster register for the cadre having sanctioned strength upto 14 posts. Accordingly for the cadre having sanctioned strength of six posts, Ist point, 2nd point, 3rd point, 5th point & 06th point go to UR whereas 4th point goes to SC.

Due to wrong earmarking of a post under ST category in above selection, one person of ST category was selected getting benefit of reservation on relaxed norms. The employee has already retired.

The competent authority has been advised with outcome of investigation to look into the above irregularity and take corrective measure in this regard.

### 2. Payment of Salary-Death Case.

During a preventive check in one unit of ECR it was found that one employee Mr. X, who was working at station ABC, died during the month of December 2017, however, preparation of salary in favour of Mr. X was continued up to the month of February 2018.

यह पाया गया कि श्री एक्स का वेतन एएए मंडल में जेडजेडजेड कार्यालय, जहाँ श्री एक्स कार्यरत थे, से प्राप्त अनुपस्थिति विवरण, मास्टर रोल एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर बनाया जाता था ।

जाँच के दरम्यान यह पाया गया कि श्री वाई, जो श्री एक्स से संबंधित वेतन लिपिक थे, को श्री एक्स की मृत्यु की सूचना सही समय पर दे दी गई थी। इसके अतिरिक्त चेंज लिस्ट, जिसमें श्री एक्स की मृत्यु के संबंध में आवश्यक अभ्युक्ति दर्ज थी, माह जनवरी 2018 एवं फरवरी 2018 की अनुपस्थिति विवरण एवं मस्टर रोल के साथ श्री वाई को उपलब्ध करा दी गई थी फिर भी श्री वाई ने इन सूचनाओं को नजरअंदाज कर श्री एक्स का वेतन फरवरी 2018 तक बना दिया था मानो कर्मचारी जीवित एवं कार्यरत हो ।

मामले की जाँच करने के उपरांत श्री वाई को श्री एक्स का वेतन दिसम्बर 2017 में उनके मृत्यु के बाद भी माह जनवरी 2018 एवं माह फरवरी 2018 में अनियमित रूप से बनाने के लिए उत्तरदायी पाया गया। श्री वाई के विरुद्ध उनके द्वारा उपरोक्त उल्लेखित कर्त्तव्य में लापरवाही बरतने के लिए एस एफ 5 जारी करने की सलाह दी गई है।

### 3. रेल कर्मचारी द्वारा नौकरी लगाये जाने के नाम पर रुपये लेकर ठगी किया जाना ।

एक परिवाद के जाँच में यह पाया गया कि एक रेलवे कर्मचारी द्वारा रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर एक व्यक्ति से चार लाख रुपये लिये गये। यह रुपये कर्मचारी द्वारा अपने बैंक खाता में एनईएफटी के द्वारा स्थानान्तरित कर लिये गये ।

नौकरी नहीं मिल पाने पर परिवादी द्वारा रुपये वापस करने को कहा गया जिसके कारण कर्मचारी द्वारा जो चार लाख का चेक दिया गया था उसका भुगतान कर्मचारी द्वारा बैंक से रोक दिया गया ।

It was learnt that the salary of Mr. X was being prepared in AAA Division on the basis of absentee statement ,Muster Roll and other documents, which were being received from the office of ZZZ where Mr. X was working.

During the investigation it was found that Mr. Y, who was the concerned pay bill clerk of Mr. X, was informed about the death of Mr. X on time. Apart from the above necessary change list, in which specific remarks regarding death of Mr.X was recorded, was also sent to Mr. Y along with absentee statement and muster roll of ZZZ office for the month of January 2018 and February 2018. However ignoring the advice Mr. Y prepared the salary of Mr. X up to the month of February 2018 as if he was alive and on duty.

After investigation of the case Mr. Y was found responsible for irregular preparation of salary in favour of Mr. X for the month of January & February 2018 after the death of Mr. X during the month of December 2017. It has been advised to issue SF-5 to Mr. Y for lapses in performing his duties as mentioned above.

**3. Railway Employee involved in extracting money in the name of providing job.**

During a vigilance investigation against an employee of this Railway, it was revealed that the said Railway employee has taken Rs. Four lakh from a person. The allegation was corroborated with the fact that the said amount was taken through NEFT transfer in the employee's account for arranging job in Railway.

Money paid for arranging job was asked to be returned by the employment seeker as the employee could not arrange the job, on which he gave a cheque of same amount but asked the bank to stop payment. During investigation the employee accepted taking the money but for treatment of his ailing father.

जाँच के दौरान कर्मचारी द्वारा यह स्वीकार किया गया कि उसके द्वारा रुपये लिये गये, परन्तु अपने बीमार पिता के ईलाज के लिए, लिये गये । इस मामले में यह भी पाया गया कि कर्मचारी का उस व्यक्ति से कोई रिश्ता नहीं है जिससे रुपये लिये गये एवं कर्मचारी द्वारा अपने बीमार पिता का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि कर्मचारी द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लिये गये।

कर्मचारी को निलंबित करने एवं दूर के स्थान पर स्थानान्तरण करने के साथ ही दीर्घ शास्ति की अनुशंसा संबंधित मंडल से की गई ।

## 4. पुनर्नियुक्त कर्मचारी का वेतन भुगतान ।

वर्तमान में रेलवे बोर्ड से प्राप्त निर्देशों के क्रम में सेवानिवृत्त योग्य एवं उपयुक्त कर्मियों को पुनर्नियुक्ति की जा रही है। ऐसे ही एक मामले में सेवानिवृत्ति के उपरान्त पुनर्नियुक्त कर्मचारी के संबंध में एक मंडल में औचक जाँच किया गया। दोबारा नियुक्ति के उपरान्त उपस्थिति की जाँच करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि एक मामले में एक कर्मचारी को पुनर्नियुक्ति दी गई परन्तु उसके द्वारा योगदान नहीं दिया गया तथा वह कभी भी कार्य पर उपस्थित नहीं हुआ। इसके बावजूद केवल पुनर्नियुक्ति आदेश के आधार पर अगले कई महिनों तक उसका वेतन आहरित किया जाता रहा ।

मामले में सतर्कता जाँच शुरु होने के उपरान्त संबंधित मंडल द्वारा कार्यवाही करते हुए एक कर्मचारी जो वेतन विपत्र तैयार करता था, को निलंबित किया गया एवं उसे दीर्घ दण्ड आरोप पत्र दिया गया है ।

मामले में विस्तृत सतर्कता जाँच अभी जारी है ।

However, since there was no relation with the person from whom he has taken money and he could not produce any document regarding his ailing father, it has been concluded that said employee is involved in extracting money in the name of providing job.

Concerned Division has been advised to suspend the employee, transfer to some distant place and issuing a major penalty charge-sheet.

**4. Payment of Salary to re-engaged employee.**

At present in terms of instructions received from Railway Board the suitable and eligible retired employees are being re-engaged in Railway services. In a similar case, a preventive check was conducted in a division of ECR in respect of re-engagement of employees after their retirement. After checking of attendance of re-engaged employee, it came to notice that an employee was re-engaged but he did not report and never attended his duty, however, he was paid consolidated salary on the basis of re-engagement letter up to several months.

After vigilance investigation was initiated in the matter, one of the employee of the Division dealing with the preparation of salary bill was placed under suspension and he has been issued a major penalty charge sheet.

Detailed vigilance investigation in the matter is in progress.



## केस अध्ययन

# अभियंत्रण

✍ **राकेश सिंह,** मुसतानि/इंजी

**1.0 निजी रेलवे साइडिंग के निर्माण के प्रस्ताव अनुमोदन से संबंधित कोडल राशि के संग्रह में अनियमितता :**

- एक शिकायती मामले की जाँच के दौरान यह पाया गया कि इस जोनल रेलवे में कई निजी साइडिंग निर्माण की प्रक्रिया की गयी थी। रेलवे में मापदंडों के अनुसार प्राइवेट पार्टी से कोडल चार्ज तीन चरणों में संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जमा कराया जाना चाहिए जैसे कि (i) परियोजना की अनुमानित लागत का 1 प्रतिशत पार्टी के प्रस्ताव को सर्वेक्षण के लिए लेने पर, जो रेलवे द्वारा अनुमोदन होना है, (ii) सर्वेक्षण का अनुमोदन होने पर परियोजना के अनुमानित मूल्य का 2 प्रतिशत पूरा करने के लिए शेष राशि और (iii) कार्य पूर्ण होने पर अंतिम अनुमोदन के लिए जब आवेदन करे उस समय परियोजना लागत का 2 प्रतिशत।
- लेकिन, यह पाया गया की सर्वेक्षण को अनुमोदन के लिए पार्टी के प्रस्ताव को लेते समय, परियोजना के अनुमानित लागत का 1 प्रतिशत कोडल चार्ज के रूप में पार्टी द्वारा रेलवे के कोष में नहीं जमा किया गया और रेलवे की तरफ से सक्षम पदाधिकारी द्वारा पैसा जमा हुये बिना, सिद्धान्तों के अनुसार अनुमोदन कर दिया गया था। उपरोक्त अनियमितता के लिए संबंधित पदाधिकारी को जिम्मेदार माना गया। सत्तर्कता विभाग द्वारा छानबीन करने पर, निजी रेलवे साइडिंग से कोडल चार्ज का बकाया रु. 7,79,06,912/– जमा कराया गया। इस संबंध में, सिद्धान्तों के अनुसार अनुमोदन जारी करने से पहले, प्राकलन का 1 प्रतिशत कोडल चार्ज जमा होने के लिए प्रणाली सुधार पत्र जारी किया गया है।

**अतः निजी रेलवे साइडिंग के निर्माण हेतु, अनुमोदन देने के पूर्व, दिशा–निर्देशों के आलोक में, विभिन्न चरणों में कोडल राशि को जमा कराना सुनिश्चित करें।**

# Case Study

## ENGINEERING

✍ **Rakesh Singh,** CVI/Engg

**1.0 Irregularities in collection of codal charges for approval related to proposals for construction of private railway sidings:-**

- During investigation of a complaint case, it is found that many private siding were processed for construction in this Zonal Railway. As per norms of the Railway, the codal charge from the private parties are to be realized by the concerned officials in three stages i.e. (i) 1% of the assessed cost of the project at the stage the party's proposal for undertaking the survey, is approved by the railway, (ii) Balance amount to complete 2% of the estimated cost of the project at the stage of conveying approval to the survey and (iii)2% of the cost of the project while applying for the final approval of the completed works.

- But, it was found that 1% of the assessed cost of the project as codal charge at the stage the party's proposal for undertaking the survey is approved was not deposited by party to railway and "In principle" approvals were granted from railway side by competent authority. For the above irregularity, concerned official was considered responsible. After chasing by vigilance department, the outstanding dues of codal charges from private railway sidings was realized amounting to Rs. 7,79,06,912/-. In this connection system improvement letter for realization of 1% codal charge against the estimate before issuing IPA (In Principle approval) has been issued.

**Thus, for construction of Private Railway Sidings, deposition of codal charges at various stages should be ensured as per the guidelines, before granting approval.**

**2.0 बिल बनाने के लिए मापी से पहले, निष्पादित कठोर कटे चट्टानों का चट्टा लगाने एवं लेखा–जोखा में अनियमितताएं :**

- एक शिकायती मामलें की जाँच के दौरान एक मंडल में यह पाया गया कि कठोर चट्टानों को काटने का निष्पादन किया गया था और तदनुसार मापी पुस्तिका में माप दर्ज की गयी थी, लेकिन संबंधित पदाधिकारी द्वारा कठोर चट्टान की कटाई से खोदी गई उपयुक्त सामग्री का चटटा नहीं लगाया गया था और लेखा–जोखा नहीं किया गया था। एकीकृत मानक विशिष्टियॉ (कार्य और सामाग्री) –2010 के पारा 1.3.6.2 (क) के अनुसार, कटाई से खोदी गयी सभी सामाग्री जो पिचिग, पत्थर चिनाई या अन्य उद्देश्य के लिए उपयुक्त है रेलवे की संपत्ति होगी और चट्टा लगाया जायेगा या अवशिष्ट को इंजीनियर के दिशा निर्देश पर लीड सीमा के अंदर फेंका जायेगा। यह काटने की दर में शामिल है। उपरोक्त अनियमितता के लिए संबंधित पदाधिकारी को जिम्मेदार माना गया और डी.ए.आर. के तहत कार्यवाई की गई। पुनः उपयुक्त कठोर चट्टान को एकत्र करने एवं चट्टा लगाने के लिए मंडल को पत्र लिखा गया क्योंकि यह दर कटिंग की दर में शामिल है और इसके लिए भुगतान पहले ही किया जा चुका है। यदि उपरोक्त सामग्रियों को किसी अन्य एजेंसी द्वारा इकट्ठा किया जाता है एवं चट्टा लगाया जाता है तो इस कार्य के लिए रेलवे द्वारा किये गये खर्च को उस एजेंसी से काटा/वसूला जाना चाहिए जिसने इस कार्य को निष्पादित किया है।

उपरोक्त को ध्यान में रखकर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि फील्ड पदाधिकारी बिल हेतु मापी दर्ज किये जाने से पहले कठोर चट्टान कटाई के निष्पादन में प्राप्त सभी उपयुक्त सामग्री का चट्टा लगायें और लेखा–जोखा करें।

## 2.0 Irregularities in stacking and accountal of executed hard cut rock prior to measurement for making bill:-

- During investigation of a complaint case in a division, it is found that cutting of hard rock was executed and accordingly measurement was recorded in MB but stacking and accountal of all suitable material excavated from cutting of hard rock was not done by concerned official. As per Para 1.3.6.2(a) of Unified Standard Specifications for Works & Materials-2010, all material excavated from cutting suitable for pitching, ballast masonry or any other purpose whatever, shall be the property of railway, and shall be stacked, as also disposed off as directed by the Engineer, within the limits of lead specified for stacking of spoil. This is included in the rate for cutting. For the above irregularity, concerned official was considered responsible and taken up under DA rule. Further, a letter was written to division for collecting and stacking of suitable hard rock because this rate is included in the rate of cutting & payment has already been done for it. If above materials are collected and stacked by any other agency then expenditure incurred by railway for this work should be deducted/recovered from the agency, who executed the work.

**In view of above, it must be ensured that stacking and accountal of all suitable material excavated from cutting of hard rock is done before measurement is recorded for making bill by field officials.**

## केस अध्ययन

# अभियंत्रण

✍ **सतीश कुमार,** मुसतानि/इंजी

**1.0 कर्मचारियों का दुरुपयोग :**

- निवारक जाँच के दौरान, यह देखा गया कि ट्रॉलीमैन और क्लकों की उपलब्धता के बावजूद सहायक मंडल इंजीनियर कार्यालय, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/पथ और कार्य कार्यालयों आदि में ट्रैक मेंटेनरों की संलग्न करके उनका दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा लोहार, बढ़ई और पेंटर के काम में सहायता के लिए भी ट्रैक मेंटेनर को लगाया जा रहा है।
- यह एक अस्वीकरणीय स्थिति है और ट्रैक रख–रखाव से संबंधित गतिविधियों के अतिरिक्त गतिविधियों हेतु ट्रैक मेंटेनर का उपयोग सख्ती से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए एवं केवल अपरिहार्य परिस्थितियों में ही इसका उपयोग किया जाना चाहिए। तदनुसार प्रमुख मुख्य इंजीनियर/पूर्व मध्य रेल ने इस हेतु दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसके अनुसार–

(क) भविष्य में ट्रैक मेंटेनर्स का इस्तेमाल केवल उन मामलों में किया जा सकता है, जहाँ उस विशेष इकाई में लिपिक कर्मचारी संवर्ग में रिक्तियॉ हैं। ट्रैक मेंटेनर की तैनाती की संख्या लिपिक कर्मचारी संवर्ग में रिक्तियों की संख्या से अधिक नहीं होना चाहिए। ट्रैक मेंटेनर का उपयोग केवल कार्यालय के काम में सहायता करने का होगा और वे HOER के प्रावधान का पालन करेंगे।

## Case Study

# ENGINEERING

✍ **Satish Kumar,** CVI/Engg

**1.0 Misuse of staff:-**

- During preventive check, it was observed that track maintainers are being misutilised in fields by being attached in ADEN office, SSE/PW & Works offices etc despite availability of Trollyman & Clerks. Also, track maintainers are being engaged to assist in the work of B/Smith, Carpenter and Painter.

- This is an unacceptable situation and utilization of track maintainer for activities not related to track maintenance be strictly restricted and can only be done in unavoidable circumstances. Accordingly, PCE/ECR has issued guidelines as per which-

(i) In future, track maintainers can be used for office work only in those cases where there are vacancies in clerical staff cadre in that particular unit. The number of Track Maintainer deployed should not exceed the number of vacancy. Track Maintainer being used will only assist in office work and they will follow the provision of HOER.

(ख) कार्य शाखा में रिक्ति होने पर ट्रैक मेंटेनेंस के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए ट्रैक मेंटेनर का उपयोग करने के लिए, जैसे– मेसन, कारपेंटर और फिटर के हेल्पर आदि के कार्यों हेतु केवल इच्छुक ट्रैक मेंटेनर ही सहायक के रूप में तैनात किए जा सकते हैं। यह एक निश्चित अवधि हेतु किया जायेगा, जब तक इस तरह के कार्य को आउटसोर्स करके कारीगर कर्मचारियों को अनुबंध पर लगे व्यक्ति द्वारा सहायता प्रदान की जाए। इस मामले में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि तैनात किए गए ट्रैक मेंटेनरों की संख्या कारीगर श्रेणी के लिए आवश्यक सहायकों की संख्या से अधिक नहीं होनी चाहिए।

**2.0 अनुबंध की समाप्ति में अनियमितता :**

- निवारक जाँच के दौरान, एक निविदा फाईल की जाँच पर, यह देखा गया कि अनुबंध को टर्मिनेशन/रद्दीकरण करने संबंधी टिप्पणी को मंडल इंजीनियर द्वारा प्रस्तुत किया गया और उसी टिप्पणी को वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय द्वारा अनुमोदित किया गया था। तदनुसार, टर्मिनेशन/रद्दीकरण पत्र मंडल इंजीनियर द्वारा मौजूदा निर्देशों के आधार पर जारी किया गया था। लेकिन इस पत्र को सभी संबंधितों को प्रेषित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप, संविदा करार की शर्त के अनुसार जमानत राशि एवं निष्पादन गारंटी जब्त नहीं किया जा सका।

**अतः यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि टर्मिनेशन पत्र सर्वसंबंधित को प्रेषित किया गया है तथा संविदा करार की शर्त के अनुसार जमानत राशि एवं निष्पादन गारंटी जब्त किया गया है।**

(ii) For using track maintainers, for activities other than track maintenance such as helper to Mason, Carpenter and Fitter etc on account of vacancy in works branch, only willing track maintainers are to be deployed as helpers for a specific duration till the activities assigned to helper can be suitably out-sourced and the artisan staff be assisted by person engaged on contract. In this case, it should be ensured that number of track maintainers deployed should not be more than the required number of helpers for the artisan category.

**2.0 Irregularity in Termination of Contracts:-**

- During preventive check, on investigation of a tender file, it was seen that the '**note**' for termination was put up by DEN and the same was approved by Sr. DEN/Co-ord. Accordingly, the termination letter was issued by DEN based on extant instructions. But this letter was not circulated to all concerned. This resulted in non forfeiture of SD & PG as per contract condition.

**Therefore, it should be ensured that termination letter is circulated to all concerned and forfeiture of SD & PG as per CA is done.**

## केस अध्ययन

# अभियंत्रण

✍ **विद्यानन्द प्रसाद,** मुसतानि/इंजी

**1.0 जोनल कार्यों के निष्पादन में अनियमितता :**

निवारक जाँचों/शिकायतों की जाँच के दौरान, निम्नलिखित विसंगतियां पायी गयीं :–

- कार्य आदेश के स्वीकृति के बिना जोनल कार्य का निष्पादन किया गया था।
- स्वीकृत कार्य आदेश में प्रदान की गई सामग्री से अलग सामग्री का कार्य स्थल पर उपयोग किया गया था।
- स्वीकृत कार्य आदेश में प्रदान की गई सामग्री से अलग सामग्री को पास किया गया था।
- कार्य आदेश की स्वीकृति तथा कार्य आदेश के विरुद्ध किए गए कार्य का बिल पास, एक ही दिन किया गया था।
- जोनल कार्य के अन्तिम बिल को लम्बे समय के बाद यानि कार्य पूरा होने के 08–09 महीने बाद तैयार किया गया था।
- मुख्य योजना एवं अभिकल्प इंजीनियर के पत्र संख्या डब्ल्यू–2/118/09/सतर्कता/प्रणाली में सुधार/पार्ट–।/479 दिनांक 23/26.12.2016 के अनुसार, वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/कार्य एवं सहायक मंडल इंजीनियर के स्तर पर कार्य आदेश पंजिका को मानक प्रारूप के अनुसार नहीं बनाया गया था। प्रत्येक कार्य आदेश का प्रेषण/प्राप्ति पंजिका का रिकार्ड भी बनाए रखा जाना चाहिए, लेकिन इसे बनाए नहीं रखा गया था।

## Case Study

# ENGINEERING

✍ **Vidyanand Prasad,** CVI/Engg

### 1.0 Irregularity in execution of Zonal work:-

During investigation of PC/Complaint cases, following anomalies were observed :-

- Zonal work was executed without sanction of work order.
- Different materials were used at site than provided in sanctioned work order.
- Different materials were passed than provided in sanctioned work order.
- Sanction of work order and passing of bill of the work executed against work order were done on same day.
- Final Bills of zonal work was prepared after lapses of long time i.e 08-09 months, after completion of zonal period.
- As per CPDE/HJP's letter No-W-2/118/09/Vig/System improvement/Pt-I/479 dated-23/26.12.2016, work order registers were not maintained as per standard format at IOWs and ADENs level. Also, record of dispatch/receipt register of each and every work orders must be maintained as per standard practice but it was not maintained.

**2.0 जीएमएफसी के तहत रेलवे भूमि के लाइसेंस में अनियमितता :**

शिकायत की जाँच के दौरान, निम्नलिखित विसंगतियां पायी गयीं :–

- रेलवे बोर्ड के नवीनतम जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार जीएमएफसी के तहत रेलवे भूमि का आवंटन/लाइसेंस नहीं किया गया था।
- रेलवे भूमि को रेलवे कर्मचारियों को, बिना किसी अनुबंध के निष्पादन के भौतिक रूप से आवंटित किया गया था।
- रेलवे भूमि के लाइसेंस का विस्तार नहीं किया गया था।
- वार्षिक शुल्क अग्रिम रूप से जमा नहीं किया गया था।
- जमानत राशि जमा नहीं किया गया था।
- बकाये लाइसेंस शुल्क का वसूली नहीं किया गया था।
- सहायक मंडल इंजीनियर और वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर के कार्यालय में रिकार्ड/रजिस्टर नहीं बनाया गया था।

**अतः जीएमएफसी के तहत रेलवे भूमि, रेलवे कर्मचारियों को जारी दिशा निर्देशों का पालन कर आवंटित करें।**

**3.0 मछियारी अधिकार के लाइसेंस में अनियमितता :**

शिकायत की जॉच के दौरान, निम्नलिखित तथ्य पाये गए–

- मछियारी अधिकार के लिए अलग–अलग अनुभाग में अलग–अलग लाइसेंसधारियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया था।
- सभी लाइसेंसधारियों ने केवल प्रथम वार्षिक शुल्क जमा किया था। दूसरी और तीसरी वार्षिक शुल्क जमा न करने के कारण सभी लाइसेंस रद्द कर दिए गए थे। लेकिन दो वर्ष की शेष अवधि के लिए नई निविदा की माँग नहीं किया गया था।
- इन अनुभागों के लिए नई निविदा दो वर्ष की शेष अवधि के बाद आमंत्रित किया गया था।
- इस प्रकार न तो वार्षिक लाइसेंस शुल्क जमा कराया गया और न ही लाइसेंस रद्द करने के बाद नए निविदाओं को आमंत्रित किया गया था, जिससे रेलवे को वित्तीय नुकसान हुआ।

**2.0 Irregularity in licensing of Railway land under GMFC:-**

During investigation of complaint case, following anomalies were observed:-

- Railway land under GMFC was not allotted / licensed as per latest issued guideline of Railway Board.
- Railway land was physically allotted to Railway Employees without execution of agreement.
- Extension of license of Railway land was not done.
- Annual fee was not collected in advance.
- S.D money was not collected.
- Recovery of due license fees was not done.
- Record/Register was not maintained in ADEN and SSE/W offices.

**Thus, Railway land under GMFC should be allotted to Railway Employees following the extant guidelines.**

**3.0 Irregularity in licensing of Fishing Right:-**

During investigation of complaint case, following points were observed:-

- License for Fishing Right of different section were awarded to different licensees for the period of three years.
- All licensees had deposited only 1st annual license fee. Due to non deposition of 2nd and 3rd annual fees all licenses were cancelled, but new tender of these sections were not initiated for balance period of two year.
- New tender for these sections were invited after lapse of balance period of two year.
- Thus, neither annual license fees were collected nor after cancellation of license, new tenders were invited, which resulted in financial loss to the Railway.

## केस अध्ययन

# अभियंत्रण

✍ **जनार्दन प्रसाद,** मुसतानि/इंजी

**1.0 आरडीएसओ नक्शा की उपलब्धता के बावजूद स्केच पर आधारित कार्यों का निष्पादन :**

- निजी साइडिंग के विकास के संबंध में बॉक्स ब्रिज के निर्माण का कार्य निष्पादित किया गया था। निवारक जाँच के दौरान, यह पाया गया कि बॉक्स ब्रिज का निर्माण फील्ड पदाधिकारी द्वारा अनुमोदित स्केच के आधार पर किया गया था, हालांकि मानक आरडीएसओ नक्शा विभिन्न फिल हाइट्स के साथ विभिन्न मापों के बॉक्स ब्रिज के लिए उपलब्ध है। उसी पुल के लिए मानक आरडीएसओ नक्शा में अनुशंसित हंच के माप की तुलना में अपनाया गया हंच का आकार छोटे माप का था। इसके अलावा, संयुक्त जाँच के दौरान पाया गया कि बैरल की लंबाई मापी गई और स्केच में उल्लिखित लंबाई से कम पाई गई। स्केच में उल्लिखित मोटाई की तुलना में बॉक्स ब्रिज की बगल की दीवार की मोटाई भी कम पाई गई।

**इस प्रकार, किसी भी पुल के लिए निर्माण कार्य शुरु करने से पहले इसकी अनुमोदित नक्शा को मंडल/मुख्यालय से प्राप्त किया जाना चाहिए और पुल के सभी घटकों के माप निर्माण के दौरान अनुमोदित नक्शा में दिखाए गए उनके संबंधित माप के साथ मेल खाना सुनिश्चित करना चाहिए।**

## Case Study

# ENGINEERING

✍ **Janardan Prasad,** CVI/Engg

**1.0 Execution of works based on sketch despite availability of RDSO drawing:-**

- The work of construction of Box Bridge was executed in connection with development of private siding. During preventive check, it was found that the construction of Box Bridge was done based on sketch approved by field officer though standard RDSO drawing is available for Box Bridge of different dimensions with different fill heights. For the same bridge, the size of haunch adopted was of smaller dimension in comparison to the dimension for haunch recommended in the standard RDSO drawing. Also, the length of barrel of the box bridge was measured during joint check and found to be less than the length mentioned in the sketch. The thickness of the side walls of the Box Bridge was also found to be less in comparison to the thickness mentioned in the sketch.

**Thus, before commencement of construction work for any bridge, its approved drawing must be obtained from division/ HQ and during construction, dimension of all components of the bridge should be ensured to match with their respective dimension shown in the approved drawing.**

**2.0 पीसीसी के लिए कंक्रीट की ढलाई के दौरान उचित मिश्रण अनुपात का उपयोग :**

- कुछ महत्वपूर्ण तीन लाईन क्रासिंग स्टेशनों पर दूसरे निचले स्तर के यात्री प्लेटफार्म की ढलाई का कार्य निष्पादित किया गया। निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि कंक्रीट की ढलाई को अनुमोदित नक्शा में उल्लिखित मिश्रण के अनुशंसित अनुपात की तुलना में मिश्रण के एक अलग अनुपात के साथ किया गया है। साथ ही, संविदा करार में कार्य की अनुसूची में, कार्य के स्वीकृत नक्शें में उल्लिखित कंक्रीट के अनुमोदित ग्रेड के लिए मद नहीं था। कार्य की अनुसूची के अन्य मद के आधार पर कार्य निष्पादित किया गया था। ढलाई किए गए कंक्रीट के मिश्रण अनुपात का परीक्षण करने पर यह पाया गया कि कंक्रीट उस मद के लिए कार्य की अनुसूची में उल्लिखित निर्दिष्ट मिश्रण अनुपात को पूरा करने में विफल रहा।

अतः निविदा अनुसूची तैयार करने के दौरान यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अनुसूची में अनुमोदित नक्शा/योजना में उल्लिखित मद होनी चाहिए और कार्य निष्पादन के दौरान मिश्रण का अनुपात भी बनाए रखा जाना चाहिए।

**2.0 Use of proper mix proportion during casting of concrete for PCC:-**

- The work of casting of second low level passenger platform at important three line crossing station was executed at some stations. During preventive check it was found that casting of concrete has been done with a different proportion of mix than the recommended proportion of mix mentioned in approved plan. The schedule of the work in CA did not contain item for approved grade of concrete as mentioned in the approved plan of the work. The work was executed based on some other item of the schedule of work. On testing the mix proportion of the casted concrete, it was found that the concrete failed to meet the specified mix proportion mentioned in the schedule of work for that item.

**Therefore, during preparation of tender schedule it should be ensured that the schedule must contain the items mentioned in the approved drawing/plan and also the proportion of mix should be maintained during execution of work.**

## केस अध्ययन

# अभियंत्रण

✍ **संजय प्रसाद सिंह,** मुसतानि/इंजी

**1.0 सामग्री पारित करने में अनियमितता :**

निवारक जाँचों/शिकायतों की जॉच के दौरान सामग्री पारित करने में विसंगतियां पायी गयी हैं। अतः निम्नलिखित बिन्दुओं को देखेंः–

- सामग्री को सक्षम प्राधिकारी को पारित करने हेतु प्रस्तुत करने से पूर्व सामग्री की उचित गुणवत्ता सुनिश्चित करें।
- कार्य क्षेत्र में उपयोग से पहले सामग्री को पारित किया जाना चाहिए।
- उपलब्ध विशिष्टता /संहिताओं और नियमावली के अनुसार भौतिक परीक्षण या अन्य स्वतंत्र प्रयोगशाला परीक्षणों द्वारा गुणवत्ता सुनिश्चित करें।
- उपयोग की गई सामग्रियों के उचित रिकॉर्ड, रसीदें, चालान और एमटीसी आदि का रख–रखाव करें।
- विनिर्देश के अनुसार स्वतंत्र प्रयोगशाला परीक्षणों के रिकॉर्ड को नियमित रूप में रखें।
- सामग्री पारित रजिस्टर में पूर्ण विवरण सुनिश्चित करने हेतु सामग्री का ब्रांड नाम, निर्माण की तारीख, आयाम आदि मदों का विवरण दर्ज करें।

## Case Study

# ENGINEERING

✍ **Sanjay Prasad Singh,** CVI/Engg

### 1.0 Irregularities in material Passing:-

During investigation of PC/complaints, irregularities in material Passing have been observed. Hence, following points should be observed:-

- Ensure proper quality of Materials before offering it for passing to competent authority.
- Materials should be passed before consumption in work sites.
- Ensure the quality by physical examination or other independent laboratory tests in accordance to Specification/ Codes and Manuals available.
- Maintain proper records, receipts, invoices & MTC etc of materials used.
- Records of independent laboratory tests to be maintained regularly as per specification.
- Complete details like Brand name, Date of manufacture, dimension etc. to be recorded in description of item in material passing register.

## 2.0 समपार फाटक के उन्मूलन के लिए सीमित ऊँचाई उपमार्ग के निर्माण में अनियमितताएं :

सीमित ऊँचाई उपमार्ग (खण्डयुक्त बॉक्स निर्माण) बनाकर मानव रहित समपार फाटक के उन्मूलन के कार्य को अनेकों समपार फाटक पर निष्पादित किया जा रहा है। एक समपार फाटक पर निवारक जाँच के दौरान निम्नलिखित अनियमितताएं पाई गईं :–

- अनुमोदित नक्शा के अनुसार, सरिया नहीं लगाया गया था। 10 मि.मी. व्यास सरिया का शियर लिंक बॉक्स में प्रदान किया जाना था लेकिन 10 मि.मी. व्यास सरिया के बजाय 12 मि.मी. व्यास का सरिया शियर लिंक के रूप में उपयोग किया गया था।
- कंक्रीट की गुणवत्ता के स्वीकृत ग्रेड के लिए अनुमोदित मिक्स डिजाइन के अनुसार सीमेंट का भुगतान किया जाना चाहिए। जाँच के दौरान यह पाया गया कि कंक्रीट मिक्स डिजाइन द्वारा निर्धारित सीमेंट से अधिक मात्रा में सीमेंट का भुगतान किया गया था।

**इस प्रकार यह हमेशा वांछनीय है कि अनुमोदित नक्शा के अनुसार कार्य किये जायें। सरिया/छड़ अनुमोदित नक्शा के अनुसार लगाना चाहिए। यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि सीमेंट का भुगतान अनुमोदित कंक्रीट मिक्स डिजाइन के अनुसार करना चाहिए।**

## 2.0 Irregularities in construction of LHS for elimination of level crossings:-

The work of elimination of Unmanned L-Xing by providing Limited Height Subway (Segmental box construction) is being executed at many level crossings. During preventive check, at one of the level crossings, the following irregularities were found:

- As per approved drawing, reinforcement was not provided. The 10 mm dia. shear link was to be provided in the Box but instead of 10 mm dia bar, 12 mm dia bars were used as shear links.
- Payment of cement should be done according to approved mix design for approved grade of concrete. During check, it was found that excess quantity of cement was paid which was not as per design mix grade of concrete.

**Thus it is always desirable that work is executed as per approved drawing. Reinforcement should be provided as per approved drawing. It should also be ensured that payment of cement should be made in accordance with approved mix design.**

# भंडार, चिकित्सा एवं सुरक्षा

## डेजर्ट एयर कूलरों की आपूर्ति, निरीक्षण और स्वीकृति में अनियमितताएँ।

✍ **विकास कुमार,** मुसतानि/भंडार

एक निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि एक इकाई में एक प्रतिष्ठित निर्माता 'ए' के नाम से काफी मात्रा में डेजर्ट एयर कूलरों की आपूर्ति की गई है। कूलरों की आपूर्ति का निरीक्षण युनिट प्रभारी द्वारा किया गया था जिसने निरीक्षण के दौरान आपूर्ति को क्रयादेश के अनुसार एवं संतोषजनक दिखाकर आपूर्ति को स्वीकार किया था और सामग्री को खाता बही में इंदराज कर आपूर्तिकर्त्ता के बिल को भुगतान हेतु अग्रसारित किया था।

जाँच के दौरान, निर्माता 'ए' के अधिकृत प्रतिनिधियों की सहायता ली गई, जिन्होंने निरीक्षण के उपरान्त आपूर्ति को निम्नलिखित दोषों/अभावों को दर्शाते हुए नकली घोषित किया :–

(1) कूलरों के वारंटी कार्ड, क्रम सं. और बार कोड उपलब्ध नहीं थे जबकि ये निर्माता 'ए' द्वारा अनिवार्य रूप से प्रदान किये जाते हैं।

(2) कूलरों की पैकिंग निर्माता द्वारा प्रदान की जाने वाली पैकिंग से भिन्न था।

(3) कुछ कूलरों की पैकिंग पर मॉडल 'एक्स' मुद्रित था जबकि ऐसा मॉडल निर्माता 'ए' द्वारा निर्मित नहीं किया जाता है।

## Case Study

## STORE, MEDICAL & SECURITY

### Irregularities in supply, inspection & acceptance of Desert Air Coolers.

✍ **Vikash Kumar, CVI/S**

During a preventive check in a unit, it was noted that huge quantity of Spurious Desert Air Coolers were supplied to the unit in the name of a reputed make 'A'. The coolers were found to be inspected by the unit in-charge who had certified the same 'satisfactory' and as per the PO and had accepted the supply by taking them in the ledger and had forwarded the supplier's bill for payment.

During check, assistance of authorised representatives of 'A' was taken also who, after inspection, declared the supply as spurious indicating defects/deficiencies in them as follow :-.

(1) Warranty Cards, Serial No. & Bar Code of the coolers were not available whereas the same are essentially provided by the manufacturer 'A'.

(2) Packing of the coolers was not in accordance with that provided by the manufacturer.

(3) On some of the packing of the coolers, Model 'X' was printed whereas no such model is manufactured by 'A'.

(4) कूलरों के फैन और बटन निर्माता द्वारा प्रदान की जाने वाली फैन और बटन के अनुरूप नहीं थे।

(5) कूलरों पर एमआरपी मुद्रित नहीं था जबकि निर्माता द्वारा इसे अनिवार्य रूप से मुद्रित किया जाता है।

(6) कुछ कूलरों की पैकिंग पर टैंक क्षमता 51 लीटर मुद्रित की गई थी जबकि उसी कूलर की बॉडी पर यह 50 लीटर मुद्रित था जो निर्माता 'ए' द्वारा निर्मित कूलरों के अनुरूप नहीं है।

(7) कूलरों पर निर्माता 'ए' का नाम दिखाने के लिए स्टिकर का चिपकाया जाना पाया गया जबकि ऐसा स्टिकर निर्माता 'ए' द्वारा अलग से चिपकाये जाने का चलन नहीं था।

जाँच के दौरान यह भी नोट किया गया कि इकाई में कूलरों की आपूर्ति दो फर्मों 'बी' और 'सी' के द्वारा की गई थी और ये दोनों फर्म निर्माता 'ए' के अधिकृत डीलर नहीं थे। इन दोनों फर्मों को जारी किए गए क्रयादेश प्रत्येक मामले में रुपए 5.00 लाख से अधिक मूल्य के थे जिसके अनुसार कूलरों का निरीक्षण परेषिती द्वारा प्राप्ति के बाद किया जाना निर्धारित किया गया था जबकि रेलवे बोर्ड के पत्रांक 2000/RS(G)/379/2 दिनांक 06.09.19 के अनुसार रुपए 5.00 लाख से अधिक पीओ मूल्य के स्टोर का निरीक्षण तीसरे पक्ष अर्थात् राइट्स/आरडीएसओ द्वारा किया जाना चाहिए। उपरोक्त दोनों पीओ की वित्तीय पुनरीक्षण के दौरान संबंधित वित्त विभाग द्वारा भी उपरोक्त विसंगतियों को नजरअंदाज किया गया।

नकली कूलरों की आपूर्ति से रेल राजस्व की हानि हुई। सभी दोषियों के विरुद्ध उचित दंडात्मक कार्यवाही की सिफारिश की गई है।

(4) Fan and button of the coolers were not in accordance with those manufactured by 'A'.

(5) MRP on the coolers was not printed whereas the same is essentially printed by the manufacturer 'A'.

(6) On some of the coolers, tank capacity was printed as 51 ltrs on their packing but on their body, the same was printed as 50 Ltrs which is not in accordance with those manufactured by 'A'.

(7) On the coolers, stickers showing manufacturer's name as 'A' were pasted whereas no such sticker is pasted by the manufacturer separately.

It was further noted that the supply of coolers were received in the unit from two firms 'B' & 'C' and these two firms were not on the list of authorised dealers of the manufacturer 'A'. The POs issued to these two firms were of value more than Rs. 5.00 lakhs in each case but the inspection term was stipulated in them as "by consignee after receipt" whereas as per Rly Bd's L/No. 2000/RS(G)/379/2 dated 06.09.17, consignee inspection is not applicable for stores having PO value above Rs. 5.00 lakhs per case rather respection by third party i.e. RITES/RDSO should be conducted in such cases. During vetting of the above two POs, the associated accounts ignored the above anomalies.

Supply of spurious coolers caused loss of railway revenue. Suitable punitive action has been recomended against all culprits.

## केस अध्ययन

### ग्लोबल निविदा के माध्यम से पीएसी मदों की खरीद में अनियमितताएं।

✍ **विकास कुमार,** मुसतानि/भंडार

ग्लोबल निविदा के माध्यम से आयातित पीएसी मदों की खरीद से संबंधित एक मामले की जाँच के दौरान यह नोट किया गया कि निविदा समिति ने प्रस्तावित दरों की औचित्य पर चर्चा करते समय अन्य रेलवे के सिर्फ पिछले क्रय के दर पर विचार किया और अनुमानित दरों की अनदेखी की। कुल पेशकश मूल्य कुल अनुमानित मूल्य की तुलना में लगभग 77% अधिक था इसके बावजूद भी इसे निविदा समिति द्वारा उचित माना गया और सक्षम पदाधिकारी ने अनुमोदित किया। इससे यह प्रकट होता है कि अनुमानित दर का आकलन उचित नहीं था और यथार्थ से परे था। अवास्तविक और अनुचित आकलन निविदा की जाने वाली मात्रा का अनुमोदन करने के लिए उपयुक्त प्राधिकारी का चयन और निविदा की उचित मोड को अपनाया जाना प्रभावित करता है।

जाँच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित निविदा सूचना में भुगतान की शर्त के रूप मे मेसर्स 'ए' से आयात के लिए विशेष शर्त के अनुसार उल्लेखित था। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उपरोक्त भुगतान शर्त मैसर्स 'ए' को लाभ पहुँचाने की मंशा से तैयार किया गया था। इसके अतिरिक्त, निविदा सूचना में बोली प्रणाली के रूप में 'एकल बोली' एवं मेसर्स 'ए' के ऊपर पीएसी का उल्लेख किया गया था। रेलवे बोर्ड के पत्रांक L/No- 76/RS(G)/779/55 Pt- दिनांक 27.10.15 के अनुसार पीएसी मदों के लिए भी विज्ञापित निविदा जारी की जानी चाहिए जहाँ खरीद का अनुमानित मूल्य खुली निविदा सीमा से अधिक है।

इसके अतिरिक्त यह भी पाया गया कि मेसर्स 'ए' ने एक मद के लिए अपनी पेशकश की गई दर जो 629.70 अमेरिकी डॉलर थी, को घटाकर 600.00 अमेरिकी डॉलर कर दिया था, लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए निविदा समिति ने स्वीकृति के लिए 629.70 अमरीकी डालर की ही सिफारिश की जिसे निविदा स्वीकार करने वाले अधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया। इस प्रकार ज्यादा मूल्य पर खरीद के लिए एलओए तथा क्रयादेश एवं इसके उपरान्त क्रयादेश का आशोधन और लेटर ऑफ क्रेडिट जारी किए गए जिससे रेल राजस्व की हानि हुई।

## Case Study

### Irregularities in purchase of PAC item through Global Tender.

✍ **Vikash Kumar, CVI/S**

During investigation of a case pertaining to procurement of imported PAC item through Global Tender, it was noted that while making discussion on reasonableness of offered rates, the TC considered only LPR of other railways and ignored the estimated rates. The total offered value was higher by approx 77% than the total estimated value despite that the same was considered reasonable by the TC and approved by TAA. Thus, it reveals that estimation of rate was not proper and realistic. Unrealistic & improper estimation may cause implications like selection of inappropriate authority for approving quantity to be tendered, adoption of inappropriate mode of tender etc.

Further, Payment term in the above NIT was mentioned as "As per special condition of contract for M/s 'A' import". It appears that the above payment term was drafted to favour M/s 'A'. Moreover, bidding System in the tender was stipulated as 'Single Bid System' with PAC on M/s 'A'. As per Railway Board's guideline vide L/No. 76/RS(G)/779/55 Pt. dated 27.10.15, advertised tender should be issued even for PAC items where estimated value of purchase is more than the open tender limits.

Apart from the above, M/s 'A' had reduced their offered rate of one item from US $629.70 to US $600.00 but ignoring the reduced rate i.e. US $ 600.00, the TC recommended US $629.70 for acceptance which was approved by the TAA. Thus, LOA & PO and thereafter MA & LC were issued for an extra amount which caused loss of railway revenue.

## केस अध्ययन

# स्क्रैप सामग्री के लेखाकरण एवं निष्पादन में अनियमितता

✍ **शैलेन्द्र कुमार**
मुसतानि/भंडार

पूर्व मध्य रेल के एक मंडल में विद्युत स्टोर में स्क्रैप सामग्री के रख–रखाव और निपटान से सम्बंधित निवारक जाँच के दौरान काफी मात्रा में बिजली के पुराने उपकरण और फिटिंग पाए गए। जब पूछताछ की गयी तो इकाई प्रभारी ने बताया कि इन उपकरणों को मंडल कार्यालय और अस्पताल के परिसर में विभिन्न स्थानों से निकाल कर विद्युत स्टोर में रखा गया है। जाँच के दौरान पता चला की इकाई प्रभारी ने बिना किसी प्राधिकार के निकाले गए सामग्री को अपने स्टोर में रखा था। निकाले गए सामान को स्टोर में लेने से पहले डीएमटीआर रजिस्टर में उसका विवरण दर्ज करना चाहिए था परन्तु जाँच के दौरान यह पाया गया कि इकाई प्रभारी के द्वारा डीएमटीआर नहीं मेन्टेन किया जाता है। जबकि इंडियन रेलवे सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन मैनुअल के पैरा 6.15.1 के अनुसार फिल्ड इकाइयाँ जो सामग्री के लेनदेन से संबंधित कार्य करते हैं, स्टोर के दैनिक लेनदेन के लिए उनके द्वारा डीएमटीआर रजिस्टर मेन्टेन किया जाना है।

जाँच के दौरान यह भी पाया गया कि इकाई प्रभारी ने निकाले गए सामान को स्टोर में लेने के बाद उसकी प्रविष्टी संबंधित लेजर में नहीं किया था। जाँच के दौरान यह भी प्रकाश में आया कि सामग्री को निकाले जाने और स्टोर में रखे जाने से संबंधित कोई भी प्रासंगिक दस्तावेज इकाई प्रभारी के पास उपलब्ध नहीं पाए गए, जैसे की रिसीप्ट वाउचर, इस्सू वाउचर, सामग्री को स्टोर में रखने के लिए सक्षम अधिकारी के आदेश की प्रति और कार्यादेश की प्रति जिसके तहत विद्युत उपकरणों को मंडल कार्यालय से निकाला जा रहा था।

संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासन व अपील नियम के अन्तर्गत कार्यवाही किया गया।

## Case Study

# Irregularity in accountal and disposal of scrap material

✍ **Shailendra Kumar**
CVI/Store

During a preventive check regarding accountal and disposal of scrap material in an electrical store in division of East Central Railway, a large amount of electrical appliances and fittings were found. When queried, the unit in-charge said that these devices have been removed from various places in the premises of divisional office and hospital and kept in electrical stores. During investigation, it was found that the unit in-charge kept the extracted material in his store without any authority. The details of the extracted goods should have been entered in the DMTR register before taking them into the store, but during the investigation it was found that DMTR is not maintained by the unit in-charge. Whereas in accordance with Para 6.15.1 of the Indian Railway Signal and Telecommunication Manual, the filed units dealing with receipt & issue of materials, DMTR register for daily transaction of Stores is to be maintained by them.

During the investigation, it was also found that the unit in-charge did not make the entry in the relevant ledger after taking the extracted goods into the store. During the investigation it also came to notice that no relevant documents related to the material being removed and kept in the store were found available with the unit in-charge such as Receipt voucher, Issue voucher, copy of order of competent authority for keeping material in the store, copy of the work order under which the electrical equipment was being removed from the Divisional Office premise.

The concerned staff has been taken up under D&AR action.

## केस अध्ययन

✍ **प्रमोद यादव**
मुसतानि / भंडार

### 1. पूर्व मध्य रेल में स्थित व०अनु०अभि० / रेल पथ के द्वारा स्क्रैप सामग्रियों के रखरखाव में अनियमितता :–

(i) भंडार संहिता के पैरा 3201 के अनुसार Materials-at-site का भंडार सत्यापन प्रत्येक वर्ष की जानी चाहिए परन्तु ऐसा किया हुआ किसी भी इकाई में नहीं पाया गया।

(ii) इंजीनियरिंग कोड के पैरा 1414 के अनुसार स्क्रैप सामग्रियों के रखरखाव हेतु लेजर का प्रयोग किया जाना चाहिए, परन्तु कुछ इकाइयों में लेजर का प्रयोग नहीं किया हुआ पाया गया।

(iii) सामग्री के प्राप्ति एवं निर्गमन हेतु Engineering Code Para 1416 में निहित प्रावधान के अनुरूप Material Account Note Book का प्रयोग किया जाना चाहिए। परन्तु उसके स्थान पर कुछ इकाइयों में P.Way Book का प्रयोग किया हुआ पाया गया एवं कुछ इकाइयों में सामान्य रजिस्टर का प्रयोग किया हुआ पाया गया।

(iv) इंजीनियरिंग कोड के पैरा 1417 के अनुसार खंड अभियंता के द्वारा मासिक रिटर्न प्रत्येक माह दिया जाना चाहिए, परन्तु कुछ स्थानों पर मासिक रिटर्न 10 माह से 53 माह तक एक साथ दिया जाना पाया गया। मासिक रिटर्न समय से नहीं देने के कारण भारी मात्रा में बिना लेखाकरण की सामग्री पायी गयी।

## 2. पूर्व मध्य रेल में स्थित रेलवे अस्पतालों द्वारा गैर रेलवे रोगियों के अंतरंग चिकित्सा के क्रम में लिए जानेवाले चिकित्सा शुल्क की वसूली में अनियमितता :–

(i) रेलवे बोर्ड पत्रांकः 2012/H-1/2/9 दिनांकः 25.09.13 के तहत गैर रेलवे रोगियों के अंतरंग चिकित्सा सुविधा के लिए CGHS दर से शुल्क वसूले जाने का दिशा–निर्देश निर्गत है, परन्तु उपमंडलीय अस्पताल, "X" के द्वारा दो गैर रेलवे रोगियों को प्रदान की गई अंतरंग चिकित्सा के एवज् में लिये गये शुल्क में उपरोक्त पत्र का सुपालन नहीं किया हुआ पाया गया अर्थात् CGHS दर से शुल्क की वसूली नहीं की गयी।

(ii) पूर्व मध्य रेल में स्थित कुछ मंडल अस्पतालों के द्वारा गैर–रेलवे रोगियों की चिकित्सा शुल्क वसूली के उपरान्त रेलवे बुकिंग कार्यालय में जमा कराए जाने की कार्यवाही को अमल में लाई जाती है, जबकि कुछ मंडल अस्पतालों के द्वारा गैर रेलवे रोगियों की चिकित्सा शुल्क वसूली के उपरान्त मंडल खजांची कार्यालय में जमा कराए जाने की कार्यवाही को अमल में लाई जाती है।

(iii) सभी मंडल अस्पतालों के द्वारा रेलवे रोगियों एवं गैर–रेलवे रोगियों की रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया केन्द्रीयकृत की जा रही है। गैर रेलवे रोगियों हेतु अलग से किसी प्रकार का रजिस्टर मेन्टेन नहीं की जा रही है जिसके कारण कुल गैर रेलवे रोगियों की संख्या आसानी से ज्ञात नहीं हो पा रहा है। चूँकि मामला राजस्व से संबंधित है। अतः इसकी संख्या आसानी से ज्ञात हो सके। इस हेतु तंत्र विकसित की जानी चाहिए।

(iv) सभी मंडल रेल अस्पतालों के द्वारा यह जाहिर किया गया है कि मुख्यालय स्तर पर गैर–रेलवे रोगियों के अंतरंग चिकित्सा सुविधा के संबंध कोई दिशा–निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। अतः प्रशासनिक स्तर पर भी गैर रेलवे रोगियों की चिकित्सा शुल्क वसूली के मामले में रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुपालन के प्रति कोई विशेष निगरानी, पर्यवेक्षण या Cross Check के तंत्र को विकसित किया जाना चाहिए ताकि प्रशासनिक स्तर पर संशोधित होने वाले CGHS दर से सभी संबंधित रेलवे अस्पतालों को अवगत कराते रहने की कार्यवाही की जा सके।

## केस अध्ययन

✍ **महादेव कुमार मंडल**
मुसतानि / भंडार

### 1. पूर्व मध्य रेल में स्थित Electronic Weighbridge के रखरखाव में अनियमितता :–

(i) भंडार संहिता के पैरा 1209 के अनुसार डिपो में स्थापित Electronic Weighbridge को प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह डिपो सामग्री अधीक्षक के द्वारा टेस्ट (चेक) किया जाना चाहिए। जाँच में आए तथ्यों को Manuscript Register में अंकित किया जाना चाहिए। परन्तु अधिकाशतः स्थानों पर इसका सुपालन होना नहीं पाया गया।

(ii) रेलवे बोर्ड के पत्र सं0 2001 / आरएस(एस) / 709 / 20 दिनांक 24.09.2002 के माध्यम से भेजे गए एस0ए0जी0 कमिटि के रिपोर्ट के पैरा 37 के अनुसार Electronic Weighbridge के रखरखाव हेतु एएमसी कराया जाना चाहिए। परन्तु अधिकाशतः स्थानों पर इसका सुपालन होना नहीं पाया गया।

(iii) Electronic Weighbridge में किसी प्रकार की छेड़छाड से बचाव हेतु Junction box Lead Seal किया जाना चाहिए। परन्तु अधिकाशतः स्थानों पर Junction box Lead Seal किया हुआ नहीं पाया गया।

(iv) कुछ स्थानों पर standard test weight नहीं पाया गया। अतः उसके स्थान पर printed sticker pasted on test material paint drum को standard test weight के रूप में लिया गया जिसके कारण वजन में काफी भिन्नता पायी गयीं।

(v) Electronic Weighbridge की निगरानी हेतु कुछ स्थानों पर CCTV लगाया हुआ नहीं पाया गया।

## 2. पूर्व मध्य रेल में स्थित रेलवे मंडल अस्पताल के द्वारा आहार प्रभार बिल की वसूली में अनियमितता :–

(i) रेलवे बोर्ड के पत्रांक 98/एच/6–1/29 नई दिल्ली दिनांक 11.03.2003 (सी/338)के अनुसार रेलवे चिकित्सा विभाग के द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष पर भोजन की दरों की समीक्षा की जानी चाहिए। लेकिन पूर्व मध्य रेल के द्वारा वर्ष–2014 में पत्र सं0 उप. मुचिनि(प्रशा0)/पूमरे/हाजीपुर के पत्रांक पूमरे/मेड/भोजन प्रभार/14/1274 दिनांक 03.02.14 के द्वारा आहार प्रभार के दर की समीक्षा की गयी थी उसी के अनुरूप आहार प्रभार शुल्क की कटौती की जा रही है।

(ii) रेलवे बोर्ड के पत्र सं० 2005/एच/23/6 दिनांक 13.06.18 के अनुसार जिन कर्मियों का मूल वेतन/पेंशन/पारिवारिक पेंशन वेतन रु० 44900/– तक है वे निःशुल्क आहार के पात्र है, परन्तु कुछ मंडल रेल अस्पतालों के द्वारा वैसे कर्मी जिनका वेतन रु० 44900/– से भी कम है उससे भी आहार प्रभार बिल की कटौती किया जाना पाया गया।

(iii) कुछ मंडल रेल अस्पतालों के द्वारा कार्यरत एवं अन्य कर्मचारियों के आहार प्रभार बिल का भुगतान Cash receipt के माध्यम से नकद प्राप्त कर उसे Misc. Receipt Transit Note के द्वारा मंडल खजाँची के पास जमा कराया हुआ पाया गया जबकि कुछ मंडल अस्पतालों के द्वारा कार्यरत कर्मचारियों के आहार बिल की कटौती हेतु संबंधित बिल इकाई एवं लेखा विभाग को भेजी जाती है, लेकिन न ही संबंधित बिल इकाई से न ही लेखा विभाग से कटौती से संबंधित सूचना संबंधित रेलवे अस्पताल में पायी गयी अर्थात् आहार प्रभार बिल की वास्तविक वसूली संबंधित कर्मचारी के वेतन से हुई है अथवा नहीं, के मामले में Reconciliation, विशेष निगरानी, पर्यवेक्षण या Cross check किया जाना नहीं पाया गया।

## केस अध्ययन

# वर्णांधता से ग्रसित व्यक्ति का सुरक्षा श्रेणी ए–3 के अंतर्गत कनीय अभियंता (कार्य) के पद पर नियुक्ति का मामला :–

✍ **प्रेम कुमार**
मुसतानि / चिकित्सा

युनिट में एक निवारक जाँच के दौरान, यह पाया गया कि रंग दृष्टि दोष वाले एक कर्मचारी सुरक्षा श्रेणी ए–3 के तहत जेई (निर्माण) के रूप में काम कर रहा था। मामले की जाँच के दौरान, जेई (निर्माण) की नियुक्ति में निम्नलिखित अनियमितताएं पायी गईं–

(i) पुनः चिकित्सा परीक्षा आयोजित किए बिना, एक कर्मचारी को कार्य पर्यवेक्षक (बी–1) से जेई (कार्य) (ए–3) में पदोन्नति मिली। इस मामले में कार्य पर्यवेक्षक (बी–1) से जूनियर इंजीनियर (कार्य) ए–3 की अपेक्षित चिकित्सा श्रेणी के लिए पदोन्नति के समय कोई पुनः चिकित्सा परीक्षा आयोजित नहीं की गई थी। यह बी–1 से ए–3 तक चिकित्सा श्रेणी के उन्नयन का मामला था। इसलिए, उक्त कर्मचारी की तत्काल चिकित्सा जाँच आयोजित होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं किया गया जो आईआरएमएम 2000 के पैरा 517 और 518 (4) की शर्तों का उल्लंघन है।

(ii) सुरक्षा श्रेणी ए–3 के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के पीएमई का गैर–संचालन : जेई (कार्य) के रूप में कर्मचारी की नियुक्ति के बावजूद, उक्त कर्मचारी को सुरक्षा श्रेणी ए–3 में निरंतर पात्रता सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर जाँच करनी चाहिए थी, लेकिन सुरक्षा श्रेणी ए–3 के अंतर्गत जेई (कार्य) नियुक्ति के बाद उनके नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा एक भी आवधिक चिकित्सा परीक्षा आयोजित नहीं की गई जो आईआरएमएम 2000 के पैरा 514 और 515 का उल्लंघन है।

## Case Study

# Engagement of a colorblind fellow as JE (Works):-

✍ **Prem Kumar**
CVI/Medical

During a preventive check in the unit, it came up that an employee having color vision defect was working as JE (works) under safety category A-3. During investigation of case, following irregularities were found to be committed in engagement of JE (Works) :-

(i) Without holding re-medical examination, an employee got promotion from Work Supervisor (B-1) to JE (Works) (A-3). In this case there was no re-medical examination was conducted at the time of promotion from work supervisor ( B-1) to Junior Engineer (works) having required medical category of A-3. It was the case of upgrading of medical category from B-1 to A-3. Therefore, there should have been an immediate medical examination of the employee done but had not done which is violation of terms of Para Para 517 & 518 (4) of IRMM 2000.

(ii) Non- conduction of PMEs of employee working under safety category A-3 : Despite appointment of employee as JE (works), the above said employee would have to be periodically examined to ensure the continuous eligibility in safety category A-3 but after appointment as JE (Works) under safety category A-3, no even one Periodical Medical Examination was conducted by his controlling authority which is violation of Para 514 & 515 of IRMM 2000.

# केस अध्ययन

✍ **इमरान आज़ाद**
मुसतानि / सुरक्षा

## 1. अवकाश/LWP के नियमन में अनियमितता :–

(i) एक रे०सु०बल कर्मी जो 33 साल 05 माह 29 दिन की सेवा कर चुका था, का अंतिम वेतन रु० 39900/– था।

(ii) सेवानिवृति के समय उक्त कर्मी की छुट्टी / LWP का नियमन करते हुए LWP अवधि को (956 दिन) को घटा कर सेवाकाल 30 साल 07 माह 25 दिन तथा वेतन घटा कर रु० 35400/– कर दिया गया एवं उसी अनुसार पेंशन निर्धारित किया गया।

उक्त वेतन विसंगति के कारण कर्मचारी को किए गए रु० 231639/– Over Payment की कटौती Gratuity Bill से किया गया। जिससे स्पष्ट है कि कर्मी के छुट्टी / LWP का नियमन ससमय नहीं किया गया बल्कि सेवानिवृति के समय किया गया।

साथ ही INDIAN RAILWAY ESTABLISHMENT CODE (Vol-I) के पैरा 513 की अवहेलना कर कर्मचारी को Over Payment किया जाता रहा।

## 2. IME तथा PME के दौरान Medical Manual, Para 512 का उल्लंघन किया जाना :–

पू०म०रेल, के एक अस्पताल में सतर्कता दल द्वारा Periodical Medical Examination से संबंधित मामलों की निवारक जाँच की गई। जाँच के क्रम में पाया गया कि –

(i) एक रेलकर्मी जो **IME** के दौरान Colour Vision Problem **ISIHARA Defective** था, को **B1 and below** में **फिट** दे दिया गया जिसके आधार पर उसे Gangman/Trakman के पद पर नियुक्त कर लिया गया।

(ii) उक्त कर्मी जो कि पूर्व से ही **ISIHARA Defective** थे, को **1st PME** के क्रम में **A-3 में फिट** दे दिया गया जो कि **Medical Manual, Para 512** का उल्लंघन है।।

(iii) जबकि **2nd PME** में उक्त कर्मी की दृष्टि संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर **DMC** गठित की गई जिसमें Suffering from defective EGL and Isihara (High Deuteranopia) के रिमार्क के साथ Decategorised from medical category A-3 (Aye three) to B-1 (Bee one) but fit in B-2 (Bee two) and below" किया गया अर्थात् **DMC** का रिपोर्ट **IME** के रिपोर्ट पर प्रश्न चिन्ह है। क्योंकि High Deuteranopia, Congenital Disease है जो जन्मजात होता है जिस से स्पष्ट है कि उक्त कर्मी भर्ती के समय भी इस रोग से ग्रस्त था जिसे या तो नज़रअन्दाज़ किया गया अथवा असावधानीपूर्वक जाँच के कारण ऐसे व्यक्ति को B1 and below में **FIT** दे दिया गया जिसके आधार पर उसे Gangman/Trakman के पद पर नियुक्त कर लिया गया। यदि **IME** में सावधानी बरती गई होती तो न ऐसे कर्मी की नियुक्ति होती न ही Decategorisation की नौबत आती।

## संकेत एवं दूरसंचार, विद्युत तथा यांत्रिक

### अनुबंधों के निष्पादन के संबंध में अनियमितताएँ

✍ **एस. एस. प्रसाद**
मुसतानि (एस. एण्ड टी.)

निवारक जाँच के दौरान, कार्य अनुबंध के निष्पादन से संबंधित मामले में विसंगतियों को देखा गया है। विसंगतियां निम्नानुसार हैं :–

(i) मुख्य सिगनल के लिए नींव कास्टिंग और कंक्रीटिंग एम.बी. में दर्ज से कम पाया गया।

(ii) डी.जी. सेट कंपन मुक्त नींव जो डी.जी. को काम करने के लिए आवश्यक है, के बिना स्थापित किए गए थे।

(iii) ओ.एफ.सी. के लिए पहाड़ी क्षेत्र में निर्धारित ट्रेंचिंग का पालन नहीं किया गया था।

### अनुबंधों के निष्पादन में अनियमितताएँ

✍ **आर. ए. वर्मा**
मुसतानि (एस. एण्ड टी.)

एक निवारक जाँच के दौरान कार्य अनुबंध के निष्पादन के मामले में विसंगतियों को देखा गया है। विसंगतियां निम्न हैं :–

(i) इस अनुबंध के लिए साईट पर्यवेक्षक द्वारा कोई साईट रजिस्टर नहीं बनाया गया है।

(ii) इस अनुबंध के तहत निष्पादित मदों की स्थिति को माप पुस्तिका में नहीं दिखाया गया है।

(iii) बीस प्रतिशत जाँच करने वाले अधिकारी ने भी निष्पादित मदों की स्थिति नहीं दिखाया है कि उन्होंने जाँच कहाँ की है।

## Case Study

### S & T, Electrical, Mechanical

## Irregularities in connection of execution of contract.

✍ **S. S. Prasad**
CVI ( S & T )

During investigation of preventive check, anomalies have been observed in the case in connection of execution of works contract. The anomalies are as follows;

(i) Casting, concreting and curing of foundation for main signal found less than that of recorded in MB.

(ii) D.G. Sets were installed without vibration free foundation which is essential for reducing D.G. Set vibration & noise transmission to the surrounding structure.

(iii) Stipulated trenching in hilly area for OFC was not adhered.

***If a country is to be corruption free and become a nation of beautiful minds, I Strongly feel there are three key societal members who can make a difference. They are the father, the mother and the teacher.***

- A. P. J. Abdul Kalam

## डी.जी. सेट के संविदा में अनियमितताएँ

✍ **राजीव कुमार,**
मुसतानि (विद्युत)

**एक ई–निविदा के निवारक जाँच के दौरान निम्नलिखित अनियमितताएँ पाई गई :–**

(i) एक ई–निविदा को एक प्राक्कलन के विरुद्ध आमंत्रित किया गया है जबकि डेढ़ माह के अंतराल पर समान कार्य के लिए दूसरा ई–निविदा चार प्राक्कलन को मिलाकर आमंत्रित किया गया है।

(ii) दोनों ई–निविदा का एल.ओ.ए. एक ही तारीख को जारी किया गया।

(iii) पहले ई–निविदा दूसरे ई–निविदा की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक था।

(iv) निविदा कमिटि तथा निविदा स्वीकृत प्राधिकार के खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही करने तथा डी.जी. सेट को काम पर रखने के लिए उपयुक्त दिशा–निर्देश जारी करने की सलाह दी गई है।

## विद्युत कार्य के संविदा में अनियमितताएँ

✍ **अशोक कुमार,**
मुसतानि (विद्युत)

विभिन्न प्रकार के क्वार्टरों में विद्युत वायरिंग कार्य के निष्पादन के पहलू पर निवारक जाँच के दौरान निम्नलिखित अनियमितताएँ पाई गई :–

(i) रिकॉर्ड के अनुसार फर्म द्वारा कम संख्या में कार्य निष्पादित किया गया है। कार्य अनुसूची के अनुसार कम मात्रा में विद्युत सामग्री लगाया गया है।

(ii) फर्म को अतिरिक्त भुगतान किया गया है।

(iii) फर्म से अतिरिक्त भुगतान की वसूली करने की सलाह दी गई है।

## Case Study

# Irregularities in hiring of DG set.

✍ **Rajiv Kumar**
CVI (Elect)

During investigation of preventive check, on the aspect of scrutiny of e-tender for the work of 'hiring of DG set', the following irregularity have been observed.

(i) One e-tender was called against one estimate while another one e-tender of same nature of work was called against clubbing of four estimate at the interval of one and half month.

(ii) LOA of both e-tender was issued on same date.

(iii) One e-tender was 65% higher than another one e-tender.

(iv) It is advised to take administrative action against TC member and TAA and issue a suitable guideline for hiring of DG sets.

# Irregularities in Electrical works

✍ **Ashok Kumar**
CVI (Elect)

During investigation of preventive check on the aspect of execution of electrical work as electrical wiring of different types of quarter, following irregularities have been noticed.

(i) As per record firm has been executed the work in less nos. of quarter and less quantity of material used in quarter as per schedule of work.

(ii) Extra payment has been done to firm.

(iii) It is advised to recover excess payment from the firm.

## केस अध्ययन

# मैकेनाइज्ड तरीके से डिब्बों की साफ–सफाई के ठेके में अनियमितताएँ

✍ **अवनीश कुमार,**
मुसतानि (यांत्रिक)

पूर्व मध्य रेल द्वारा प्राथमिक अनुरक्षण ट्रेनों में विभिन्न सतर्कता जाँच के दौरान निम्नलिखित अनियमितताएँ पाई गईं :–

(i) कार्य करने के दौरान, निर्दिष्ट मशीनों की मात्रा अनुबंध समझौते के अनुसार तैनात नहीं की जाती है। डिपो में न तो मशीनों का अनुरक्षण किया जाता है और न ही स्पेयर मशीन पायी जाती है जबकि अनुबंध समझौते में इसका उल्लेख रहता है। मशीन जब खराब हो जाती है तो डिब्बों की सफाई अयांत्रिक तरीके से की जाने लगती है। अनुबंध लागू होने के शुरुआती दिनों में मशीनों से कार्य लिया जाता है परंतु जैसे–जैसे समय बीतता है यांत्रिक तरीके से सफाई का कार्य लगभग बंद हो जाता है और सफाई अयांत्रिक तरीके से की जाने लगती है। मशीनों की उपलब्धता एवं उनके खराब होने का कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं होता है।

(ii) पर्यवेक्षक ने परीक्षण चेक रजिस्टर में अगर निर्दिष्ट मशीन के अनुपयोग अनुपलब्धता की टिप्पणी की होती है तब भी संविदा के करार के अनुसार निर्धारित दंड नहीं दिया जाता है, बल्कि कम दंड दिया जाता है अथवा कोई जुर्माना नहीं लगाया जाता है।

## Case Study

# Irregularities in Mechanized Coach Cleaning Contracts.

✍ **Avanish Kumar**
CVI (Mech)

During several Preventive Vigilance checks, conducted in the Primary maintenance trains of ECR, following irregularities were observed:-

(i) The number of specified Machine as per CA not deployed for the work. Spare set of machine as detailed in CA not available or maintained in Depot. Manual cleaning of the coaches is resorted in the event of breakdown of the M/C. In the initial period of contracts machines are deployed but as the contracts progresses, the machines frequently breakdown, subsequently withdrawn and the cleaning is done manually. No record of M/C availability, working, Breakdown was available.

(ii) Despite supervisor's remarks in the test check register as non-utilization, non-availability of specified machines, either much less or no penalty has been imposed against the stipulated penalty as per CA.

(iii) संविदा की शर्त्तों से कम आदमियों की तैनाती की जाती है। तैनात आदमियों, मशीनों एवं सामग्रियों की कमी, कार्य करने के दौरान दिए गए अंकों में प्रदर्शित नहीं होती है न ही अंकों में कमी दर्शायी जाती है। इससे यह आभास होता है कि कार्य का प्राक्कलन, जरूरत से ज्यादा किया गया है या अंक को दर्शाने वाले पर्यवेक्षक अंकों की मार्किंग कार्य के अनुरूप नहीं करते हैं।

(iv) कार्य के दौरान प्राप्त सामग्री की मात्रा में कमी रहती है एवं सामग्री की गुणवत्ता संविदा की शर्तों के अनुरूप न होकर मानक गुणवत्ता से कम होती है। जाँच के दौरान एक स्थान पर मैकेनाइज्ड तरीके से सफाई के लिए जो नामित 08 केमिकल होने चाहिए थे केवल 02 ही केमिकल पाए गए जबकि सामग्री निर्गत रजिस्टर पर पर्याप्त मात्रा में 08 सामग्री निर्गत किए गए थे।

(v) एक निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि संवेदक के एक भी कर्मचारी निर्धारित वर्दी में तैनात नहीं थे। स्कोर कार्ड में अंको का उल्लेख, कार्य पर मौजूद पर्यवेक्षक द्वारा सही समय पर नहीं किया जाता है। कार्य की स्कोरिंग कार्य समाप्त होने के कई घंटे बाद की जाती है। इसके अलावा कुछ अन्य कमियां पाई गईं। जैसे – कार्य को कार्य करने की रजिस्टर में नहीं लिखना। समझौते की शर्तों के अनुसार, अभियंता रजिस्टर एवं कार्यस्थल पर निर्दिष्ट मशीनों का रजिस्टर इत्यादि का नहीं होना।

(iii) The manpower deployment are generally less than specified in the CA. This shortage of deployed manpower ,machine, material is not getting reflected in scoring of the work by way of reduced scores. It appears either the manpower estimated for the work is on higher side or the work scoring supervisor is not properly marking the work executed in the score cards.

(iv) The material found less or of substandard quality than specified in the CA. In a check at site only 02 chemicals available out of 08 specified for mechanized cleaning despite material issue register at contractor store shown all 08 materials are issued.

(v) In a check it is found that none of the labors of the contractor found in the specified uniform at site. Scoring /penalty are not filled by on duty supervisor's in score card on real time basis. Scoring is being done hours after the actual activity performed. Further some others shortcomings includes not maintaining of work diary register, Engineer's instruction register and site register for machines as specified in CA.

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– **08/2018**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर/विज/सिस्टम इम्प्रूवमेंट/50 **दिनांक 03.12.2018**

**प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी,**
**पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर।**

**विषय** : CMP अनुबंधन में प्रणाली सुधार।

एक मामले की जाँच के दौरान यह नोट किया गया कि पूमरे में सीएमपी का अनुबंध बिना किसी जेपीओ के की जा रही है जबकि अन्य रेलवे जैसे पमरे में इसके लिए एक जेपीओ बनाया गया है। रेलवे बोर्ड ने पत्रांक 2006/E(GR)II/11/1 दिनांक 28.02.17 एवं 06.12.17 के द्वारा पमरे के JPO के आधार पर क्षेत्रीय रेलवे को एक JPO बनाने की सलाह जारी की है।

चूँकि सीएमपी का चयन एक कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है, इसलिए सीएमपी के रिक्त पदों को भरने के लिए रेलवे बोर्ड के उपरोक्त दिशानिर्देशों के मद्देनजर पमरे के जेपीओ पर आधारित जेपीओ बनाने का सुझाव दिया जाता है जिसमें निम्नलिखित बिंदुओं को भी शामिल किया जा सकता है:

(क) जिन अभ्यर्थियों ने ऐसे संस्थानों से एमबीबीएस/पीजी/डिप्लोमा प्राप्त किया था जहाँ अंकों के स्थान पर ग्रेड प्रदान किया जाता है उन अभ्यर्थियों के चयन के लिए अपनाया गया मानदंड उचित नहीं पाया गया था। ऐसे अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंक दिये गए थे जो न्यायसंगत नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों के अंकों के मूल्यांकन के लिए (जेपीओ में) उचित मापदंड का प्रावधान होना आवश्यक है और साथ ही इसे अधिसूचना में प्रकाशित कर पारदर्शी बनाया जाना चाहिए।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 08/2018**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 03.12.18

**Principal Chief Personnel Officer,**
**East Central Railway, Hajipur**

**Sub :** System Improvement in engagement of CMPs.

During course of investigation of a case, it was noted that engagement of CMPs in ECR is being done without any JPO whereas the same in other Railways like WCR is done by forming a JPO for that. Railway Board vide L/No. 2006/E(GR)II/11/1 dated 28.02.17 & dated 06.12.17 has advised railways to form a JPO based on WCR's JPO.

Since selection of CMPs is a never ending process, formation of JPO based on WCR's JPO in view of Bd's above guidelines for filling up vacancies is suggested. While forming the JPO, following points are also suggested to keep in view for incorporation:

(i) In the previous selection, criteria for evaluation of marks of candidate who did the MBBS/PG/Diploma course from the institutes where grade is awarded in place of marks was not proper. Hence, the candidates who possessed such certificates were being awarded minimum mark which is not justified. Hence, proper criteria for evaluation of marks of such candidates should be there in the JPO and the same should be published in the notification for the sake of transparency.

(ख) साक्षात्कार के समय उम्मीदवारों के स्वप्रमाणित तस्वीरें और प्रमाणपत्रों की फोटोकॉपी स्वीकार की जानी चाहिए एवं उनसे मूल प्रमाणपत्र भी मांगे जाने चाहिए ताकि उनके साथ फोटोकॉपी का मिलान किया जा सके। फोटोग्राफ पर उम्मीदवारों के हस्ताक्षर सामने की ओर इस तरीके से लिया जाए कि इसका एक भाग आवेदन पत्र पर भी दिखाई दे। फोटोग्राफ के पीछे उम्मीदवारों के किये गए हस्ताक्षर या उनके द्वारा ब्लॉक लेटर्स में किये गए हस्ताक्षर को स्वीकर करने से भ्रष्ट आचरण को बल मिलता है। अतः इससे बचने की जरूरत है।

(ग) JPO में उम्मीदवारों के चयन के बाद उनके दस्तावेजों के सत्यापन का प्रावधान होना चाहिए। सत्यापन संबंधित दस्तावेज निर्गत प्राधिकारी के यहाँ दस्तावेजों को भेजकर किया जाना चाहिए। उम्मीदवारों का पुलिस सत्यापन भी कराया जाना चाहिए ताकि उनके द्वारा यदि पूर्व में कोई धोखाधड़ी की गई हो, तो इसका पता लगाया जा सके।

(घ) सीएमपी के उम्मीदवारों के साथ अनुबंध सीएमपी के चयन का एक अभिन्न अंग है। अनुबंध के समय रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 96/ई(जीआर) 11/09/16 दिनांक 23.02.2000 में निहित दिशानिर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए। इस दौरान दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा जारी उम्मीदवारों के चरित्र एवं antecedents प्रमाणपत्र अवश्य लिया जाना चाहिए। उम्मीदवारों के प्रमाणपत्रों से उनकी जन्मतिथि और शैक्षणिक योग्यता की जाँच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उपरोक्त प्रणाली सुधार सुझाव को प्रभावी बनाने की दिशा में कृपया यथोचित दिशानिर्देश जारी करें। जारी किए गए निर्देश की एक प्रति कृपया इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए भेजी जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

(ii) Only self attested photographs & photocopies of certificates of candidates should be accepted at the time of interview. Their original certificates should also be asked so that photocopies may be matched with them. Signature should be done by the candidates on the photograph affixed on the application on its front and in a manner that a portion of the same may appear on the application form. Taking signatures of candidates on the back of photographs and acceptance of signatures in Block Letters etc allows corrupt practices and hence the same should be avoided.

(iii) Provision for verification of documents of the candidates should be there in the JPO by sending them to issuing authority at post selection stage. Even police verification should be done after engagement to detect cases of fraud if any committed by them.

(iv) Entering into contract agreement with CMPs is an integral part of the engagement. At the time of entering into contract, guidelines contained in Bd's letter No. 96/E(GR)II/9/16 dated 23.02.2000 should be adhered and there should be no compromise in taking certificates of character and antecedents from two gazetted officers from the candidates and checking their date of birth & educational qualifications from their original certificates.

In view of above, it is requested to issue guidelines in order to effect system improvement. A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 09 / 2018

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 20.12.2018

**प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर,**
**पूर्व मध्य रेल,**
**हाजीपुर।**

**विषय :** अधिकारिक ई–मेल आई.डी के साथ–साथ रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से एल.ओ.ए. जारी करने के संबंध में।

एक शिकायत के जांच के दौरान, यह देखा गया कि एल.ओ.ए. पर हस्ताक्षरित होने के एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी संबंधित फर्म को न तो ई–मेल द्वारा और न ही रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजा गया। इससे काम के निष्पादन में देरी हुई और संबंधित अधिकारी / कर्मचारी की मंशा पर सवाल उठने लगे। यह भी देखा गया है कि अधिकृत संचार व्यवस्था में आधिकारिक ई–मेल का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

इसलिए, यह अनुरोध किया जाता है कि इस संबंध में उपयुक्त दिशा–निर्देश जारी किए जा सकते हैं ताकि हस्ताक्षरित एल.ओ.ए, पी.डी.एफ. प्रारूप में आधिकारिक ई–मेल आई.डी. के माध्यम से और पंजीकृत डाक के माध्यम से जारी किए जाए और इस संबंध में इस कार्यालय को भी अवगत कराया जाय ताकि रेलवे बोर्ड को सूचित किया जा सके।

**(बी. के. सिंह)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (विद्युत)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 09/2018**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Date: 20.12.2018

**PCSTE,**
**E.C. Railway,**
**Hajipur.**

**Sub :** Issuing LOA through official E-mail ID as well as through Registered Post.

In course of investigation on a complaint, it has been observed that the signed LOA was neither sent by E-mail nor by Registered post to the concerned firm for one month over the signed date of LOA. This had caused delay in execution of work and raise questions on the intent of official. It is also observed that official E-mail is not being used in official communication.

Therefore, it is requested that the suitable instructions/guidelines in this regard may be issued for issuing LOA through official E-mail in PDF format as well as through Registered post and may be apprised to this office for further intimation to Railway Board.

**(B. K. Singh)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Elect.)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 10/2018

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर/विज/सिस्टम इम्प्रूवमेंट/50 दिनांक 20.12.2018

**प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर,**
**पूर्व मध्य रेल,**
**हाजीपुर।**

**विषय :** यू.डी.एस./पी.आर.एस. में प्रयुक्त Fare Display Repeater के विनिर्देश में एकरूपता लाने के लिए मेक, मॉडल, आकार और विशेष विवरण का निर्देश जारी करने के संबंध में।

एक शिकायत की जांच के दौरान, पूर्व मध्य रेल के अलग–अलग मंडलों से जारी पी.ओ/सी.ए. को ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद यह देखा गया कि यू.टी.एस./पी.आर.एस. में प्रयुक्त Fare Display Repeater का मेक, मॉडल, आकार और विशेष विवरण के बारे में निर्दिष्ट निर्देश/दिशा–निर्देश में या तो कमी है या समान नहीं है।

इसलिए, यह अनुरोध किया जाता है कि इस संबंध में उपयुक्त निर्देश/दिशा–निर्देश जारी किया जा सकता है।

जारी किए गए निर्देशों की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए भेजी जा सकती है।

**(बी. के. सिंह)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (विद्युत)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 10/2018**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Date: 20.12.2018

**PCSTE,**
**E.C.Railway,**
**Hajipur.**

**Sub :** Uniformity in specifying make, model, Specifications and size for "Fare Display Repeater for UTS/PRS".

In course of investigation on complaint, after perusing PO's/CA's of different Divisions over ECR, it has observed that instruction/ guidelines specified regarding make, model, Specifications and size for "Fare Display Repeater for UTS/PRS" is either lacking or not uniform.

Therefore, it is requested that the suitable instructions/guidelines in this regard may be issued.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information & record.

**(B. K. Singh)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Elect.)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 01 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 03.01.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**
**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / नि0 / दक्षिण एवं उत्तर**
**पूर्व मध्य रेल, महेन्द्रूघाट, पटना।**

**विषय :** स्वीकृत ड्राइंग के अनुसार निर्माण–कार्य का निष्पादन तथा कार्य–निष्पादन से पूर्व स्वीकृत ड्राइंग में परिवर्तन के अनुमोदन के संबंध में प्रणाली–सुधार ।

*****

सतर्कता विभाग द्वारा एक पुल को जैकेटिंग द्वारा सुदृढ़ करने के संबंध में निवारक जाँच के दौरान यह देखा गया है कि फील्ड कर्मचारियों ने स्वीकृत ड्राइंग का अनुसरण नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप किये गये कार्य में भिन्नता पायी गई। कार्य को स्थल आदेश–पुस्तिका में खींचे गए रेखाचित्र के आधार पर निष्पादित किया गया, न कि उपलब्ध स्वीकृत ड्राइंग के अनुसार अर्थात् स्वीकृत ड्राइंग में किये गये परिवर्तनों के पूर्व अनुमोदन लिए बगैर। कार्य–क्षेत्र भी बिना पूर्व अनुमोदन के संशोधित किया गया था। इस संदर्भ में जब सतर्कता विभाग द्वारा मामले को उठाया गया, तो बाद में स्वीकृत ड्राइंग में परिवर्तन की प्रक्रिया की गई और सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसे अनुमोदित कराया गया।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 01/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 03.01.2019

**Principal Chief Engineer**
**E.C.Railway, Hajipur.**
**Chief Administrative Officer/Con/South & North**
**E.C. Railway, Mahendrughat, Patna.**

**Sub :** System improvement regarding execution of works as per approved drawing and approval of alteration in approved drawing before execution of work.

*****

During Preventive check by Vigilance department in one of the bridge in which strengthening of bridge was being done by jacketing, it has been seen that field officials did not follow the approved drawings resulting in deviations. The work was executed on the basis of sketch drawn in the site order book and not as per available approved drawing i.e. without prior approval of alterations in approved drawing. Scope of work was also modified without prior approval. In this context when the matter was raised by vigilance department, later alteration was processed in approved drawing and got approved by competent authority.

अतएव, उपर्युक्त को देखते हुए यह अनुरोध है कि कृपया इस संबंध में केवल स्वीकृत ड्राइंग के आधार पर कार्य–निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए फील्ड इकाइयों को उपयुक्त निर्देश जारी किया जाए और किसी अंतर के होने पर स्वीकृत ड्राइंग में परिवर्तनों के संबंध में अनुमोदन सक्षम प्राधिकारी से कार्य–निष्पादन के पूर्व प्राप्त किया जाए। इसे सभी संबंधित वरिष्ठ मंडल इंजीनियरों/उप मुख्य इंजीनियरों (नि०) द्वारा अवश्य सुनिश्चित कराया जाना चाहिए। इसके अलावा, ड्राइंग तैयार करने के लिए केवल वास्तविक स्थल–ब्यौरे पर आधारित फील्ड आकड़ों के संग्रहित करने पर पर्याप्त बल दिया जाना चाहिए और तदनुसार ड्राइंग तैयार किये जाने चाहिए ताकि भविष्य में परिवर्तनों से बचा जा सके। ड्राइंग के निर्माण में भारतीय रेल कार्य मैनुअल के अध्याय IX का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक/सतर्कता**

**''सबसे अच्छा मनुष्य वह है,**
**जो अपनी प्रगति के लिए**
**सबसे अधिक श्रम करता है।''**

– सुकरात

In view of the above, therefore, it is requested that suitable instruction in this regard may kindly be issued to field units to ensure execution of the work on the basis of approved drawing only and approval of alterations in approved drawing in case of any deviation should be obtained from competent authority prior to execution of the work. This must be ensured by all Sr.DENs/Dy.CEs(Con) concerned. Further, for preparation of drawings, adequate emphasis should be laid on collection of field data based on actual site details only and drawings should be prepared to avoid alterations in future. Preparation of plans should strictly adhere to chapter IX of Indian Railway Works Manual.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**



***"Leadership is intelligence,***
***honesty, and doing***
***the right thing."***

– Julie Zeilinger



# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 02 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांकः 08.01.19

**प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक**
**पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर।**

**विषय :** ग्लोबल टेंडर के माध्यम से पीएसी वस्तुओं की खरीद में प्रणाली सुधार।

******

ग्लोबल टेंडर के माध्यम से आयातित पीएसी मदों की खरीद से संबंधित एक मामले की अनुसंधान के दौरान यह पाया गया कि पेशकश दर की उपयुक्तता पर चर्चा करते समय JAG स्तर की निविदा समिति ने अन्य रेलवे के सिर्फ LPR को ध्यान में रखा और उन अनुमानित दरों को अनदेखा किया, जिन्हें SAG स्तर के TAA ने अनुमोदित किया गया था। कुल अनुमानित मूल्य की तुलना में कुल पेशकश मूल्य लगभग 77% अधिक था। इससे यह प्रकट होता है कि अनुमानित मूल्य उचित और वास्तविक नहीं था। अवास्तविक और अनुचित आकलन निविदा की जाने वाली मात्रा को मंजूरी देने वाले अनुचित प्राधिकारी के चयन, निविदा के अनुचित मोड को अपनाए जाने आदि के कारक हैं।

इसके अलावा, उपरोक्त एनआईटी में भुगतान की शर्तों के रूप में M/s ABC से आयात के लिए अनुबंध की विशेष शर्त के अनुसार का उल्लेख किया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि उपरोक्त भुगतान की शर्त M/s ABC को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से निविदा में दिया गया था जो एक सही परिपाटी नहीं है। इसके अलावा निविदा में 'सिंगल बिड सिस्टम' एवं PAC on M/s ABC दर्शाया गया था। रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 76/RS(G)/779/55 Pt दिनांक 27.10.15 में निहित दिशानिर्देशों के

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 02/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 08.01.2019

**Principal Chief Material Manager**
**East Central Railway, Hajipur.**

**Sub :** System Improvement in procurement of PAC items through Global Tender.

******

During of investigation of a case pertaining to procurement of imported PAC item through Global Tender, it was noted that while making discussion on reasonableness of offered rates, the JAG level TC considered only LPR of other railways and ignored the estimated rates which was approved by the SAG level TAA. The total offered value was higher by approx 77% than the total estimated value. Hence, it reveals that estimation was not proper and realistic. Unrealistic & improper estimation may cause implications like selection of inappropriate authority for approving quantity to be tendered, adoption of inappropriate mode of tender etc.

Further, Payment term in the above NIT was found to be mentioned as "As per special condition of contract for M/s ABC import". It appears that the above payment term was drafted to favour M/s ABC which is not a correct practice. Moreover, bidding System was found to be stipulated as 'Single Bid System' with PAC on M/s ABC. As per Railway Board's guideline vide

अनुसार पीएसी वस्तुओं की खरीद के लिए भी यदि खरीद का अनुमानित मूल्य खुली निविदा सीमा से अधिक है तो खुली निविदा जारी की जानी चाहिए।

उपरोक्त को देखते हुए अनुमानित दरों के मूल्यांकन में पर्याप्त ध्यान देने एवं पेशकश मूल्य की उपयुक्तता सुनिश्चित करते समय इस पर पर्याप्त विचार करने एवं पीएसी वस्तुओं की खरीद हेतु यदि खरीद का अनुमानित मूल्य खुली निविदा सीमा से अधिक है तो रेलवे बोर्ड के उपरोक्त दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए खुली निविदा अपनाने के निर्देश जारी करने की सलाह दी जाती है।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति कृपया इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए भेजी जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक(सतर्कता)**



**''भ्रष्टाचार को पकड़ना बहुत कठिन काम है,**
**लेकिन मैं पूरे जोर के साथ कहता हूँ कि**
**यदि हम इस समस्या से गंभीरता और दृढ़ संकल्प के साथ**
**नहीं निकलते तो हम अपने कर्तव्यों का निर्वाह**
**करने में असफल होंगे।''**

– लाल बहादुर शास्त्री



L/No. 76/RS(G)/779/55 Pt. dated 27.10.15, advertised tender should be issued even for PAC items where estimated value of purchase is more than open tender limits.

In view of above, it is advised to effect system improvement by issuing instructions to give adequate attention in respect of assessment of estimated rates, to consider the same for price reasonability and to go for advertised tender even for PAC items where estimated value of purchase is more than open tender limits in view of Railway Board's above guideline scrupulously.

A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**



***"The Highest Education is that which does not merely give us informaton but makes our life in harmony with all existence."***

– Rabindra Nath Tagore



# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.– 03 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 08.01.2019

**प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर,**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय :** विद्युत कार्यों के निविदा को संपादन में अनियमितताएँ।

**संदर्भ :** रेलवे बोर्ड पत्रांक संख्या 2016 / वी3 / ईसी / विद्युत / 02–कम्प दिनांक 09.03.19

पावर सेवर की आपूर्ति एवं संस्थापना के एक शिकायत मामले की जांच के दौरान निम्नलिखित अनिमितताएँ प्रकाश में आई है:–

(क) अनुसूची के अनुसार पावर सेवर को आर.डी.एस.ओ. के विनिर्देश के अनुरूप आपूर्ति करना था। हालांकि, स्वीकृत पत्र / करारनामा में आर.डी.एस.ओ. के विनिर्देश संदर्भ को हटा लिया गया।

(ख) निविदा आमंत्रण के समय पावर सेवर मेक अनुसूची में विनिर्देशित था। एक फर्म द्वारा उपकरण हेतु दो अधिक मेक का प्रस्ताव किया गया जिसे निविदा कमिटि द्वारा स्वीकार किया गया था।

(ग) निविदा अनुसूची में निर्देष्ट आर.डी.एस.ओ. विनिर्देश के अनुसार सामग्री की आपूर्ति नहीं की गई थी।

इसलिए, अनुरोध है कि उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए निविदा दस्तावेज में विशिष्ट मेक का उल्लेख करने के बजाय स्पष्ट उत्पाद विनिर्देशों को शामिल करने के उपयुक्त दिशा–निर्देश जारी करें।

रेलवे बोर्ड के अनुपालन के लिए ऐसे दिशा–निर्देशों की एक प्रति इस कार्यालय को भेजी जाए।

**(बी. के. सिंह)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (विद्युत)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 03/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Date: 08.01.2019

**Principal Chief Electrical Engineer,**
**E.C. Railway, Hajipur.**

**Sub :** Irregularities in finalization of tender for Electrical works.

**Ref :** RB letter No.2016/V3/EC/Elect./02-Comp dtd. 09.03.19.

During investigation of a complaint case of a works supply and installation of power saver, following irregularities have been observed;

(i) As per schedule, power saver was to be supplied conforming to RDSO specification. In the acceptance letter/agreement, reference of RDSO specification, however was dropped.

(ii) While calling the tender, power saver make was specified in the schedule of items. One of the firms offered two more make for the equipment which was accepted by TC.

(iii) Material was not supplied as per RDSO specification specified in the tender schedule.

It is, therefore, requested to issue suitable guidelines to incorporate clear cut product specifications instead of mentioning specific make in tender document for ensuring fair competition.

A copy of such guidelines may please be sent to this office for compliance to Railway Board.

**(B. K. Singh)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Elect.)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 04 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 15.01.2019

**प्र0 मुख्य सुरक्षा आयुक्त**
**पूर्व मध्य रेल / हाजीपुर।**

**प्र0 वित्त सलाहकार**
**पूर्व मध्य रेल / हाजीपुर।**

**विषय** : Leaves/LWP के ससमय नियमन के संबंध में।

******

एक परिवाद के जाँच के क्रम में पाया गया कि परिवादी रे०सु० बल कर्मी जो 33 साल 05 माह 29 दिन की सेवा के उपरांत अंतिम वेतन के रुप में 39900 / –रु. प्राप्त कर चुका था, के सेवानिवृति के समय उसकी Leaves/LWP का नियमन करते हुए LWP अवधि (956 दिन) को घटाकर सेवा काल 30 साल 07 माह 25 दिन तथा वेतन 3990 / – रु. घटाकर 35400 / – रु. कर दिया गया एवं उसी अनुसार पेंशन निर्धारित किया गया। साथ ही उक्त वेतन विसंगति से कर्मचारी को किए गए 231639 / –रु. Over Payment की कटौती Gratuity Bill से किया गया।

उक्त से स्पष्ट है कि कर्मी के Leaves/LWP का नियमन तथा सेवानिवृत कर्मी के पेंशन का भुगतान समय से नहीं किया गया जो

परिवाद का कारण बना, साथ ही प्रशासनिक विफलता का द्योतक भी है।

उपरोक्त के आलोक में अनुरोध है कि INDIAN RAILWAY ESTABLISHMENT CODE (Vol-I) के पैरा 513 का अनुपालन करते हुए Leaves/LWP के ससमय नियमन को सुनिश्चित करने हेतु अपने स्तर से सभी संबंधित को निर्देशित करें ताकि भविष्य में इस प्रकार की विसंगति/Over Payment की पुनरावृति न हो तथा कृत कार्यवाही से इस कार्यालय को अवगत कराने की कृपा करें।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

**''मैं दृढ़ता से महसूस करता हूँ कि देश के**
**भ्रष्टाचार मुक्त होने और सुन्दर मस्तिष्कों का**
**राष्ट्र बनने के लिए तीन मुख्य सामाजिक सदस्य हैं**
**जो कि बदलाव लेकर आ सकते हैं,**
**और वे हैं... माता, पिता और शिक्षक**

– ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 05 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 16.01.2019

**प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक**
**पूमरे / हाजीपुर।**

**विषय :** परिदान अवधि की समाप्ति के उपरान्त प्राप्त दवाओं की स्वीकृति के लिए परिदान अवधि के विस्तार के संबंध में।

******

पूर्व मध्य रेल की अस्पताल इकाइयों में अप्रैल से सितंबर' 2018 की अवधि के दौरान मुख्यालय द्वारा जारी किए गए क्रयादेश से संबंधित दवाओं के परिदान अवधि की समाप्ति के उपरान्त प्राप्त सामग्री के स्वीकृति के संबंध में जाँच की गई। जाँच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि 35% दवाओं की आपूर्ति परिदान अवधि की समाप्ति के उपरांत की गई जिन्हें बिना परिदान अवधि विस्तार के ही स्वीकार कर ली गई। यह परिपाटी क्रयादेश में वर्णित शर्त के पैरा–8 का उल्लंघन है, जिसके अनुसार परिदान अवधि का विस्तार आपातकालीन स्थिति में सामग्री की आवश्यकता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा निदेशक के स्वविवेक पर किए जाने का प्रावधान है।

परिदान अवधि के भीतर आपूर्ति नहीं होने से अस्पताल में दवाओं की कमी का गंभीर संकट पैदा हो सकता है, जो न केवल दवाओं की स्थानीय खरीद को आकर्षित करता है, बल्कि इससे मरीजों के स्वास्थ्य सेवाओं पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 05/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 16.01.2019

**PCMD**

**ECR/Hajipur**

**Sub :** System improvement regarding extension of delivery period towards acceptance of drugs received after expiry of DP.

******

Checks have been conducted in respect of supply of drugs received during (April-Sept)'2018 in the hospital units of ECR in reference to purchase made by your office. From above, it transpired that 35% consignments of drug items were supplied after expiry of DP which in turn were accepted without extension of DP. The above practice was found to be violation of clause 8 of the respective POs i.e. "**Extension of Delivery Period is the sole discretion of PCMD/ECR or acceptance authority depending upon the nature of emergency and merit of the case"**.

Supply of drug items after expiry of DP may lead to crisis of these items in the hospital units which not only attracts local purchase of medicines but also causes poor health services to the railway patients.

उपरोक्त के आलोक में अनुरोध है कि परिदान अवधि के बाद आपूर्ति की गई दवाओं को स्वीकार किए जाने के बिन्दु पर एक प्रणाली सुधार लागू करने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश जारी किया जाए और यदि आवश्यक हो तो ऐसे सभी मामलों में परिदान अवधि विस्तार किया जाना सुनिश्चित किया जाए। परिदान अवधि के भीतर दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु भी आवश्यक कदम उठाए जाए।

जारी किए गए निर्देशों की एक प्रति कृपया इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए भेजी जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक(सतर्कता)**



**''लोग तुम्हारी स्तुति करें या निन्दा,**
**लक्ष्मी तुम्हारे ऊपर कृपालु हो या न हो,**
**तुम्हारा देहान्त आज हो या एक युग में,**
**तुम न्याय पथ से कभी भ्रष्ट न हो।''**

– स्वामी विवेकानन्द



In view of above, it is requested to issue necessary guidelines in order to effect System improvement regarding acceptance of receipt of drugs supplied after DP and ensure issue of extension advice in all such cases, if required. Necessary steps may also be taken to ensure to get the supply of drugs within DP.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information & record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**

***"Corruption is the enemy of development, and of good governance. It must be got rid of. Both the Government and the people at large must come together to achieve this National objective."***

– Pratibha Patil

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– **06 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 23.01.2019

**प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी**
**पूर्व मध्य रेल**
**हाजीपुर।**

**विषय :** विभिन्न चयन परीक्षाओं के मॉडल उत्तर को संरक्षित रखने के संबंध में।

******

एक सतर्कता जाँच के दौरान यह पाया गया कि इस रेलवे में ग्रुप– बी पद के एक चयन हेतु आयोजित लिखित परीक्षा का मॉडल उत्तर न तो कार्मिक विभाग और न ही संबंधित कार्यकारी विभाग के पास उपलब्ध था, जिसके कारण यह सतर्कता विभाग को जाँच कार्य के लिए सुपुर्द नहीं किया जा सका। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी आर.बी.ई. सं– 181 / 2011 में दिए गए निर्देशों के अनुसार 30% LDCE हेतु आयोजित लिखित परीक्षा के मूल्यांकित उत्तर–पुस्तिकाओं को पैनल के प्रकाशन तिथि से 03 वर्षों तक संरक्षित किया जाना चाहिए। तदनुसार, मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं के साथ ही उसके मॉडल उत्तर को भी पैनल के प्रकाशन तिथि से 03 वर्षों तक संरक्षित किया जाना चाहिए। मॉडल उत्तर की अनुपलब्धता के कारण संबंधित सतर्कता मामले में लिखित परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में अनियमितता के मुद्दे पर जाँच कार्य को पूरा नहीं किया जा सका एवं इस कारण सतर्कता कार्य प्रभावित हुआ।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 06/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated 23.01.2019

**PCPO**
**E.C Railway**
**Hajipur.**

**Sub** : Safe keeping of Model answers of different examinations.

******

During investigation of a vigilance-case, it came to notice that Model answer of a written examination held in ECR for the selection of a Gr-'B' post, was not kept safely either in the P-Branch or the executive department, due to which it could not be handed over to the vigilance department for investigation purpose. Whereas, as per the instruction issued vide RBE No-181/2011, the retention period for evaluated answer-sheets of the written examination for 30% LDCE is three years from the date of publication of panel. Accordingly, the answer-sheets as well as the Model answer of the written examination should be preserved for a period of 03 years. Due to non-availability of the Model answer, the vigilance investigation in the said case got hampered and the investigation on the aspect of irregularity in the evaluation of answer-sheets of the said written examination could not be completed.

इन परिस्थितियों में विभिन्न चयन लिखित परीक्षाओं के मॉडल उत्तर को संरक्षित रखने के लिए एक सुरक्षित प्रणाली को विकसित किये जाने की नितांत आवश्यकता है, ताकि यथाआवश्यक प्रश्न पत्रों, उत्तर पुस्तिकाओं एवं मॉडल उत्तर की उपलब्धता हो सके।

अतएव इस संबंध में प्रणाली सुधार संबंधी पत्र जारी किया जाये एवं सभी संबंधित यूनिटों को तद्नुसार आवश्यक कदम उठाने के लिए सूचित किया जाये।

कृप्या इसे **अति आवश्यक** समझा जाए।

**(ए0 के0 पाठक)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (लेखा)**
**कृते महाप्रबंधक/सतर्कता**



**''देश के प्रति निष्ठा सभी निष्ठाओं से पहले आती है,**
**और यह पूर्ण निष्ठा है क्योंकि**
**इसमें कोई अपेक्षा नहीं कर सकता कि**
**बदले में उसे क्या मिलता है।''**

– लाल बहादुर शास्त्री



**Under these circumstances, there is an urgent need to make full proof system for the safe keeping of Model answer of different written examinations so as to avoid such a situation.**

A System improvement may therefore be put in place and all units be advised to take similar action in this regard.

This may be treated as "**MOST URGENT**".

**( A. K. Pathak)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (A)**
**For General Manager/Vigilance**



***"People in their natural state are basically good.But this natural innocence, however, is corrupted by the evils of society."***

– Jean-Jacques Rousseau



# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.– 07 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 22.02.2019

**प्रमुइं, प्रमुसिदूइ, प्रमुविइं, प्रमुयांइं**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर**

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / नि0 / दक्षिण एवं उत्तर**
**पूर्व मध्य रेल, महेन्द्रूघाट, पटना।**

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / आरडब्ल्यूपी / बेला,**

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / जीएलपी / दीघा / पटना।**

**विषय :** न्यूनतम पात्रता मापदंड के रुप में असामान्य / विशेष शर्त्त जोड़ने के संबंध में प्रणाली–सुधार।

******

एक निविदा के मामले में सतर्कता विभाग द्वारा निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया है कि बिना वित्त–सहमति एवं सक्षम प्राधिकारी के पूर्व–अनुमोदन के एक असामान्य / विशेष शर्त न्यूनतम पात्रता मापदंड के भाग के रूप में जोड़ी गई थी जिससे उस विशेष निविदा में भागीदारी कम हो गई। ऐसे मामलों के लिए प्रधान विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित समान प्रकृति के कार्य की सूची से यह एक बदलाव / संशोधन था और इंजीनियरी संहिता के पैरा–1222 का उल्लंघन भी था।

उपर्युक्त को देखते हुए यह अनुरोध है कि इस संबंध में सभी फील्ड इकाइयों को उपयुक्त दिशा–निर्देश जारी किया जाए।

जारी किए गए दिशा–निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक / सतर्कता**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 07/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 22/02/2019

**PCE, PCSTE, PCEE, PCME,**
**E.C.Railway, Hajipur**

**CAO/Con/South & North**
**E.C.Railway, Mahendrughat, Patna,**

**CAO/RWP/Bela,**

**CAO/GLP/Digha/Patna.**

**Sub:** System improvement regarding introduction of unusual/ special condition as part of minimum Eligibility Criterion.

******

During Preventive check by Vigilance department in one of the tender cases, it has been found that an unusual/special condition was introduced as part of minimum Eligibility Criterion without finance concurrence & prior approval of competent authority, which restricted the participation in that particular tender. This was a deviation/ modification from the list of similar nature of work approved by PHOD for such cases and was also in violation of para 1222 of Engineering Code .

In view of the above, it is requested that suitable guidelines in this regard may kindly be issued to all field units.

A copy of guidelines issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 08 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 22.02.2019

**प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेलवे,**
**हाजीपुर।**

**विषय** : आरसीडी में एचएसडी के रखरखाव में प्रणाली सुधार।

******

आरबी के जेपीओ संख्या 2006 / fuel / 282 / 5 pt दिनांक 09.03.10 के संबंध में एक आरसीडी इकाई में निवारक जाँच के दौरान कुछ विसंगतियाँ पायी गई। भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति से बचने के लिए निम्नलिखित प्रणाली सुधार उपाय लागू किए जाने की आवश्यकता है:–

(1) भूमिगत भंडारण टैंकों की पेंटिंग पिछले पाँच वर्षों से नहीं की गई थी। जेपीओ के पैरा 33 के अनुसार इसे 5 वर्षों में एक बार सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है।

(2) कुछ डिप–स्टिक्स और डिप–टेप्स वैधता समाप्त होने के बाद भी उपयोग में लाए जा रहे थे जो सही नहीं है। इसे तत्काल प्रभाव से बदला जाना चाहिए।

(3) किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा भंडारण टैंकों में एचएसडी तेल के डीकैंटिंग का निरीक्षण जेपीओ के पैरा 27 के आलोक में दो महीने में एक बार सुनिश्चित किया जाना नहीं पाया गया। जेपीओ के उपरोक्त पैरा का अनुपालन कृपया सुनिश्चित कराया जाए।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 08/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 22.02.2019

**Principal Chief Electrical Engineer**
**East Central Railway,**
**Hajipur.**

**Sub:** System improvement in maintenance of HSD Oil at RCDs.

******

During preventive check conducted in a RCD unit with regard to RB's JPO No. 2006/fuel/282/5 pt dated 09.03.10, some anomalies were noted. In order to avoid these anomalies, following system improvement measures are required to be taken:-

(i) Painting of underground storage tanks has not been done since last five years. The same should be ensured once in 5 years as mandated vide para 3.3 of the above JPO.

(ii) Even after the expiry of validity of some dip-sticks & dip-tapes, these were still in use which is objectionable. The same should be replaced with immediate effect.

(iii) Inspection of decanting of HSD Oil in the storage tanks by any gazetted officer was not found to be done as the same (once in two months) should be ensured as mandated vide para 2.7 of the above JPO.

(4) फ्लो मीटर की लॉग बुक में, दोष की तारीख, अंशांकन की तारीख और प्रतिस्थापन की तारीख नहीं दर्शाया जा रहा था जबकि जेपीओ के पैरा 4.5 के अनुसार यह अनिवार्य है। लॉग बुक में उपरोक्त का दर्शाया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

(5) जेपीओ में निर्धारित आवृत्ति के अनुसार एचएसडी तेल का स्टॉक सत्यापन कनिष्ठ और वरिष्ठ वेतनमान अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा था, जबकि जेपीओ के पैरा 7.1 के अनुसार कनिष्ठ वेतनमान अधिकारी द्वारा इसे वर्ष में दो बार और वरिष्ठ वेतनमान अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

(6) ऐसे आरसीडी में जहाँ तेल कंपनियों द्वारा एचएसडी टैंक वैगनों से said to contain RR के माध्यम से इस स्पष्ट टिप्पणी के साथ की ''लोडिंग किसी भी रेलवे स्टाफ द्वारा नहीं देखा गया है,'' यदि आपूर्ति की जाती है तो ऐसे मामलों में डीकेटिंग के पूर्व लिए गए टैंक वैगनों की वास्तविक डीप रीडिंग के अनुसार ही एचएसडी स्वीकार किया जाना चाहिए। इस संबंध में RC के संबंधित खंड का पालन किया जाना चाहिए। रेलवे बोर्ड की RC के अनुसार यदि said to contain RR के माध्यम से तेल कंपनियों द्वारा एचएसडी टैंक वैगनों से आपूर्ति की जाती है तो कमी के लिए आपूर्तिकर्ता फर्म जिम्मेदार होगा। ऐसी स्थिति में रेलवे से डिलीवरी प्राप्त करने की तारीख से 30 दिन की अवधि समाप्त होने से पहले फर्म को नोटिस भेजना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उपरोक्त सुझाव प्रणाली सुधार के रूप में लागू किया जा सकता है। जारी किए गए निर्देशों की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए कृपया भेजी जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

(iv) In the Log book of flow meter, date of defect, date of calibration and date of replacement was not being indicated though mandated vide para 4.5 of the JPO. Hence, maintenance of same in the Log book should be ensured.

(v) Stock verification of HSD Oil was found to be not carried out by JS and SS officers as per the frequency laid down in the JPO. The same should be ensured twice in a year by JS officer & once in a year by SS officer as mandated vide para 7.1 of the JPO.

(vi) In the RCDs where HSD Oil is supplied through Tank Wagons by the oil companies against said to contain RR with clear remarks that loading had not been witnessed by any railway staff, actual dip reading of tank wagons taken before decanting should only be considered for acceptance. In this regard, relevant clause of RC may be referred for adherence. As per the prevalent Rly Bd's RC, the firm shall be responsible for shortage if rail consignments have been booked under said to contain RR. Under such situation, serving a notice to the firm before expiry of 30 days from the date of taking delivery from the railway should be ensured.

The above system improvement suggestion may be implemented scrupulously. A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.– 09 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 27.02.2019

**प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक**
**पूमरे / हाजीपुर।**

**विषय :** रेलवे अस्पताल में मरीजों के डाईट हेतु foodgrains, pulses, milk, butter, fruits and vegetables के खरीदारी के संबंध में।

******

समस्तीपुर एवं सोनपुर मंडल के रेलवे अस्पताल में मरीजों के डाईट हेतु foodgrains, pulses, milk, butter, fruits and vegetables के खरीदारी के पहलू पर निवारक जाँच के दौरान निम्न तथ्य प्रकाश में आये–

(1) मंडलों के द्वारा डाईट मदों के दरों के औचित्य पर विचार करते समय अन्य मंडलों से एल0ए0आर0 नहीं लिया जाना पाया गया। अतः अन्य मंडलों में उपलब्ध एल0ए0आर0 का संज्ञान निविदा समिति द्वारा ली जानी चाहिए जिससे प्राप्त दरों की प्रमाणिकता सिद्ध हो सके।

(2) समस्तीपुर रेल अस्पताल के द्वारा प्रतिदिन प्राप्त एवं निर्गत डाईट मदों से संबंधित मदवार लेजर मेन्टेन की जा रही थी, परन्तु सोनपुर मंडल रेल अस्पताल के द्वारा प्रतिदिन प्राप्त डाईट मदों से संबंधित मदवार लेजर नहीं पायी गयी। अतः प्रतिदिन प्राप्त एवं निर्गत डाईट मदों के लेखांकन हेतु एक समान प्रणाली विकसित की जाए एवं इसे सभी मंडलों में लागू की जाए।

(3) समस्तीपुर मंडल रेल अस्पताल के द्वारा निविदा के नियम एवं शर्त पैरा–5 के अनुसार ठेकेदार द्वारा आपूर्ति किये गये खाद्य सामग्रियों के नमूने की जाँच समय–समय पर रेलवे द्वारा कराई जायेगी। परन्तु नमूने की जाँच कराये जाने के संबंध में किसी प्रकार का दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ। जबकि सोनपुर मंडल रेल अस्पताल के निविदा में नमूने के जाँच के संबंध में कोई नियम एवं शर्त अंकित नहीं था। इस प्रकार समान मदों के निविदा हेतु अलग–अलग मंडलों के अलग–अलग नियम एवं शर्तें थीं। अतः इस हेतु मुख्यालय स्तर पर एक Standard नियम एवं शर्त बनायी जाए एवं इसे सभी मंडलों में लागू की जाए।

(4) प्रत्येक मंडल में तैनात Food Inspector को IRMM पैरा 1006(B) S.No.(g) के अनुसार रोगी को आपूर्तित डाईट के नमूने को समय–समय पर जाँच हेतु निर्देशित की जाए।

उपरोक्त तथ्यों पर समुचित कार्यवाही करते हुए इस कार्यालय को अवगत कराया जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–10 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक : 26.03.2019

**प्र0 मुख्य अभियंता,**
**प्र0 मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता,**
**प्र0 मुख्य विधुत अभियंता,**
**प्र0 मुख्य यांत्रिक अभियंता,**
**प्र0 वित सलाहकार,**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय :** क्षेत्रीय इकाइयों के द्वारा भंडार और रिकॉर्ड के रखरखाव से संबंधित प्रणाली में सुधार।

******

सतर्कता जाँच के दौरान यह देखा गया है कि क्षेत्रीय इकाइयों में भंडार रखने वाले अधीनस्थ नए और रद्दी भंडार के रखरखाव में प्राप्ति, खाता–बही और निर्गमन से सम्बंधित कार्यों में सही प्रक्रिया का पालन नहीं करते हैं। इस संबंध में, क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा भंडार को संभालने और अभिलेखों के रख–रखाव के लिए एक संयुक्त प्रक्रिया आदेश पर विभाग प्रमुखों द्वारा हस्ताक्षर किया गया है।

इस संयुक्त प्रक्रिया आदेश के प्रचलन और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सभी संबंधितों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करने हेतु अनुरोध किया जाता है।

**(नीरज अग्रवाल)**
**वरिष्ठ उप महाप्रबंधक**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 10/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 26.03.2019

**Principal Cheif Engineer**
**Principal Cheif Signal & Telecom Engineer**
**Principal Cheif Electrical Engineer**
**Principal Cheif Mechanical Engineer**
**Principal Finance Advisor**
**E.C.Railway, Hajipur.**

**Sub :** System improvement regarding handling of stores and maintenance of records thereof by field units.

******

During course of vigilance investigations, it has been observed that subordinates holding stores in the field unit do not follow correct procedures for receipt, accountal and issue of new as well as released stores. In this connection, a JPO has been signed by PHODs for handling of stores and maintenance of records thereof by field units. It is requested to issue necessary guidelines to all concerned for circulation of this JPO & quick implementation.

DA: Copy of JPO (04 page)

**(Neeraj Agrawal)**
**Sr. Deputy General Manager**

## JPO for handing of stores and maintenance of records thereof by field units.

During course of vigilance investigations, it has been observed that subordinates holding stores in field units do not follow correct procedures for receipt, accountal and issue of new as well as released stores. Records are also not maintained properly in this regard. Piecemeal instructions have been issued by divisional executives which are not uniform within the division among various departments and across the divisions.

It has been observed during investigations that in recent times stress has been laid by executive departments especially Electrical and S&T to maintain centralized stores at divisional headquarters for new materials meant for maintenance and works contract as well as released materials. There has been lack of clarify in the process of transaction of stores and maintenance of records thereto among the subordinates of centralized stores and other subordinates drawing new materials and sending released materials to the centralized stores.

The above issued has been raised with PHODs at different point of time. On some occasion, it has been intimated by executive departments that very strict accountal of stores is not kept by subordinates of make-shift stores i.e. those other than the in-charges of centralized stores. Instances of not keeping any ledger/record for transaction of stores by filed unit subordinates, non-dispatch of materials received against works contracts by the centralized stores to the concerned subordinate for years, not handing over the charge of stores on transfer and handling of stores by the new incumbent without taking charge of stores et al have been noted during vigilance investigations. These irregularities may act as contributory factors in misappropriation of railway material.

It is, therefore, necessary to adopt a uniform system for receipt, accountal and issue of stores and maintenance of record thereof for new as well as released stores. Field unit subordinates are to be advised to remain vigilant and careful in handling the stores and maintaining records properly. Areas where special attention is to be paid by the Sr. Subordinates and other related officials handling stores and the manner in which the records are to be maintained are detailed below in this article.

**1. Maintenance of DMTR –**

a. All actual receipts and issues of stores including imprest and surplus stores should, in the first instance, be entered in Material Account Note Book (ref: Engg Code Para E 1416) or Daily Material Transaction Register (DMTR).

b. Daily Material Transaction Register (DMTR) is the first hand and basic record for any transaction of stores. Each and every transition of stores must be entered in the DMTR with a Srl. No. Continuity of the Srl. No. should be maintained in the DMTR separately for "Receipt" and "Issue" side without any break.

c. A well-bound printed register as per standard format which can record transaction for a considerably long period should be used as DMTR. The format for DMTR may be as per annexure H of para 6.15.1 of Indian Railway Signal Manual – I or form E1416.

d. The first page of the DMTR should contain a certificate from the Junior Scale Officer of the controlling unit indicating the total number of pages available in it.

e. At the end of transaction of a particular day, a line should be drawn after the last entry which may happen either on the receipt side or on the issue side or on both sides. The blank space in respect of smaller number of entries of that date should be scored off. This will enable the next day's entries being started from the same level of the page of both receipt & issue side.

f. No blank space should be kept between consecutive entries in the DMTR or between the day's last entry and Stock Holder's signature. Such blank spaces are potential danger for manipulation of stores transactions at a later date. In case any blank space is left out as mentioned above by mistake, the same should be diagonally scored off.

g. The SSE/JE/Store Clerk entering the transaction in the DMTR should initial the entries with date at the end of each day. His signature/initial may be under the signature/stamp of the Sr. Subordinates.

h. There may be cases of stock-holders having stocks with one or more Supervisors at other stations. In such cases the issues to the Supervisors (or receipts from them) should be entered in the DMTR.

**2. Maintenance of Ledger –**

a. Quantity accounts showing the daily receipts, issues and balances in the format E-1414 (ref: Engg Code Para 1414) may maintained.

b. The entry from the DMTR/MA Note Book to the Ledger should be made as early as possible but not exceeding 3 days and the ledger folio reference should be indicated in the DMTR.

c. A well-bound printed register as per standard format which can record transaction for a considerably long period should be used as Ledger. The first page of the Ledger should contain a certificate from the Junior Scale Officer of the controlling unit indicating the total number of pages available in it. The next page should be used as "INDEX".

**3. Transactions of stores to make shift stores/from one unit to another unit-**

a. In respect of transactions from one unit to another unit/to make shift stores, it will be the responsible of the consignor Sr. Subordinate to issue Challans/Road Permit along with the materials issued to the consignee unit. It is necessary to have the initial of the witnessing personnel recorded in the challan to avoid any future dispute in respect of issue of the materials.

b. It will also be the responsibility of the consignor Sr. Subordinates to ensure that the challan are got verified from the Consignee unit within a reasonable period of time not exceeding 7 days. In case of challans not received as verified/accepted within this period, the material issuing authority should contact the consignee or send a special man to the consignee for getting the challan verified.

c. The consignee/indenting authority should also, in turn, in the event of materials having not been received within a reasonable time not exceeding 3 days at the receiving end, contact the issuing authority to avoid any possible wrong dispatch/misappropriation.

d. The details of verification of the challan must be indicated in the Ledger as soon as the challan are verified and received by the issuing authority.

e. At the time of monthly meeting held by the Branch Officer with Sr. Subordinates of the Division, the position unverified challans should be recorded. Similarly, for inter-division unverified challan, the reconciliation unverified challans should be done at the level of Branch Officers of concerned divisions at specific intervals.

f. Challans/Issue notes to the other stock-holders shall be made out only by the main stock-holder and not by Supervisors maintaining the line DMTRs/make shift stores.

**4. Ledger for released materials –**

a. For surplus/Released Materials, entries in MA Note Book/DMTR and in ledger should be made item wise as done for new stores after classification of the released materials. Such released/Surplus Stores should be kept distinct from imprest or any other kind of stores (ref: Engg Code Para 1413).

b. Half yearly statement of Engg Material:- Each subordinate should prepare a statement of surplus stores on half yearly basis say on 30th Sept and 31st March and submit the same to Divisional office by 5th of the following month (Ref: Engg Code Para 1425).

c. A copy of half yearly statement of surplus stores (in Form E 1425) for the entire Division should be furnished to the HQs office (ref: Engg Code Para 1427).

**5. Make shift Store/Line Stores –**

a. The Supervisors of these units shall also maintain line DMTRs and Ledger in the same manner as stated above.

b. As prescribed and convenient intervals (which should normally be not more than a fortnight), depending on the volume of the transactions, the line DMTRs should be brought to the main stock-holder and entries there from be made into the main DMTR with bye-dates.

**6. Submission of return & its check by divisional office –**

a. At the close of each month, all Sr. Subordinates holding stores should submit monthly return to the Division office through his controlling officer (say AEN) indicating the transactions during the month and the balance stock with him at the end of the month (Ref: Engg Code Para E 1417).

b. The return should bear a certificate from the subordinate concerned that no items other than those included in the statement have been received or issued during the month and balances of all items of stores not included in the statement remain the same as at the end of the previous month (ref: Engg Code Para E 1417).

c. Monthly statement received from subordinates should be checked in the Divisional office for correctness of receipts and issued (by matching with issue note in forms S.1313 or S.1319). Similarly for returned stores, the entire made in statement should be verified with Advice Note of returned stores (s.1339) called NS-11 or DS-8 (ref: Para E1418 and E1419).

**7. Material pertaining to specific works –**

a. Materials received against specific works have also to be recorded and ledger entry to be done. These material should not be entered in the ledger of any other category of stores (ref: Engg Code Para 1436). Material then obtained for a particular work or when released in connection therewith, so long as they are under the control of the authority in executive charge of that work, be deemed to be 'Material as Site' (ref: Engg Code Para E 1437).

b. Material at Site Account will be under the custody of the subordinate executing the work (Ref: Engg Code Para E 1440).

c. A daily numerical record of receipt and issue of material for material at site work should be maintained by stock holder in the Form E-1441.

d. Quarterly Material at Site Return: The supervisor who is executing the work and also functioning as stock holder shall prepare a quarterly Material at Site Return in form E-1446 and send the same to Divisional Office. This return will include only those items for which there has been any transaction (receipt/issue).

e. The quarterly MAS return sent by subordinates should be matched with previous return and checked for its correctness for receipt, issues (by matching with issue notes) and for returned stores (by matching with NS11s) as per Engg Code Para E1447.

f. Care must be taken to ensure that materials should be issued for the intended purpose for which it has been purchased. For example, material received against a particular estimate/contract should be issued against the same estimate/contract. Similarly material received for maintenance should not be issued against works contact. In emergent requirement, it can however exceptionally be allowed with the approval of Tender Accepting Authority after duly recording proper justification for the same.

**8. Inspection of Stores –**

a. In terms of Para 115 of Indian Railway Permanent Way Manual as well as para 113 of the Indian Railway Works Manual, the controlling Assistant Scale Officer should carry out inspection of each Section Engineer's office and stores at least once in a year. This inspection should cover checking of stores records vis. DMTR/Ledger, Released Materials Ledger and other store records also.

b. While checking stores, the controlling Assistant Scale Officer should pay particular attention to the imprest stores, its distribution and periodic review of requirement by divisional officer.

**9. Verification of Stock –**

a. Account Stock Verification: The Accounts stock verification should be given due importance. In case the Accounts stock verification is not done at specific intervals, the same should be brought to the notice of the Divisional Accounts Officer/FA&CAO so that the stock verification can be carried out without any further delay. Such stock verifications, in many cases, may act as a pointer for arresting excess/shortage of stores held by Sr. Subordinates.

b. Departmental Stock Verification: The Divisional Engineer should arrange that approximately 1/6$^{th}$ of the stock under each subordinate is verified every month so that all stores is verified in six months in terms of Para 1428 of the Engineering Code to ensure frequent reconciliation of balances as shown in the numerical ledgers kept by the subordinates (and as brought out in the half yearly statement) with the actual quantity in hand. This verification is in addition to the stock verification made by the Accounts Stock-verification.

**10. Handing Over & Taking Over the charge of Stores –**

Unit supervisors who acted as stock holders should be released on transfer only after the charges for stores have been handed over by him taken over by the new incumbent. The new incumbent should not be allowed to handle the stores without taking over the charge of stores.

PCSTE PCE PCEE PFA&CAO

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–11 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक : 12.03.19

**प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक**
**पूर्व मध्य रेल**
**हाजीपुर।**

**विषय** : दवा मदों की स्थानीय खरीद में प्रणाली सुधार।

******

दवा मदों की स्थानीय खरीद के पहलू पर संभागीय अस्पताल में की गई निवारक जाँच के दौरान कई विसंगतियाँ पायी गईं। इनकी भविष्य में पुनरावृत्ति से बचने के लिए निम्नलिखित प्रणाली सुधार उपाय लागू किए जाने की आवश्यकता है :–

(क) मदों की अनुमानित दरें एवं कुल मूल्य स्थानीय खरीद के प्रस्तावों में अनिवार्य रूप से उल्लेखित होना चाहिए जिससे दवाओं के क्रय हेतु सक्षम अधिकारी को नामित किया जा सके और इसकी तुलना निविदा के दौरान फर्मों द्वारा दिये गए प्रस्तावित दरों के साथ की जा सके।

(ख) अंतिम सफल आपूर्तिकर्ता को स्थानीय क्रय निविदाओं में संभावित स्रोत के रूप में ध्यान में रखा जाना चाहिए।

(ग) स्थानीय क्रय निविदाओं में सभी अनुमोदित फर्मों को निविदा प्रपत्रों की सुपुर्दगी होना सुनिश्चित की जानी चाहिए। फर्मों के बीच निविदा प्रपत्रों का वितरण इस तरह से सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी फर्म यह न जान सके कि निविदा प्रपत्र किस दूसरे फर्म को भी दिया गया है ताकि निविदा में कार्टेल गठन की संभावना न रहे।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 11/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 12.03.19

**Principal Chief Medical Director,**
**East Central Railway**
**Hajipur.**

**Sub-** System improvement in local purchase of drug items.

******

During preventive check conducted in a divisional hospital on the aspect of local purchase of drug items, some anomalies were noted. In order to avoid these anomalies, following system improvement measures are considered suggestive:-

(a) Estimated rate & value of items to be procured should necessarily be furnished in the proposals for local purchases to ensure competency as well as comparing the same with offered rates.

(b) Last successful supplier should be considered as likely source in all LP tenders.

(c) Delivery of tender papers to all approved firms in the LP tender should be ensured. The delivery should be made in a manner that these firms may not be conversant with each other so that prospect of cartel formation may be avoided.

(घ) स्थानीय क्रय के दौरान पिछला स्वीकृत दर, यदि उपलब्ध हो तो, अनिवार्य रूप से विचार किया जाना चाहिए। अन्यथा, निकटवर्ती रेलवे इकाई द्वारा हाल ही में स्वीकृत दर/बाजार दर पर भी क्रय के दौरान विचार किया जा सकता है।

(ड) प्रस्तावों की स्वीकृति से पहले, उनकी तकनीकी उपयुक्तता एवं प्रस्तावित दरों की तार्किकता पर विशेष अस्पताल दर, यदि कोई हो, का उल्लेख करते हुए विशिष्ट टिप्पणी प्रस्तुत की जानी चाहिए।

(च) विलंबित आपूर्ति की स्थिति में दंड एवं क्षतिपूर्ति का प्रावधान क्रयादेश में होना चाहिए।

(छ) सुपुर्दगी की अंतिम तिथि का उल्लेख क्रयादेश में अवश्य की जानी चाहिए चाहे वह स्थानीय क्रय ही क्यों न हो।

उपरोक्त सुझाव प्रणाली सुधार के रूप में लागू किया जा सकता है। जारी किए गए निर्देशों की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए भेजी जा सकती है।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**



**''अपने आदर्श को पाने के लिए**

**सैकड़ों बार असफल होने पर भी**

**आगे बढ़ो।''**

– स्वामी विवेकानन्द



(d) LAR should necessarily be considered during LP, if available. Otherwise, recent accepted rate of adjacent railway unit/market rate may be referred.

(e) Before acceptance of offers, specific remark on technical suitability and price reasonability deliberating special hospital rate, if any, should be furnished.

(f) Provision of penalty/damages should be incorporated in the PO in the event of delayed supply.

(g) Last date of delivery period should invariably be stipulated in the POs whether in LPs or others.

The above system improvement suggestion may be implemented scrupulously. A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**



***"Speak with honesty,***

***think with sincerity,***

***and act with integrity."***

– Anonymous



# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–12 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांकः 20.03.19

**सभी विभागाध्यक्ष**
**पूर्व मध्य रेल**
**हाजीपुर ।**

**विषय** : मंडल स्तर पर भंडार की खरीद में प्रणाली सुधार।

******

मंडल स्तर पर भंडार की खरीद के पहलू पर निवारक जाँच के दौरान कुछ विसंगतियों को नोट किया गया। इन विसंगतियों से बचने के लिए, निम्नलिखित प्रणाली सुधार उपाय सुझाए गए हैंः–

(क) Consignee क्रयादेश के अंतर्गत आपूर्ति मदों का निरीक्षण करते समय प्रत्येक पैरामीटर पर अपने अवलोकन रिकॉर्ड नहीं करते। यह परिपाटी पारदर्शी नहीं है। कृपया अपने अधीन सभी निरीक्षण प्राधिकारियों को यह निर्देश दिया जाय कि मदों का निरीक्षण करते समय प्रत्येक पैरामीटर पर अपने अवलोकन अवश्य रिकॉर्ड करें और उन्हें भविष्य के संदर्भों के लिए संरक्षित रखें।

(ख) कुछ मामलों में ब्रांडेड वस्तुओं का क्रयादेश उन फर्मों को दिया जाना पाया गया जो न तो OEM थे और न ही अधिकृत डीलर। इन वस्तुओं की खरीद पर संबंधित क्रय अधिकारियों द्वारा उचित ध्यान दिया जाना चाहिए।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 12/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 20.03.19

**All PHODs**
**East Central Railway,**
**Hajipur**

**Sub :** System improvement in procurement of stores at divisional level.

******

During preventive check conducted in procurement of stores at divisional level, some anomalies were noted. In order to avoid these anomalies, following system improvement measures are suggested:&

(i) Consignees, while conducting inspection of stores supplied against POs, do not record parameter wise observations. This practice is not transparent. Hence, all inspecting authority under your control may be instructed to record parameter wise observations in the Inspection Note and kept them preserved for future references.

(ii) In some cases, ordering for procurement of branded items is found to be done on firms who are neither OEMs nor authorized dealers. Adequate safeguard should be taken by concerned purchase officers in this regard.

(ग) एक क्रयादेश में आपूर्ति की जाने वाली मद के निर्माता का नाम "मांग के अनुसार" दर्शाया गया था। यह एक अस्पष्ट शर्त्त है क्योंकि यह consignee को हेरफेर करने की गुंजाइश प्रदान करता है। स्वस्थ खरीद प्रणाली के लिए यह एक अच्छी परिपाटी नहीं है। सभी खरीद अधिकारियों को निर्देश दिया जाना चाहिए कि ऐसे अस्पष्ट शर्त्तों से परहेज करें और क्रयादेश में स्पष्ट और विशिष्ट विवरण का उल्लेख करें।

(घ) कुछ मामलों में 5 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाले मदों की खरीद के लिए क्रयादेश में निरीक्षण शर्त को RITES/RDSO के स्थान पर "consignee द्वारा" दर्शाया गया जो रेलवे बोर्ड के पत्रांक 2000/RS(G)/379/2 दिनांक 06.09.17 के दिशा निर्देशों का उल्लंघन है। सभी खरीद अधिकारियों को निर्देश जाना चाहिए कि वे क्रयादेश में निरीक्षण शर्त दर्शाते समय रेलवे बोर्ड के उपरोक्त दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

उपरोक्त सुझाव प्रणाली सुधार के रूप में लागू किया जा सकता है। जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए कृपया भेजी जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

(iii) In one PO, maker's name of stores to be supplied was stipulated as "as per demand". This is a vague term as it provides scope to consignee to manipulate. This practice is not good for a healthy procurement system. All Purchase Officers should be instructed to avoid such term and to furnish clear & specific description in POs.

(iv) In some cases, inspection term in the POs for procurement of stores valuing above Rs. 5 lakh is found to be stipulated as "by consignee" in place of third party i.e. RITES/RDSO which is violation of Rly Bd's guidelines vide L/No. 2000/RS(G)/379/2 dated 06.09.17. All Purchase Officers should be instructed for strict adherence of Rly Bd's above guidelines in respect of the inspection term.

The above system improvement suggestion may be implemented scrupulously. A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy.Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–13 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 28.03.2019

**प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक**
**पूर्व मध्य रेल**
**हाजीपुर।**

**विषय** : पूमरे के अधिकारियों के पक्ष में सैलून की बुकिंग एवं इतर रेलवे में ड्यूटी के संबंध में ।

******

मुख्यालय के परिचालन विभाग में एक निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि कुछ कर्मचारियों को इतर रेलवे में ड्यूटी की बुकिंग का अनुमोदन कनिष्ठ वेतनमान अधिकारी के द्वारा किया गया था, जो कि शक्तियों की अनुसूची के स्थापना (अराज.) मामले के अनुच्छेद 16 में दिये गये निर्देशों के विरुद्ध है। शक्तियों की अनुसूची के स्थापना (अराज.) मामले के अनुच्छेद 16 के अनुसार किसी भी कर्मचारी को अपने रेलवे से बाहर की ड्यूटी की बुकिंग को अनुमोदित करने का अधिकार कनिष्ठ प्रशासनिक वेतनमान ग्रेड या इससे ऊपर के अधिकारी को दिया गया है और कनिष्ठ / वरिष्ठ वेतनमान के अधिकारी को अपने अधीनस्थ किसी भी कर्मचारी को, अपने रेल से बाहर ड्यूटी पर जाने के लिए, प्राधिकृत करने का कोई अधिकार नहीं दिया गया है।

यह भी पाया गया है कि एक मामले में किसी अधिकारी के पक्ष में इतर रेलवे स्टेशन तक के लिए सैलून की बुकिंग की गई थी जोकि उस अधिकारी के अनुमोदित दौरा कार्यक्रम से मेल नहीं खाता है। यह भी पाया गया कि सैलून की बुकिंग के लिए परिचालन विभाग के किसी राजपत्रित अधिकारी का अनुमोदन नहीं लिया गया है ।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 13/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated 28.03.2019

**PCOM**
**East Central Railway**
**Hajipur**

**Sub :** Booking of saloon in favour of officers of ECR and booking of outstation foreign Rly. duty.

******

During a preventive check conducted in the operating department at HQ, it has been noticed that in some of the cases, booking of outstation foreign Rly. duty of the employees of operating department at HQ has been approved by Jr. Scale officer, which is against the instruction issued vide Para 16 of SOP on Establishment Matters (Non-Gaz). As per Para 16 of SOP on Establishment Matters (Non-Gaz), powers have been delegated to JAG or above for booking of any Rly. servant outside the Railway and no powers have been delegated to Jr. Scale/ Sr.Scale officers for authorizing any Rly. servant subordinate to him to proceed on duty to any station outside his own railway.

It has also been found in one case that movement of saloon to a foreign Railway station did not match with the movement programme of the officer for whom the saloon was booked. It has also been noticed that booking of saloon was not counter-signed by any gazetted officer of operating department.

उपरोक्त के आलोक में यह सलाह दी जाती है कि किसी भी अधिकारी के पक्ष में सैलून की बुकिंग के लिए परिचालन विभाग के राजपत्रित अधिकारी का अनुमोदन लिया जाना चाहिए ताकि संबंधित अधिकारी के अनुमोदित दौरा कार्यक्रम के अनुसार सैलून की बुकिंग को सुनिश्चित किया जा सके। शक्तियों की अनुसूची के स्थापना (अराज.) मामले के अनुच्देछ 16 में दिये गये निर्देशों से सभी संबंधित यूनिटों को अवगत कराया जाना चाहिये ताकि इन निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जा सके। इस संबंध में उठाये गये कदमों से भी इस कार्यालय को अवगत कराया जाए ।

कृप्या इसे **अति आवश्यक** समझें ।

**(ए0 के0 पाठक)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (लेखा)**
**कृते महाप्रबंधक/सतर्कता**



**''मद मनुष्य की वो स्थिति या दिशा है,**
**जिसमें वह अपने 'मूल कर्त्तव्यों' से**
**भटक कर 'विनाश' की ओर**
**चला जाता है।''**

– स्वामी दयानन्द सरस्वती



In view of the above, it is advised that booking of saloon should be counter-signed by a gazetted officer of operating department to ensure that booking of saloon is as per the approved tour programme of the concerned officer. The instruction issued vide Para 16 of SOP on Establishment Matters may also be re-iterated to all concerned for its strict compliance while booking of outstation duty. Action taken in this regard may also be intimated to this office.

This may be treated as "**MOST URGENT**".

**( A. K. Pathak)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (A)**
**For General Manager/Vigilance**



***"To confront criminals,***
***we need to finish with corruption.***
***If we don't do this,***
***there is no hope."***

– Andress Manuel Lopez Obrador



# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–14 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 29.03.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय** :रेल–पथ कार्य–निष्पादन के दौरान तैयार की गई कार्य पंजिकाओं (लॉगबुक) के समुचित अनुरक्षण एवं अद्यतन करने तथा विशिष्टियों के अनुसार सही क्रम सुनिश्चित करते हुए रेलपथ कार्य के निष्पादन के संबंध में प्रणाली–सुधार।

******

रेलपथ कार्यस्थल पर सतर्कता संगठन द्वारा किए गए निवारक जाँच के दौरान यह देखा गया है कि फील्ड कर्मचारी सही तरीके से कार्य पंजिकाओं (लॉगबुक) / अभिलेख में कार्य–प्रगति को दर्ज नहीं कर रहे हैं और उन्हें अद्यतन भी नहीं रख रहे हैं। इसके अलावा, विशिष्टियों के अनुसार कार्यकलापों के सही क्रम को सुनिश्चित करते हुए कार्यों का निष्पादन भी नहीं किया जा रहा है।

अतएव, अनुरोध है कि रेल पथ निर्माण कार्य के निष्पादन हेतु कार्य पंजिकाओं (लॉगबुक) के समुचित अनुरक्षण एवं देख–रेख सुनिश्चित करने तथा विशिष्टियों के अनुसार कार्यकलापों के सही क्रम को सुनिश्चित करते हुए कार्य–निष्पादन करने हेतु कृपया फील्ड इकाइयों को इस संबंध में उपयुक्त निर्देश जारी किया जाए।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक / सतर्कता**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 14/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 29.03.2019

**Principal Chief Engineer,**
**E.C.Railway,**
**Hajipur.**

**Sub** : System improvement regarding proper maintenance & up keep of log books prepared during execution of permanent way work and for execution of P. Way work as per specification, ensuring proper sequence.

*******

During course of vigilance investigation in case of preventive check done at a P. way work site, it has been observed that field officials are not maintaining the progress of work in log book/ records in a proper way and also, not keeping them up dated. Futher, execution of works is also not being done as per specification, ensuring proper sequence of activities.

Therefore, it is requested that suitable instruction in this regard may kindly be issued to field units for ensuring proper maintenance & up keep of log books/records for executing permanent way works and for executing the work as per specification ensuring proper sequence of activities.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy.Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–15 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 03.04.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय :** सकल सिविल संविदा टर्नओवर प्रमाण पत्रों के संबंध में प्रणाली–सुधार।

एक निविदा मामले की जाँच के दौरान यह देखा गया है कि पूर्व मध्य रेल के एक मंडल में 03 माह की समय अवधि में संबंधित सेक्शन के मंडल इंजीनियर / वरिष्ठ मंडल इंजीनियर द्वारा एक ही फर्म के लिए समान वित्त वर्ष के लिए सकल सिविल संविदा टर्नओवर के संबंध में दो विभिन्न प्रमाण पत्र जारी किए गए थे। दोनों प्रमाण पत्रों में विभिन्न वर्षवार रकम दिखाए गए थे। यह पाया गया कि विशिष्ट निविदा मामले में पात्रता मापदंड के लिए निविदादाता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों पर आधारित ये सकल सिविल संविदा टर्नओवर प्रमाण पत्र तैयार किए गए थे, न कि मंडल में उपलब्ध अभिलेख के आधार पर।

अतएव, अनुरोध है कि सकल सिविल संविदा टर्नओवर प्रमाण पत्रों को जारी करने के संबंध में उपयुक्त निर्देश जारी किए जाएँ।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाएँ।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक / सतर्कता**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 15/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 03.04.2019

**Principal Chief Engineer,**
**E.C.Railway,**
**Hajipur.**

**Sub** : System improvement regarding issue of Gross Civil Contractual Turnover Certificates.

*****

During the investigation of a tender case, it has been observed that two different certificates regarding Gross Civil Contractual Turnover for same financial years for the same firm were issued by concerned sectional DEN/Sr DEN within a time span of 3 months in one of the division of E C Railway. In both certificates, different year wise amounts were shown. It was found that these Gross Civil Contractual Turnover certificates were prepared based on the documents submitted by the tenderer against eligibility criterion in specific tender case and not on the basis of the record available with Division.

Therefore, it is requested that suitable instruction regarding issue of Gross Civil Contractual Turnover certificates may kindly be issued.

A copy of instruction issued may kindly be sent to this office for information and record please.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–16 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 29.04.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / नि0 / दक्षिण एवं उत्तर**
**पूर्व मध्य रेल, महेन्द्रूघाट, पटना।**

**विषय :** पेवर ब्लॉकों एवं चेकर्ड टाइलों पर अंकन / मार्किंग के संबंध में प्रणाली–सुधार।

एक स्टेशन पर सतर्कता विभाग द्वारा की गई निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि स्टेशन के परिचालन क्षेत्र में तथा प्लेटफार्म पर लगाए गए पेवर ब्लॉकों एवं चेकर्ड टाइल्स पर कोई अंकन नहीं किया गया है। उपर्युक्त को देखते हुए यह अनुरोध है कि कृपया इस संबंध में सभी फील्ड इकाइयों को यह सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त निर्देश जारी किया जाए कि नीचे दिए गए खण्डों / विशिष्टियों के अनुसार पेवर ब्लॉकों एवं चेकर्ड टाइलों पर समुचित अंकन सुनिश्चित की जाए।

(1) चेकर्ड टाइल्स – कार्य एवं सामग्री – 2010 के लिए एकीकृत मानक विशिष्टियों के अध्याय–9 के मद 9.12 का खण्ड–12

(2) पेवर ब्लॉक – आईएस 15658:2006 का खण्ड 10

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक / सतर्कता**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 16/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 29.04.2019

**Principal Chief Engineer,**
**E.C.Railway, Hajipur.**

**Chief Administrative Officer/Con/South & North,**
**E.C.Railway, Mahendrughat, Patna.**

**Sub** : System improvement regarding marking of Paver Blocks & Chequered Tiles.

*****

During a preventive check conducted by Vigilance department in one of the stations, it was found that marking has not been done completely for the paver blocks & chequered tiles provided in Circulating area and on platform. In view of the above, it is requested that suitable instruction in this regard may kindly be issued to all field units to ensure that proper marking of Paver Blocks & Chequered Tiles is ensured in accordance to the clauses/specifications given below:

**(1) Chequered Tiles** - Clause 12 of item 9.12 of chapter-9 of Unified standard specifications for works & materials-2010

**(2) Paver Blocks** - Clause 10 of IS 15658:2006

A copy of instruction issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–17 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 02.05.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / नि0 / दक्षिण एवं उत्तर**
**पूर्व मध्य रेल, महेन्द्रूघाट, पटना।**

**विषय :** स्वीकृत नक्शा के अनुसार निविदा अनुसूची तैयार करना एवं परीक्षण अभिलेख के उचित रख–रखाव के संबंध में प्रणाली–सुधार।

******

सीमित ऊँचाई के 1 x 5.00 मी. स्पैन सेग्मेन्टल बॉक्स, जिसमें प्रीकास्ट सेग्मेन्टल बॉक्स एवं प्रीकास्ट स्लैब दोनों स्थल पर ढाले गए थे, निर्मित कर मानवरहित समपार को समाप्त कर देने के लिए किये जा रहे निर्माण–कार्य की सतर्कता विभाग द्वारा की गई निवारक जाँच के दौरान यह पाया गया कि अनुमोदित जीएडी के अनुसार क्रमशः बॉक्स, आरसीसी रिटेनिंग (पुरता) दीवार व एप्रोच स्लैब तथा वियरिंग कोर्स आरसीसी बेस स्लैब के लिए एम–35 (नियंत्रित), एम–30 तथा एम–25 ग्रेड के कंक्रीट का इस्तेमाल किया जाना था। लेकिन इसके लिए कार्य–अनुसूची में आवश्यक मदों को उपलब्ध नहीं कराया गया था। इस तरह की घटना से बचने के लिए निविदा अनुसूची में मदों को स्वीकृत नक्शा के अनुसार तैयार किया जाना चाहिए। कक्रीट की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए किए गए क्यूब परीक्षण के आवश्यक अभिलेख भी जाँच के दौरान गायब पाए गए।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 17/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 02.05.2019

**Principal Chief Engineer,**
**E.C.Railway, Hajipur.**

**CAO (South & North)**
**E.C.Railway, Mahendrughat, Patna.**

**Sub**:- System improvement regarding preparation of tender schedule according to approved drawing & proper maintenance of testing records.

******

During Preventive check conducted by Vigilance department in one of the works for elimination of Unmanned L-Xing by providing Limited Height Subway (1x 5.00m span segmental box) in which both precast segmental box & precast slab were casted at site, it was found that Grade of concrete, M-35 (controlled), M-30 and M-25 was to be used for construction of box, R.C.C retaining wall & approach slab and wearing course & R.C.C base slab respectively as per approved GAD. But for this, necessary items in schedule of work were not provided. The items in tender schedule should be prepared according to approved drawing to avoid such occurrence. Also, necessary records of cube testing done to ensure quality of Concrete were found missing during the check.

उपर्युक्त को देखते हुए यह अनुरोध है कि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति से बचने के लिए निविदा अनुसूची को स्वीकृत नक्शा के अनुसार तैयार करने के संबंध में फील्ड इकाइयों को उपयुक्त निर्देश जारी किया जाए। निर्माण कार्य के गुणवत्ता नियंत्रण हेतु आवश्यक परीक्षण किए जाने तथा उन अभिलेखों को समुचित रूप से सुरक्षित करने के लिए उन्हें निर्देश भी दिया जाए।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक/सतर्कता**



**''पुस्तकें वे साधन हैं जिनके माध्यम से**
**हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच**
**पुल का निर्माण कर सकते हैं।''**

– सर्वपल्ली राधा कृष्णन



In view of the above, it is requested that suitable instruction in this regard may kindly be issued to field units to prepare the tender schedule according to approved drawing for avoiding recurrence of such incidence in future. Also, they may be advised to ensure carrying out necessary tests for quality control of works being executed and to maintain those records properly.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**



***"Honesty is the fastest way to prevent a mistake from turning into a failure."***

– James Altucher



# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–18 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 **दिनांकः 08.05.19**

**प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय** : दवाओं की खरीद और आपूर्ति में प्रणाली सुधार।

******

1.0: मुख्यालय स्तर पर दवाओं की खरीद के एक मामले की जाँच के दौरान यह नोट किया गया कि IREPS पर ई–टेंडर जारी करना चलन में तो था लेकिन ऑनलाइन क्रयादेश जारी करने की प्रथा शुरू नहीं की गई थी और यह ऑफलाइन जारी किया जा रहा था जबकि iMMS के माध्यम से IREPS पोर्टल पर ऑनलाइन क्रयादेश जारी करने का प्रावधान है। अन्य रेलवे जैसे NWR में, ऑनलाइन क्रयादेश जारी करने की प्रथा पहले से ही चलन में है। चूँकि मैनुअल क्रयादेश, रेलवे बोर्ड की अनुबंध को शुरु से अंत तक डिजिटलीकरण करने की परिकल्पना के उद्देश्य को समाप्त करता है, इसलिए मैनुअल क्रयादेश के स्थान पर ऑनलाइन क्रयादेश जारी करने हेतु iMMS प्रणाली अपनाने का सुझाव दिया जाता है।

2.0: यह भी नोट किया गया है कि PCMD/HJP कार्यालय द्वारा दवा की आपूर्ति के लिए क्रयादेश निर्माताओं / विपणन फर्मों को आपूर्तिकर्त्ता के नाम एवं पते का उल्लेख करते हुए जारी किए जाते हैं। संबंधित अस्पताल इकाइयों में इन्हीं आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दवा की आपूर्ति की जाती है। बाद में ये आपूर्तिकर्ता, बिना निर्माताओं /

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 18/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 08.05.19

**Principal Chief Medical Director**
**East Central Railway**
**Hajipur .**

**Sub:** System improvement in procurement and supply of drugs.

******

**1.0**:It was noted during investigation of a case pertaining to procurement of drugs at HQ level that practice for issuance of e-tenders on IREPS was prevailing but non-issuance of online POs was observed. POs were found to be issued offline though there is provision for online POs on IREPS portal through iMMS. In other railways like NWR, the same is placed online. Since manual PO defeats the purpose of end to end digitalization of contract as envisaged by RB, hence in place of existing practice of issuance of manual POs, it is suggested to adopt iMMS system for placement of online POs.

**2.0**: It is also noted that by the office of PCMD/HJP, POs for supply of drugs are issued in the name of manufacturers/marketing firms indicating name & address of their supplier. Against these POs, supply is received in concerned hospital units by these suppliers. Further, these suppliers submit invoices in their own names to the railways and draw payment without intimation to the manufacturers/

विपणन फर्मों को सूचना दिए, रेलवे को अपने स्वयं के नाम से बीजक प्रस्तुत करते हैं और भुगतान प्राप्त करते हैं। जबकि अन्य रेलवे जैसे NWR में, निर्माताओं/विपणन फर्मों द्वारा निविदा प्रस्तुत की जाती है और क्रयादेश उन स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के नाम जारी किया जाता है जिन्हें निर्माता/विपणन फर्म निविदा विशिष्ट प्राधिकार देते हैं। यह परिपाटी पूमरे में भी शुरू की जा सकती है।

अतः एतद् द्वारा उपरोक्त प्रस्तावित प्रणाली सुधार लागू करने का सुझाव दिया जाता है। कृत कार्रवाई से इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए कृपया अवगत कराया जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक(सतर्कता)**

**''अनुशासन किसी के ऊपर**
**थोपा नहीं जाता, अपितु**
**आत्म अनुशासन लाया जाता है।''**

– अटल बिहारी वाजपेयी

marketing firms on whom POs were placed which is not proper. In other railways like NWR, tender is submitted by the manufacturers/marketing firms and PO is placed on their local suppliers who are given tender specific authorization by the manufacturer in the offer itself with marking of PO copy to the manufacturers/marketing firms. This practice may also be adopted in ECR.

It is therefore suggested to implement above proposed system improvements. Action taken on the matter may be apprised to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**



***"Being honest may not get you a lot of friends but it'll always get you the right ones."***

– John Lennon



# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–19 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 **दिनांकः 31.05.2019**

**प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक**
**पूर्व मध्य रेल,**
**हाजीपुर।**

**विषय** : चिकित्सा के आधार पर वैकल्पिक रोजगार मामलों के बोर्ड के माध्यम से निपटाने में प्रणाली सुधार।

******

एक मंडल रेलवे अस्पताल में एईएमजी बोर्ड के पहलू पर निवारक जाँच के दौरान कुछ अनियमितताएँ नोट की गईं। भविष्य में इन अनियमितताओं की पुनरावृत्ति से बचाव हेतु निम्नलिखित प्रणाली सुधार सुझाए जातें हैंः–

(क) कर्मचारियों को आरंभ में लाईट ड्यूटी की सिफारिश किए बगैर अपने मूल पद से विवर्गीकृत किया गया जो भारतीय रेल चिकित्सा संहिता के पैरा 561 (ए) के निर्देशों का उल्लंघन है।

(ख) कुछ मामलों में DMC के सदस्य ने स्वीकृतिकर्ता प्राधिकारी के भी कार्य का प्रदर्शन किया। ऐसे दोहरे कार्य का प्रदर्शन मेडिकल बोर्ड की हितों के विपरीत है एवं ऐसी स्थिति में लिए गए निर्णय मेडिकल बोर्ड की भावना और दायित्व दोनों को प्रभावित करतें हैं। अतः ऐसी स्थिति से निपटने के लिए उचित व्यवस्था को लागू करने की आवश्यकता है।

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 19/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 31.05.2019

**PCMD**
**East Central Railway,**
**Hajipur**

**Sub-** System improvement in disposal of cases through AEMG Board.

******

During preventive check conducted on the aspect of AEMG board held at Divisional Railway Hospital, Danapur, some irregularities have been noted in AEMG Board files. In order to avoid these irregularities, following system improvement measures are suggested:-

(i) The employees have been de-categorized from his original post without making recommendation of light duty initially which is violation of instructions of Para 561 (A) of IRMM.

(ii) In some cases a member of DMC performed the dual function as a member as well as accepting authority of the DMC. Performance of such dual job by any authority may lead to conflict of interest and affect spirit and onus of decisions taken by the medical board. Hence, proper system is needed to be put in place for such a situation.

(ग) कर्मचारी की बीमारी का विवरण डीएमसी फाइलों में संलग्न नहीं पाए गए। इसके अलावा, कर्मचारी के उपचार से संबन्धित वे दस्तावेज भी डीएमसी फाईल में उपलब्ध नहीं थे जिनके आधार पर इलाज करने वाले डॉक्टर ने एईएमजी बोर्ड की सिफारिश की थी। उपरोक्त दस्तावेज एईएमजी / डीएमसी कार्यवाही के अंग बनाए जाने चाहिए।

(घ) चिकित्सक के उपचार की अनुशंसा के बाद मेडिकल बोर्ड के संचालन में अत्यधिक विलंब किया जाना पाया गया। सभी संबंधितों को इस तरह की देरी से बचने के लिए आरबी पत्र क्रमांक–2010/एच/5/12 दिनांक–14.06.2010 में निहित दिशा–निर्देशों के सख्ती से पालन के लिए निर्देश दिया जाना चाहिए।

उपरोक्त सुझाव प्रणाली सुधार के रूप में लागू किया जा सकता है। जारी किए गए निर्देशों की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना और रिकॉर्ड के लिए कृपया भेजी जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

**''मोह एक अत्यंत विस्मित जाल है,**
**जो बाहर से अतिसुन्दर और**
**अन्दर से अत्यंत कष्टकारी है;**
**जो इसमें फँसा**
**वो पुरी तरह उलझ ही गया।''**

– अटल बिहारी वाजपेयी

(iii) Sick particulars of employee have not been found to be attached in DMC files. Moreover, relevant documents of treatment of employee were also not available in DMC file on the basis of which treating doctor has recommended for AEMG board. These documents should be part of AEMG/DMC proceedings.

(iv) Inordinate delay in holding of medical board after recommendation of treating doctor has been noticed. All concerned should be instructed for strict adherence of guidelines contained in RB letter No.2010/H/5/12 dated-14.06.2010) to avoid such delay.

The above system improvement suggestion may be implemented scrupulously. A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**

***"Be a reflection of what you'd like to see in others. If you want love, give love, if you want honesty, give honesty, if you want respect, give respect. You get in return, what you give."***

# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–20 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 24.06.2019

**प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर,**
**पूर्व मध्य रेल,**
**हाजीपुर।**

**विषय :** मुख्य लोको निरीक्षकों के फुटप्लेट ड्यूटी की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र / प्रणाली।

******

मुख्य लोको निरीक्षकों के फुटप्लेट ड्यूटी के एक शिकायत मामले की जांच के दौरान यह देखा गया है कि मुख्य लोको निरीक्षकों द्वारा किए गए फुटप्लेट ड्यूटी की निगरानी का कोई प्रणाली नहीं है।

इसलिए मुख्य लोको निरीक्षकों द्वारा किए जाने वाले वास्तविक फुटप्लेट ड्यूटी पर प्रभावी निगरानी के लिए उपयुक्त दिशा–निर्देश जारी करना आवश्यक है। जैसे कि सी.एम.एस. के माध्यम से साइन "ऑन"और साइन "ऑफ" की सुविधा या स्टेशन मास्टर द्वारा वास्तविक फुटप्लेट का सत्यापन।

उपर्युक्त दिशा–निर्देशों की एक प्रति इस कार्यालय को भेजी जाए।

**(संतोष कुमार)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (विद्युत)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 20/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Date: 24.06.2019

**Principal Chief Electrical Engineer,**
**E.C. Railway,**
**Hajipur.**

**Sub:** Effective mechanism for monitoring of footplate duty of Chief Loco Inspectors (CLI's).

******

During investigation of a complaint case of footplate duty of CLI's it is observed that there is no mechanism of monitoring of footplate duty done by Chief Loco Inspectors (CLI's).

It is therefore, requested to issued suitable guidelines to effective monitor the actual footplate duty done by Chief Loco Inspectors (CLI's). Such as, extending facilities of sign 'ON' and sign 'OFF' through CMS or verification of actual footplate by station master (SM/ASM's etc.).

A copy of such guidelines may please be sent to this office.

**(Santosh Kumar)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Elect.)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–21 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 15.07.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय** :मछियारी अधिकार के लिए निविदा दस्तावेजों एवं संविदा / ठेका दस्तावेजों के संबंध में प्रणाली–सुधार।

*****

एक मामले की जाँच के दौरान, यह पाया गया कि मंडल द्वारा विभिन्न सेक्शन (खंड) के मछियारी अधिकार के लाइसेंस के लिए निविदाऍं आमंत्रित की गईं। किन्तु, निविदा दस्तावेज को उचित रूप से तैयार नहीं किया गया था, जिसके कारण कार्यपालक द्वारा कई चूक / अनियमितताएँ हो गईं। संविदा करार भी सही नहीं था, इसलिए रेलवे के हित सुरक्षित नहीं थे।

उपर्युक्त को देखते हुए यह अनुरोध है कि कृपया इस संबंध में उपयुक्त निर्देश यह सुनिश्चित करने के लिए जारी किया जाए कि मछियारी अधिकार के लिए निविदा दस्तावेजों तथा संविदा करार को वर्तमान दिशानिर्देशों और नियमों के अनुसार समुचित रूप से बनाकर मंडलों में मानकीकृत कर दिया गया है।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक / सतर्कता**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 21/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 15.07.2019

**Principal Chief Engineer,**
**E.C.Railway, Hajipur.**

**Sub** : System improvement regarding tender documents and contract documents for fishing rights.

*****

During investigation of a case, it was found that the tender for the licensing of fishing right of various section were called by Division. But the tender document was not prepared properly, which resulted in various lapses/irregularities by the executive during finalisation. Also the contract agreement was not proper and hence, Railway's interest were not safe guarded.

In view of the above, it is requested that suitable instruction in this regard may kindly be issued to ensure that Tender documents and contract documents for fishing rights are properly formulated and standardized in the divisions as per extant guidelines and rules.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–22 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 18.07.2019

**प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी,**
**पूर्व मध्य रेल,**
**हाजीपुर**

**विषय :** रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा प्रारंभिक चकित्सा परीक्षा के लिये मेडिकल मेमो जारी करने में प्रणाली सुधार।

प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षा में अनियमितताओं के पहलू पर की गई निवारक जाँच के दौरान रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षा के लिये मेडिकल मेमो जारी करने में अनियमितता पाई गई।

यह नोट किया गया था कि पूर्व निर्धारित / अधिसूचित चिकित्सा श्रेणी होने के बावजूद रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षा के लिये मेडिकल मेमो ए–1 और नीचे के अस्पष्ट चिकित्सा श्रेणी के साथ जारी किया जा रहा था।

ऐसी परिस्थिति में सबसे कम चिकित्सा मानकों वाले उम्मीदवार अर्थात सी0–2 चिकित्सा मानक वाले भी उस पद के लिए फिट मानें जा सकते है जिसके लिए उच्च चिकित्सा मानक की आवश्यकता है। यदि उम्मीदवार की नियुक्ति हेतु एक पद पूर्व निर्धारित है तो ऐसे मामलों में मेडिकल मेमों जारी करते समय आई.आर.एम.एम. में निर्धारित विशिष्ट चिकित्सा श्रेणी ए–1, ए–1, बी–1, ए–1, बी–1, बी–2 आदि का प्रमुखता से उल्लेख किया जाना चाहिए।

इसलिए चिकित्सा मेमो जारी करते समय पद की विशिष्ट चिकित्सा श्रेणियों का उल्लेख करने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी करने की सलाह दी जाती है।

जारी किए गए निर्देशों की एक प्रति सूचना और रिकार्ड के लिए इस कार्यालय को भेजी जा सकती है।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक(सतर्कता)**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 22/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 18.07.19

**Principal Chief Personnel Officer,**
**East Central Railway,**
**Hajipur**

**Sub :** System improvement in issuing medical memo for IME by RRBs.

During a preventive check conducted on the aspect of irregularities in IME, irregularity in issuing Medical Memos by RRBs was noted.

It was noted that the medical memos were being issued with vague medical category like A-1 & below by RRBs despite having pre-defined/ notified medical category. Under this situation, a candidate possessing lowest medical standards i.e. C2 may be considered fit for the post for which higher medical standard is required. When a post is predefined to which candidate is to be appointed, specific medical category like A-1, A1,B1, A-1,B-1,B-2 etc, as prescribed in IRMM, should prominently be mentioned.

It is therefore advised to issue necessary guidelines to mention specific medical categories of the post while issuing medical memos.

A copy of instructions issued may be sent to this office for information and record.

**(Sunny Sinha)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (S)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

**एस.आई.एल.–23 / 2019**

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 02.08.2019

**प्रमुख मुख्य इंजीनियर**
**पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर।**

**विषय:** सभी क्षेत्रीय कार्यों को फाइनल बन्द करने के संबंध में प्रणाली–सुधार।

एक केस के जाँच में यह पाया गया कि क्षेत्रीय संविदाओं (कार्य पूरा करने का समय 30 जून) का अन्तिम बिल समय से नहीं बनाया गया। ऐसा पाया गया कि बिल जनवरी–फरवरी माह में तैयार किया गया है अर्थात कार्य पूरा होने से 6 से 7 माह बाद, जो एक खराब प्रचलन है। जहाँ कही कार्य के क्रियान्वयन में संवेदक विफल हो गया, उनमें भी समय से निल बिल तैयार नही किया गया जो मण्डल स्तर पर घटिया संविदा प्रबन्धन दर्शाता है। चूँकि क्षेत्रीय कार्यों के लिए समय सीमा निर्धारित है (कार्य पूरा करने का समय प्रत्येक वर्ष 30 जून तक), इसलिए नये क्षेत्रीय कार्य शुरू करने से पहले शिकायत से बचने एवं पारदर्शिता बढ़ाने हेतु पूर्व के क्षेत्रीय कार्यों का समापन होना आवश्यक है।

उपरोक्त के परिपेक्ष्य में आग्रह है कि क्षेत्रीय बिल तैयार करने (निल बिल एवं अन्तिम बिल) और समय से क्षेत्रीय कार्यों को फाइनल करने एवं बन्द करने संबंधी एस.आई.एल जारी करें।

जारी किए गए निर्देश की एक प्रति इस कार्यालय को सूचना एवं अभिलेख हेतु भेजी जाए।

**(सौरभ मिश्र)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजी)**
**कृते महाप्रबंधक / सतर्कता**

# EAST CENTRAL RAILWAY

**SIL No - 23/2019**

Office of the
General Manager (Vig.)
Hajipur

**No.** ECR/VIG/System Improvement/50 Dated: 02.08.2019

**Principal Chief Engineer,**
**E.C.Railway, Hajipur.**

**Sub** : System improvement regarding finalisation/closure of all zonal contracts.

During investigation of a case, it is observed that for zonal contracts (with DOC as 30 June), final bills are not prepared timely. It has been found that bills had been prepared in month of January-February i.e after lapses of 06 to 07 months time after DOC of work, which is a bad practice. Even where the contractor had failed to execute the work, Nil bills had not been prepared timely, which reflects poor contract management even at Division level. As Zonal works have a definite time period (DOC- 30th June of every year), hence, prior to start of new zonal work, finalisation of previous zonal work is essential to avoid complaints and to enhance transparency.

In view of the above, it is requested to issue a system improvement letter regarding preparation of Zonal bills (Nil bills & final bills) and for timely finalisation & closure of zonal contracts.

A copy of instruction issued may be sent to this office for information and record.

**(Saurabh Misra)**
**Dy. Chief Vigilance Officer (Engg)**
**For General Manager (Vig.)**

# पूर्व मध्य रेल

एस.आई.एल.–24 / 2019

कार्यालय
महाप्रबंधक (सतर्कता)
हाजीपुर

सं.– ईसीआर / विज / सिस्टम इम्प्रूवमेंट / 50 दिनांक 05.09.2019

**प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक**
**पूमरे / हाजीपुर।**

**विषय** : रेलवे अस्पताल में मरीजों के आहार प्रभार बिल की कटौती के संबंध में प्रणाली सुधार।

समस्तीपुर, सोनपुर, दानापुर, धनबाद एवं मुगलसराय स्थित मंडल रेलवे अस्पतालों में मरीजों के आहार प्रभार बिल के कटौती के पहलू पर निवारक जाँच के दौरान निम्न तथ्य प्रकाश में आये –

(1) रेलवे बोर्ड के पत्रांक 98 / एच / 6–1 / 29 नई दिल्ली दिनांक 11.03.2003 के अनुसार रेलवे चिकित्सा विभाग के द्वारा प्रत्येक तीन वर्षों पर भोजन की दरों की समीक्षा की जानी चाहिए। पूर्व मध्य रेल के द्वारा वर्ष–2014 में पत्र सं0 उप.मुचिनि(प्रशा0) / पूमरे / हाजीपुर के पत्रांक पूमरे / मेड / भोजन प्रभार / 14 / 1274 दिनांक 03.02.14 के द्वारा आहार प्रभार के दर की समीक्षा की गयी थी उसी के अनुरूप पूर्व मध्य रेल पर स्थित सभी मंडल अस्पतालों के द्वारा आहार प्रभार शुल्क की कटौती की जा रही है।

(2) रेलवे बोर्ड के पत्र सं0 2005 / एच / 23 / 6 दिनांक 13.06.18 के अनुसार जिन कर्मियों का मूल वेतन / पेंशन / परिवारिक पेंशन वेतन रू0 44900 / – तक है वे सभी निःशुल्क आहार के पात्र है परन्तु दानापुर मंडल रेल अस्पताल के अलावा अन्य मंडल अस्पतालों के द्वारा उपरोक्त पत्र का सुपालन नहीं हो रहा है।

(3) दानापुर मंडल रेल अस्पताल के द्वारा कार्यरत एवं अन्य कर्मचारियों के आहार प्रभार बिल का भुगतान Cash receipt के माध्यम से नकद

प्राप्त कर उसे Misc.Receipt Transmit Note के द्वारा मंडल खजाँची के पास जमा कराये जानी की प्रणाली अपनायी गयी है, जबकि समस्तीपुर, सोनपुर धनबाद एवं मुगलसराय मंडल रेल अस्पताल के द्वारा कार्यरत कर्मचारियों एवं अतिरिक्त कर्मियों से आहार प्रभार नकद प्राप्त कर बुकिंग कार्यालय/मंडल खजाँची के पास जमा कराये जाने की प्रणाली अपनायी गयी है।

(4) समस्तीपुर, सोनपुर धनबाद एवं मुगलसराय मंडल रेल अस्पताल के द्वारा कार्यरत कर्मचारियों के आहार बिल की कटौती हेतु संबंधित बिल इकाई एवं लेखा विभाग को भेजी जाती है, लेकिन न ही संबंधित बिल इकाई से न ही लेखा विभाग से कटौती से संबंधित सूचना संबंधित रेलवे अस्पताल में दी जानी पायी गयी। अतः प्रशासनिक स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों के आहार प्रभार बिल की वास्तविक वसूली संबंधित कर्मचारी के वेतन से हुई है अथवा नहीं के मामले में Reconciliation की प्रक्रिया अपनाने हेतु विशेष निगरानी, पर्यवेक्षण या Cross check के तंत्र को विकसित किया जाना चाहिए ताकि आहार बिल की वास्तविक कटौती को सुनिश्चित किया जा सके।

अतः रेलवे बोर्ड के पत्रांक 98/एच/6–1/29 नई दिल्ली दिनांक 11.03.2003 के अनुसार आहार प्रभार की समीक्षा करते हुए सभी मंडल अस्पतालों के द्वारा आहार प्रभार के बिल के कटौती हेतु एक समान प्रणाली विकसित की जाए।

उपरोक्त तथ्यों पर प्रधान वित्त सलाहकार एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय के साथ मिलकर समुचित कार्यवाही करते हुए इस कार्यालय को अवगत कराया जाए।

**(सन्नी सिन्हा)**
**उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (भंडार)**
**कृते महाप्रबंधक (सतर्कता)**

## लेख

# ईमानदार जीवनशैली

✍ **शैलेश कुमार**
गो. आशुलिपिक/सतर्कता

एक हीरे का व्यापारी था। उसके यहाँ सैकड़ों कर्मचारी काम करते थे। उसमें श्याम नाम का एक कर्मचारी काफी ईमानदार था। ईमानदारी का ईनाम देते हुए व्यापारी ने उसे अपना मैनेजर बना दिया। प्रत्येक दिन बिक्री के करोड़ो रुपए आते, उसे श्याम व्यापारी को देता, व्यापारी गिनकर व सही पाकर रुपयों को अपनी तिजोरी में रख लेता। बाद में उसकी ईमानदारी को देखते हुए व्यापारी ने नोटो को बिना गिने ही तिजोरी में रखना शुरू कर दिया।

कुछ महीनें बाद श्याम करोड़ों रुपए का बंग्ला और क़ीमती कार खरीदा। तभी व्यापारी को शक हुआ तो उसने दिए गए नोटों को गिनना शुरू कर दिया। प्रथम दिन 10,000 कम पाया। सोचा चलो भूलवश हो गई होगी लेकिन दूसरे और तीसरे दिन भी क्रमशः 20 व 15 हजार उसने कम पाया तभी तीसरे दिन ही उसे नौकरी से निकाल कर पुलिस को सूचित किया। उसके सारे सम्पत्ति के आय–व्यय का लेखा–जोखा किया गया और उसे दोषी पाया गया और उसे जेल जानी पड़ी। इससे यही सबक मिलता है कि लालच करने से ईमानदारी की साख तथा अच्छी–खासी नौकरी से भी हाथ धोनी पड़ सकती है और खुशहाल घर–परिवार सड़क पर आ जाता है। कुछ लोगों को यह लगता है कि हम ऐसे तरीके से अनियमितता करके घूस लेते हैं कि परिन्दे भी पर नहीं मार सकते, यही अहंकार उन्हें एक दिन ले डूबती है।

ईमानदारी का इतना बड़ा और व्यापक क्षेत्र है कि इसे शब्दों में बांधा नहीं जा सकता। मिलावट व कालाबाजारी करने वाला, वजन कम तौलने वाला, किसी नियमित काम के एवज में पुरस्कार लेने वाला, अपनी ड्यूटी से कामचोरी करने वाला अपने आप को ईमानदार समझता है क्योंकि उसके ज़हन में चोरी करते पकड़े जाने, घूस लेते पकड़े जाने आदि को ही अपराध माना जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। जाने–अनजाने में हम कहीं न कहीं ईमानदारी से समझौता कर रहे हैं। हमें अपने समाज के प्रति, परिवार के प्रति, कार्य क्षेत्र के प्रति अर्थात् जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदार होना पड़ेगा। जिस दिन हमलोगों ने इसे आत्मसात कर लिया उस दिन से हम टेंशन से

मुक्त रहेंगे फलतः हम निरोग एवं दीर्घायु होंगे। हम धनी कहलायेंगे क्योंकि **''स्वास्थ्य ही धन है''**, जो जीवन के साथ जाता है।

एक बार ईमानदारी की एक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी कि कौन सबसे बड़ा ईमानदार? इसमें देश भर के चुनिंदा 100 लोगों ने भाग लिया। लोगों ने अपनी ईमानदारी की लम्बी–चौड़ी लिस्ट बना रखी थी। कई लोग अखबार कतरन, फोटो, अवार्ड, ऑडियो व विडियो क्लिप भी लेकर पहुँचे थे। तभी प्रतियोगिता शुरु हुई। साक्षात्कार टीम के 10 सदस्य प्रतियोगियों के बीच पहुँच कर उनके मनोभाव समझते हुए ईमानदारी के गाथा सुनकर नोट किया। तदोपरांत सभी का **''नारको टेस्ट''** कर इसका मिलान ईमानदारी गाथा टिप्पणी से किया गया जिसमें 99 प्रतियोगी का जवाब हू–बहू नहीं पाया गया।

तदोपरांत घोषणा हुई कि यहाँ उपस्थित सारे प्रतिभागी ईमानदार तो हैं लेकिन मुझे 100 फीसदी प्यूरिटी चाहिए इसमें मात्र एक ही उम्मीदवार जिनका नाम, आर.के. मंडल है, फाईनल राउण्ड में प्रवेश किए है लेकिन वे अभी भी अपने–आप को विजेता न समझें क्योंकि अन्तिम राउण्ड में उन्हें झूठ पकड़ने वाली मशीन **''लाई डिटेक्टर''** टेस्ट से गुजरना पड़ेगा। ''लाई डिटेक्टर'' मशीन लगाते हुए अंतिम प्रश्न पूछा गया कि किस गुण के कारण समझा जाए कि आप ईमानदार है?

श्री मंडल ने ओज पूर्ण स्वर में बोला कि मैं पेशे से सरकारी सेवक हूँ। झूठ मेरी डिक्सनरी में नहीं है। कहो कुछ, करो कुछ और बताओ कुछ से मैं कोसों दूर हूँ। सही निर्णय लेने में मैं नहीं डरता, कि वह बाघ है मुझे खा जाएगा, क्योंकि मृत्यु क्षणभंगूर है। दूसरों का धन–दौलत मुझे नहीं भाता। सौन्दर्य व मोह–माया मुझे अपने कर्त्तव्य पथ पर डिगा नहीं सकते क्योंकि मैं मन, कर्म और वचन से वफादार हूँ।

तभी **''लाई डिटेक्टर''** में रिजल्ट आया 100 प्रतिशत एक्यूरेसी। तालियों की गड़गड़ाहट से सारा माहौल ईमानदारमय हो गया। मंडल की आँखों से अश्रू की धार बहने लगे। उन्होंने आसू पोछते हुए कहा कि मैंने नहीं सोचा था कि इतने दस्तावेजों के साथ पहुँचे लोगों में मैं कहीं टिक भी पाऊँगा। लेकिन मेरी ईमानदारी हमेशा मुझे बल प्रदान करती थी। याद रखें, सत्य जरूर थोड़ा हैरान और परेशान हो सकता है, लेकिन अंत में सत्य की ही जीत होती है।

अतः हम कह सकते हैं कि **''ईमानदार जीवनशैली''** अपनाना ही खुशहाली का 100 फीसदी गारंटी है।

## कहानी

# 'ईमानदारी' : सर्वश्रेष्ठ जीवनशैली

✍ **प्रमोद यादव**
मुसतानि/भंडार

जमींदार राधेश्याम बाबू के दो पुत्र थे। बड़े पुत्र मदन मुरारी उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रोफेसर की नौकरी करते थे, जबकि गोविंद बाबू को शिक्षा में अभिरूचि नहीं होने के कारण कृषि कार्य एवं पहलवानी किया करते थे।

जमींदार राधेश्याम बाबू के द्वारा जनता को आर्थिक रूप से निचोड़ने के साथ–साथ सांस्कृतिक रूप से भी उनके दिलोदिमाग को विकृत करने की कोशिश करते थे ताकि उनके खिलाफ उठनेवाली हरेक चिंगारी को बुझाया जा सके। दूसरी ओर पुत्र गोविंद, मेहनतकश गरीबों के ताल में ताल मिलाकर संघर्ष के गीत गानेवाले, भूख के खिलाफ रोटी की आवाज बुलंद करनेवाले के सपने और अरमान को पूरा करने हेतु कंधे में कंधा मिलाकर साथ देते। अपने ही पुत्र के द्वारा किए गए विरोध को देखते हुए राधेश्याम बाबू दिनभर खेत में काम करनेवाले मजदूरों को सूर्यास्त से पहले घर नहीं जाने देने के परम्परा को तोड़ते हुए कामगार मजदूरों को उचित मजदूरी एवं समय से घर जाने की छूट देने लगे ताकि अपने ही घर से निकली विरोध की चिंगारी को दफन किया जा सके।

गोविंद बाबू की ईमानदारी से जमींदार राधेश्याम बाबू एवं उनके बड़े पुत्र प्रोफेसर मदन मुरारी काफी सशंकित हो गये। इन लोगों के द्वारा सुनियोजित तरीके से एक क्रमबद्व योजना के तहत् दलितों के सन्यासी विनोवा भावे के द्वारा चलाये गये भू–आंदोलन को आगे बढ़ाने हेतु अपने बड़े पुत्र मदन मुरारी बाबू को एक अग्रणी मजदूर नेता के रूप में प्रस्तुत किया जो बड़े ही महत्वाकांक्षी और उत्कृष्ट कोटि के विद्वान थे। वे अपने भाषण की शुरूआत में ही कहा करते थे कि जब तक मानव द्वारा मानव का लहू पीना जारी है, तब तक बदनाम कैलेण्डर में शोषण का महीना जारी रहेगा। इससे मुक्ति दिलाने में मेरे प्राण भी गवाने पड़े तो इसे मैं कम ही समझूँगा। प्रोफेसर साहब के भाषण से गरीबों के बीच एक नई

ऊर्जा का संचार हो जाता था। प्रोफेसर साहब अपनी जयकारा के साथ गरीब लोगों से बोलवाया करते थे कि जब तक जनता का अध नंगे–अध भूखे जीना जारी है, हम इंकलाब के नारों से धरती आकाश गुंजायेंगे। मजदूर एकता के बल पर हम ताकत से टकरायेंगे। प्रोफेसर साहब जैसे मसीहा को पाकर गरीब मजदूर जमींदारों के जमीन पर बनाये अपनी झोपड़ी में बेपरवाह सोया करते थे। गरीबों का इस तरह बेपरवाह सोना लंबे समय तक जारी नहीं रह सका। अमावस्या की काली रात में जमींदारों के गुर्गो के द्वारा बस्ती में आग लगा दी गयी, बहू–बेटियों की इज्जत लूटा जाने लगा। इसी क्रम में बस्ती के राधा का इज्जत लूटने का प्रयास किया जा रहा था तथा राधा जोर–जोर से चिल्ला रही थी, लेकिन जिस प्रकार द्रौपदी के चीर हरण के समय सारे हस्तिनापुर के लोग लाचार एवं नपुंसक बने हुए थे, ठीक उसी प्रकार बस्ती के सारे लोग मूकदर्शक बने रहे, तभी कृष्ण की तरह ही गोविंद पहलवान अचानक प्रकट हुआ एवं लात–घूंसे एवं लाठी–फट्ठे से सभी गुंडों को मारने लगे। उनके द्वारा मारे जाने के बाद बस्ती के सभी लोग उन गुंडों पर टूट पड़े। एक गुंडा मार खाने के क्रम में गोविंद पहलवान से बोला कि एक भाई बस्ती को हटाने के लिए पैसा देता है, दूसरा भाई मसीहा बनने चला है। फिर भी वे उसकी बात को नजरअंदाज करते हुए बस्ती के लोगों के साथ मिलकर सभी गुंडों को मारकर भगा दिया, लेकिन बस्ती में आग लगने के कारण अधिकाशतः बस्ती के लोग बेघर हो गये थे। गरीबों की लाचारी एवं दीनता को देखकर गोविंद पहलवान का दिल पिघल गया। वे उसी समय घर पहुँचकर गरीबों के मसीहा बने अपने बड़े भाई मदन मुरारी बाबू से वार्ता की। वार्ता के दौरान प्रोफेसर साहब जो सर्वगुण सम्पन्न, श्यामवर्णी एवं दुबले–पतले थे, अपनी नैतिकता का भाषण करते हुए बोले कि गोविंद, हमलोग भी जमींदार हैं और ऐसी समस्या हमारे ऊपर भी आ सकती है। अतः हमें भी हाथी की तरह दो दाँतों का रखना जरूरी है, कहते हुए मुस्कुराने लगे। प्रोफेसर साहब की कुटिल मुस्कुराहट से उनकी सारी बत्तीसी ऐसे प्रकट हुई, जैसे काले–काले बादलों के बीच उड़ते हुए सफेद हंसो की कतार। गोविंद पहलवान भीतर ही भीतर काफी क्रोधित हो गए परन्तु बड़े भाई की इज्जत करते हुए कुछ बोल नहीं सके। परन्तु वे मन–ही–मन समझ चुके थे कि केवल अपनी संपत्ति को बचाने के लिए ही उनका बड़ा भाई गरीबों के नेता बनाये गये हैं।

वे महाकाल के भक्त थे, तुरत मंदिर पहुँचे एवं महाकाल से अपना फरियाद करने लगे, और बोले – हे महाकाल, आप निश्छल, विकराल एवं करूणामय हो, परन्तु पत्थरों की जंजीरों से जकड़े हो एवं निष्ठुर महलों में बसते हो, उन निष्ठुर महलों के द्वार हमेशा निर्बल, निरीह और दीनहीन जाति, कुल, गोत्र से विहीन व्यक्तियों के लिए सदा बन्द रहते हो एवं महाकाल का जयकारा करते हुए उनकी मूर्त्ति को उखाड़कर जलाये गये गरीब बस्ती में पहुँचे एवं बस्ती के द्वार पर ही महाकाल को स्थापित कर गरीबों की बस्ती को पुनः जीर्णोद्धार हेतु गाँव के लोगों से घर बनाने की सामग्री माँगकर बस्ती को पुनः निर्माण करवाया एवं गोविंद पहलवान उसी बस्ती में रहने लगे। अब गोविंद पहलवान को बस्ती के लोग गोविंद चाचा के नाम से बुलाते थे। उनके उस बस्ती में रहने के कारण वहाँ कुछ भी करना नामुमकिन था। बदले परिवेश को देखते हुए उनके पिता एवं बड़े भाई ने उन्हें घर आने को कहा जिसे गोविंद ने इंकार कर दिया। तब सभी जमींदारों ने मिलकर झूठे मुकदमें में फँसा दिया लेकिन पुलिस जब पकड़ने के लिए आती तो बस्ती के सारे लोग गिरफ्तारी के लिए आगे आ जाते। बस्ती के सभी लोगों ने मिलकर चन्दा इकट्ठा किया एवं कोर्ट से उनका अग्रिम जमानत करवा लिया। बड़े भाई मौके का फायदा उठाकर सारी संपत्ति अपने नाम करवा लिया, फिर भी गोविंद चाचा के मुखड़े पर दुःख का भाव नहीं दिखाई दिया। वे हमेशा मर्यादाओं के बंधन में रहकर अपनी ईमानदार सोच के बल पर चरित्र रूपी वृक्ष को इतना सुदृढ़ किया कि उनकी प्रतिष्ठा डालियों की छाया जैसी घनी और विस्तृत होती चली गयी।

गोविंद चाचा ने बस्ती के ही राधा के साथ शादी करने का प्रस्ताव उसके पिता को दिया। सुनते ही राधा के रक्तहीन चेहरे पर कांतिमय मुस्कान थिरकने लगी एवं कमल चक्षु से अश्रु की घारा बहने लगी। शादी के उपरान्त उन्हें दो पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। उनके दोनों पुत्रों सरकारी स्कूल में पठन–पाठन के साथ–साथ पशुपालन में भी अपने पिता का सहयोग किया करते थे। आगे चलकर उनके दोनों पुत्रों की नौकरी सेना में अधिकारी के पद पर हो गई। अब गोविंद चाचा को आर्थिक तंगी से मुक्ति मिल गयी साथ ही साथ उस बस्ती का नाम वहाँ के लोगों ने गोविंद नगर रखा। वहीं दूसरी ओर उनके बड़े भाई मदन मुरारी को भी

दो पुत्र पैदा हुए जो आगे चलकर सूचना प्रौद्योगिकी का कोर्स किया एवं वे दोनों एक ही शहर दिल्ली में नौकरी करने लगे। अचानक एक दिन खबर आयी की दोनों पुत्रों ने आत्महत्या कर ली। मदन मुरारी यह सुनते ही मुर्क्षित हो गए। गोविंद चाचा, खबर सुनकर गाँव के व्यक्तियों के साथ मिलकर दिल्ली से दोनों भतीजों का शव लेकर आये एवं स्वयं ही मुखाग्नि देकर दाह संस्कार किया। इस घटना के उपरान्त भावुक मुरारी बाबू ने गोविंद चाचा को बुलाया एवं कहा कि अच्छाई व बुराई में अनंत काल से निरंतर संघर्ष चलता आ रहा है, अच्छाई परेशान तो हो सकता है लेकिन अंततः जीत उसी की होती है। भाई, मेरे कर्मो के ही कारण विपत्ति आई है इसके लिये ईश्वर को लांछित करना व्यर्थ है। आगे उन्होंने गोविंद चाचा से प्रार्थना भरे लहजे में कहा कि गोविंद, मेरे पास ईमान नहीं होने के कारण ही ऊपरवाले ने बिना आवाज की लाठी मारी है, तो अब इस धन की क्या शोभा होगी ? अतः मैं अपनी पूरी संपत्ति तुम्हारे नाम करना चाहता हूँ। गोविंद चाचा ने बड़े ही सहज भाव से इंकार करते हुए कहा है कि आपकी संपत्ति गरीबों की लाश पर खड़ी है, ऐसी संपत्ति किसी को भी सुख एवं शांति नहीं दे सकती है क्योंकि शुद्व बीज से अंकुरित वृक्ष ही पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार को हरियाली देती है। अतः इन संपत्तियों को गरीबों के बीच ही दान दे दिया जाए। मुरारी बाबू ने उनके विचार से सहमत होते हुए अपनी सारी संपत्ति गरीबों के बीच बाँट दिया। इस प्रकार गोविंद चाचा की ईमानदार सोच, हमलोगों को ईमानदार बनने की प्रेरणा देती है।

गोविंद चाचा के द्वारा ईमानदारी के नींव पर बनायी गयी ईमारत गोविंद नगर के रूप में इतिहास के पन्नों पर चिरस्थाई रूप से दर्ज हो गया जबकि मदन मुरारी बाबू के द्वारा झूठ, फरेब एवं छल–कपट से अर्जित धन–दौलत बालू के ढ़ेर के समान ही धवस्त होकर मिट्टी में मिल गया। इससे स्पष्ट है कि अनैतिक तरीके से बनी संपत्ति आज तक किसी को भी रास नहीं आई है और **''ईमानदारी'' ही जीवन जीने की सर्वश्रेष्ठ शैली है।**



## कविता

# सतर्कता चेतावनी गीत

✍ **महादेव कुमार मंडल**
मुसतानि/भंडार

सतर्कता ने है हाथ बढ़ाया, खोली है अपनी बाहें
छोड़ के सारे किंतु–परंतु, चलें सत्यनिष्ठ की राहें
वरना बहुत ही फिर पछताएंगे
जाएंगे कहाँ तक बचकर जाएंगे

अभी लगेगा अच्छा बहुत पर, वह तो मन का भ्रम है
खुशी के बंधु आँसू नहीं, वो तो अंतःपीड़ा और गम है
बोये जो बबूल तो आम कहाँ से पाएंगे
जाएंगे कहाँ तक फिर बचकर जाएंगे

चारा, कोयला तक नही छोड़ा, अलकतरा भी खाया
खाने की आदत से ही तो, ताबूत भी बच ना पाया
खाते–खाते एकदिन खुद को खाएंगे
जाएंगे कहाँ तक फिर बचकर जाएंग

चलें मिला है मौका अभी तो, अपनाएं "प्रणाली सुधार"
जिसको अपनाने से हो जाएगा, स्व जीवन का उद्धार
सतर्कता के ही गुण एक दिन गाएंगे
जाएंगे कहाँ तक फिर बचकर जाएंगे

भला बुरा जो जैसा करता, अंत मे होता हिसाब
'चित्रगुप्त' के पास में है, सबके कर्मों की किताब
अन्ततः एक दिन **"देव"** शरण आऐंगे
जाएंगे कहाँ तक फिर बचकर जाएंगे

# स्वत्व त्यजक

यह बुलेटिन केवल दिशा-निर्देश प्रदान करने के प्रयोजन हेतु एवं कार्यालय उपयोग के लिए है। इसे किसी भी कार्यालय संदर्भ में प्राधिकार के रूप में उद्धृत नहीं किया जाना चाहिए और न ही इसे कोर्ट में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कोई भी संदर्भ, जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, हमेशा विषय के मूल आदेशों से संदर्भित किया जाना चाहिए।

# Disclaimer

This bulletin is purely for the purpose of providing guidelines and is intended for offcial use only. It should not be quoted as authority in any official reference or produced in a Court. A reference, wherever the original orders on the subjects.




"स्वच्छता ही सेवा" अभियान के तत्वावधान में राजेन्द्रनगर टर्मिनल स्टेशन का मनमोहक दृश्य




महात्मा गाँधी के 150वें जयंती के अवसर पर "मोहन से महात्मा" के सफर को परिलक्षित करती सप्तक्रांति एक्सप्रेस

# सतर्कता संगठन

## पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर